सेंसेक्स	~	84,058.90
निफ्टी	~	25,637.80
सोना	~	98,020
चांदी	~	10,790
डॉलर	~	85.43

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शनिवार 28 जून 2025
आषाढ़ शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 273
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

ड्रग्स तस्करी मामले में तमिल एक्टर कृष्णा गिरफ्तार

मुंबई। तमिल एक्टर कृष्णा कुलशेखरन को ड्रग्स दुरुपयोग और तस्करी के मामले में गुरुवार को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले कुछ दिन पहले एक्टर श्रीकांत और एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया था। वहीं इन दोनों से पूछताछ के बाद कृष्णा कुलशेखरन का नाम भी सामने आया। इसके बाद पुलिस ने कृष्णा से इस मामले को लेकर पूछताछ की। पुलिस ने कृष्णा के घर में दो घंटे तक तलाशी ली उसके बाद एक्टर को गिरफ्तार किया। मशहूर फिल्ममेकर विष्णु वर्धन के छोटे भाई कृष्णा को पुलिस ने समन भेजा था। इससे पहले ही वो केरल भाग गए थे। इसके लिए पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए चार स्पेशल टीम बनवाई थीं।

भारत में ही ठीक होगा फाइटर जेट एफ-35, ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम आएगी

तिरुअनंतपुरम। ब्रिटिश रॉयल नेवी का फाइटर जेट एफ-35 अब भारत में ठीक होगा। इसके लिए ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम और 2 टो व्हीकल आएंगी। टीम फाइटर जेट में आ रही तकनीकी प्रॉब्लम को ठीक करेगी, जिसके बाद ब्रिटेन के लिए उड़ान भरेगा।

फाइटर जेट की 14 जून की रात तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। 918 करोड़ का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है।

भारत में ही ठीक होगा फाइटर जेट एफ-35, ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम आएगी

तिरुअनंतपुरम। ब्रिटिश रॉयल नेवी का फाइटर जेट एफ-35 अब भारत में ठीक होगा। इसके लिए ब्रिटेन से 40 इंजीनियरों की टीम और 2 टो व्हीकल आएंगी। टीम फाइटर जेट में आ रही तकनीकी प्रॉब्लम को ठीक करेगी, जिसके बाद ब्रिटेन के लिए उड़ान भरेगा। फाइटर जेट की 14 जून की रात तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। 918 करोड़ का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है।

300 राइफल-पिस्टल, 50000 कारतूस मिले

लखनऊ। लखनऊ में मोहर्रम से एक दिन पहले हथियारों का जखीरा बरामद हुआ। पुलिस को हकीम के घर से 300 हथियार और 50 हजार कारतूस मिले। बारहसिंघा की खाल समेत कई आपत्तिजनक चीजें भी मिली हैं। पुलिस 20 बोरियों में कारतूस भरकर ले गई। तीन थानों की फोर्स ने हकीम सलाहुद्दीन उर्फ लाला के घर पर छापा मारा। जहां अवैध हथियारों की फैक्ट्री चलती मिली। उसका घर मलिहाबाद थाने से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर है।

विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान हादसा, 581 श्रद्धालु घायल

पुरी । ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान अत्यधिक भीड़ के कारण 581 श्रद्धालु घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कम से कम 8 श्रद्धालुओं की हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला मुख्याल अस्पताल ले जाया गया है।

तीर्थ नगरी के ग्रैंड रोड पर रथ यात्रा के दौरान रथ खींचने समारोह में काफी ज्यादा संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हो गए थे। इसी दौरान अत्यधिक भीड़ के कारण श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना उस समय हुई, जब भगवान बलभद्र के तालध्वज रथ को खींचने का काम शुरू हुआ।

सूत्रों के मुताबिक, घायल श्रद्धालुओं में से 581 को हाईटेक अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि 173 को हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) में ले जाया गया। घायल 68 श्रद्धालुओं को ओपीडी में उपचार दिया गया। कम से कम 8 श्रद्धालुओं की हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) ले जाया गया है।

जगन्नाथमय हुआ पूरा अहमदाबाद

अषाढी दूज के अवसर पर अपने भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान जगन्नाथजी के देर रात निज मंदिर में लौटन के साथ ही 148वीं रथयात्रा हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। सुबह नगर यात्रा पर निकले भगवान जगन्नाथजी लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन देते हुए रात करीब 8 बजे निज मंदिर लौट आए। रथयात्रा प्रारंभ से पहले तड़के अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र स्थित जगन्नाथजी के मंदिर में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगला आरती की। मंगला आरती के बाद भगवान को खीचड़ी, कद्दू, गुवार फली और दही का विशिष्ट भोग लगाया गया। जिसके पश्चात भगवान जगन्नाथजी, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलरामजी तीन अलग अलग नए रथों पर बिराजमान हुए।

अहमदाबाद रथयात्रा के रूट में खाड़िया विस्तार जगह पड़ती है, जहां से हाथियों के बेकाबू होने का वीडियो वायरल हुआ। डीजे की तेज आवाज से एक हाथी भड़क गया और दौड़ने लगा। उस हाथी को देखकर बाकी के दो हाथी भी बेकाबू हो गए। बताया जा रहा कि यात्रा में 5-6 हाथी बेकाबू हुए थे। इनमें से तीन हाथी खाड़िया की गलियों में दौड़ने लगे थे। इस भगदड़ में तीन से चार लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। उनमें से एक मीडियाकर्मी है। हालांकि गनीमत रही कि किसी को भी ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। ये लोग हाथी के नजदीक ही खड़े थे और भगदड़ में गिर गए थे। अच्छी खबर यह रही कि जबतक हाथी उन लोगों तक पहुंचते, तब तक लोगों ने उन्हें बचा लिया।

जगन्नाथ यात्रा में सबसे आगे गजराज चलते हैं। उनके साथ महावत और वन विभाग की टीम भी रहती है। जैसे ही हाथी निरंकुश होने लगे, वन विभाग की टीम तुरंत एक्टिव हो गई। टीम के पास ट्रैंक्विलाइज़र के साथ अन्य हथियार भी रहते हैं। उन्होंने तुरंत हाथी पर काबू पाया। इसके चलते 15 मिनट तक रथयात्रा को रोका गया। मौके पर 108 एंबुलेंस को बुलाया गया और घायलों को अस्पताल भेजा गया।

जिला अध्यक्ष ही आगे कांग्रेस पार्टी को चलाएगा, ये काम हम पूरे देश में करने जा रहे

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आदिवासी नेतृत्व को मजबूत करने पर जोर देकर बताया कि जिला अध्यक्ष ही कांग्रेस पार्टी को चलाएगा। साथ ही वह पार्टी को मजबूती देने का भी काम करेगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया। इसमें राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा करते दिख रहे हैं। यह वीडियो 6 मिनट 21 सेकंड का है।

कांग्रेस ने लिखा, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। हम आदिवासी वर्ग को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़े हैं, उनके अधिकारों के लिए लड़ते रहने वाले है। वीडियो में देखा जा सकता हैं कि राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहते हैं, मैं पहले ही आपको बताना चाहता हूं कि मेरी दिलचस्पी क्या है। हमारी ऐसी आदिवासी लीडरशिप बने कि उसे हम कांग्रेस पार्टी में देख सके। मैं आपकी कांग्रेस पार्टी में मदद करना चाहता हूं। उसके लिए आपको संगठित होना पड़ेगा और जो सचमुच में आदिवासियों की बात कर रहे हैं, जो थोड़े डायनमिक हैं और आदिवासियों के लिए लड़ रहे हैं, उन्हें आगे करना पड़ेगा।

उन्होंने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहा, हम नया कदम ले रहे हैं। अभी कांग्रेस पार्टी ने गुजरात में शुरू किया है और उसमें वहां 41 नए जिला अध्यक्ष चुने हैं। जिला अध्यक्ष में आदिवासी, दलित, पिछड़े, जनरल कास्ट सहित सभी लोग शामिल है। हम जिला अध्यक्ष को पावर देने जा रहे हैं, जो वहां पर कांग्रेस को चलाएगा और उसकी रक्षा करेगा। हमारी जो विचारधारा है, उसकी रक्षा करेगा और सदस्यता बढ़ाएगा। जिला अध्यक्ष हमारा नॉडल ऑफिसर बन जाएगा और ये चीज हम हिंदुस्तान के हर जिले में कर रहे हैं। हालांकि, सबसे बड़ी परेशानी तब आती है, जब अहमदाबाद या दिल्ली से फैसला लिया जाता है और उसमें बनासकांठा के लिए कुछ नहीं होता है।

चुनाव आयोग की स्ट्राइक...345 राजनीतिक दलों की मान्यता पर संकट

6 साल से कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ा

नई दिल्ली। भारत के निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों की मान्यता समाप्त कर उन्हें सूची से बाहर करने की तैयारी है। जिन दलों की मान्यता समाप्त करने की तैयारी है। उन्होंने पिछले 6 वर्षों से कभी भी अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किये। जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की है।

2022 में केंद्रीय चुनाव आयोग ने 196 दलों का पंजीयन निरस्त किया था। 345 और राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने के बाद, केंद्रीय निर्वाचन आयोग की सूची में 2482 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल पंजीकृत हैं। जिन राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं।

पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर में छूट देने का प्रावधान है। टैक्स छूट का लाभ उठाकर कई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध को अंजाम देते हैं। जांच में इसतरह के कई मामलों का खुलासा हुआ है।

देश में राष्ट्रीय /राज्य /गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के तहत होता है। इस प्रावधान के तहत एक बार पंजीकृत हो जाने पर राजनीतिक दल को कर में छूट सहित अन्य कई सुविधाएं प्राप्त होती हैं। आयोग के अनुसार, यह अभियान राजनीतिक व्यवस्था को पारदर्शी एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से आगे भी जारी रहेगा।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने जताई चिंता

नई दिल्ली। देश के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने वन नेशन, वन इलेक्शन कराने की योजना पर चिंताएं जताई हैं। उन्होंने इसपर विचार के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कहा कि छोटी और राष्ट्रीय पार्टियों को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। उनका मानना है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो छोटी पार्टियां पिछड़ जाएंगी। जेपीसी इस मामले पर विचार कर रही है और 11 जुलाई को पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेएस खेहर से बात करेगी।

केंद्र सरकार 2029 से एक साथ यानी वन नेशन, वन इलेक्शन कराने पर विचार कर रही है, ताकि चुनाव का खर्च कम हो और सरकारें विकास पर ध्यान दे सकें। मौजूदा परिस्थितियों में यह 2034 से ही पूरी तरह से लागू होने की संभावना है। कई पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे लोकतंत्र और संघीय ढांचे को नुकसान होगा।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने जेपीसी को बताया कि एक साथ चुनाव कराने से छोटी पार्टियों को नुकसान होगा। क्योंकि बड़ी पार्टियों के पास ज्यादा पैसा होता है, जिससे वे चुनाव में आगे रहती हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के नियमों को मजबूत करना चाहिए, खासकर पैसे के मामले में। अभी उम्मीदवारों के खर्च की सीमा है, लेकिन पार्टियों के खर्च की कोई सीमा नहीं है। इससे बड़ी पार्टियों को फायदा होता है।

उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा या विधानसभा कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो जाती है, तो दोबारा चुनाव होने चाहिए।

इससे लोगों को हमेशा अपना प्रतिनिधि चुनने का मौका मिलता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन तभी करेगा, जब सरकार के हर स्तर पर गैर-समकालिक चुनाव संविधान का मूल तत्व हो। चंद्रचूड़ ने अविश्वास प्रस्ताव पर कहा कि संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद को हमेशा सदन का समर्थन मिलना चाहिए। अगर अविश्वास प्रस्ताव लाने पर समय की पाबंदी होगी, तो यह सिद्धांत कमजोर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत मिलना मुश्किल होता है। अगर अविश्वास प्रस्ताव, विश्वास प्रस्ताव पर निर्भर है, तो अल्पसंख्यक सरकार के सत्ता में बने रहने की संभावना है। यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। जेपीसी अभी विधेयक की जांच कर रही है। इस बिल में अनुच्छेद 82(ए) जोड़ने का प्रस्ताव है, जो लोकसभा और विधानसभाओं के एक साथ चुनाव से जुड़ा है। इसके अलावा अनुच्छेद 83, 172 और 327 में भी बदलाव करने की बात है। ये बदलाव 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद लागू होंगे और एक साथ चुनाव 2034 से शुरू हो सकते हैं। बता दें आजादी के बाद 1952 से 1967 तक देश में एक साथ चुनाव हुए थे, लेकिन बाद में लोकसभा और विधानसभाएं समय से पहले भंग होने लगीं, जिससे चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। कई समितियों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, लेकिन कुछ दिक्कतें भी बताई हैं।

संविधान को धर्म निरपेक्षता और समाजवाद शब्द की जरूरत नहीं-शिवराज सिंह चौहान

वाराणसी। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत के संविधान को धर्म निरपेक्षता और समाजवाद शब्द की जरूरत नहीं है। ये दोनों शब्दों को हटाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संविधान में बाद में अपने फायदे के लिए इसे जोड़ दिया गया, जबकि इसकी जरूरत नहीं थी। भारत की संस्कृति का इससे कोई संबंध नहीं है। आपातकाल विषय को लेकर प्रेस वार्ता कर रहे शिवराज सिंह ने कांग्रेस को जमकर खरी-खोटी सुनाई। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को संगठन द्वारा तय आपातकालीन कार्यक्रम के तहत काशी पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक अंदाज में माल्यार्पण कर कृषि मंत्री का अभिनंदन किया।

लिव इन रिलेशन के कारण महिलाओं के लिए बढ़ जाती हैं परेशानी, इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी

प्रयागराज। शादी का झूठा वादा कर महिला का शारीरिक शोषण करने के मामले में हाईकोर्ट ने लिव इन रिलेशन का जिक्र किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट का कहना है कि लिव इन रिलेशन की धरणा मध्यम वर्गीय समाज के मौजूदा कानूनों के खिलाफ है। इसके साथ ही इस तरह के मामलों में इजाफा होने पर भी चिंता जाहिर की है। उच्च न्यायालय में जस्टिस सिद्धार्थ मामले की सुनवाई कर रहे थे। उनके सामने शान ए आलम की जमानत याचिका पहुंची थी। आरोपी के खिलाफ कई प्रावधानों के तहत मामले दर्ज हैं। आरोप हैं कि आरोपी ने शादी का वादा कर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी करने से इंकार किया। कोर्ट ने कहा, एपेक्स कोर्ट की तरफ से लिव इन रिलेशन को कानूनी मान्यता देने के बाद कोर्ट में इसतरह के मामले आते ही जा रहे हैं। ये मामले अदालत में इसलिए आ रहे हैं, क्योंकि लिव इन रिलेशन भारतीय मध्यमवर्ग के स्थापित कानूनों के खिलाफ है...। अदालत ने कहा है कि लिव इन रिलेशन महिलाओं को अनुपातहीन नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष आगे बढ़ जाते हैं और इसतरह के रिश्ते खत्म कर शादी भी कर लेते हैं, लेकिन महिलाओं को ब्रेकअप के बाद साथी तलाशना मुश्किल होता है।

बिना टावर और बिना सेटेलाइट फोन के चलेंगे स्मार्ट फोन

- जंगल पहाड़ और रेगिस्तान में भी हो सकेगी बात

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही डायरेक्ट टू डिवाइस (डी2डी) सर्विस शुरू करने की तैयारी हो रही है। भारत में वोडाफोन आइडिया तथा अमेरिका की कंपनी एएसटी के बीच स्पेस सर्विसेज को लेकर एक अनुबंध हुआ है। इस नई तकनीकी के जरिए भारत के 99 फ़ीसदी हिस्से में अब आसानी से फोन पर बात हो सकेगी। इंटरनेट से भी गांव गांव और जंगल में कनेक्ट हो सकेंगे।

जो नई तकनीकी आ रही है। उसमें मोबाईल के टावर की जरूरत नहीं होगी। सेटेलाइट फोन की आवश्यकता नहीं होगी। स्मार्टफोन पर यह सेवा आसानी के साथ उपलब्ध होगी। यह सारा नेटवर्क सेटेलाइट से जुड़ा होगा। पहाड़ी इलाके, रेगिस्तान और भारत के किसी भी हिस्से में अब

आसानी से बात हो सकेगी। इंटरनेट का उपयोग किया जा सकेगा।

एएसटीस्पेस मोबाइल कंपनी, 6 अर्थ ऑर्बिट सेटेलाइट लांच कर चुकी है

भारत का 99 फ़ीसदी हिस्सा इससे कबर हो चुका है। कंपनी 243 और नए छोटे सैटेलाइट भेज रही है।

भारत के टेलीकॉम कम्युनिकेशन सेक्टर में बड़ी तेजी के साथ परिवर्तन आने जा रहा है। एलन मस्क की कंपनी स्टरलिंक भारत में सेवाएं शुरू करने जा रही है। एप्पल की ग्लोबल स्टार अमेजॉन की क्यूपर,डी2डी एवं अन्य कंपनियां बड़ी तेजी के साथ भारत के टेलीकॉम बाजार में प्रवेश करने जा रही हैं। टेलीकॉम के क्षेत्र में अब सेटेलाइट के जरिए बिना काल ड्राप, कम्युनिकेशन 24 घंटे भारत के किसी भी हिस्से में हो सकेगा। भारत के लिए टेलीकॉम सेक्टर का यह सबसे बड़ा गेम चेंजर है। प्रतिस्पर्धा होने के कारण उपभोक्ताओं को कम कीमत पर इंटरनेट की सुविधा मिल सकेगी। यह आशा की जाती है।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेप

गार्ड रूम में हुई वारदात, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता में लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया है। घटना 25 जून की है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का नाम मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) है। इन तीनों को साउथ 24 परगना के अलीपुर एसीएमजे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच के लिए आरोपियों से पूछताछ जरूरी है। पीड़िता की मेडिकल जांच और बयान की प्रक्रिया भी चल रही है। भाजपा ने एक आरोपी मनोजीत मिश्रा के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

यह वारदात कॉलेज कैंपस में बुधवार शाम 7:30 बजे से रात 8:50 बजे के बीच हुई। गिरफ्तार आरोपियों में दो वर्तमान छात्र और एक पूर्व छात्र शामिल है। दो आरोपी मोनोजित मिश्रा और जैब अहमद को 26 जून को शाम 7:20 और 7:35 बजे के बीच सिद्धार्थ शंकर राय शिशु उद्यान के पास से पकड़ा गया। दोनों के मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। तीसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी को 27 जून की रात 12:30 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

आरोपी तृणमूल से जुड़ा हुआ

भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक बंगाली

न्यूज रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा कि हैरान कर देने वाली घटना! एक महिला लॉ छात्रा के साथ कॉलेज परिसर में गैंगरेप हुआ, आरोपियों में एक पूर्व छात्र और दो कॉलेज स्टाफ शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में एक तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा व्यक्ति भी शामिल है।

महिला आयोग ने कहा- जांच समय से पूरी हो

राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता गैंगरेप मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया रहाटकर ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा- इस घटना की तुरंत और तय समय में जांच की जाए। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि पीड़िता को मेडिकल, मानसिक और कानूनी मदद दी जाए। भारतीय न्याय संहिता की धारा 396 के तहत मुआवजा भी दिया जाए। आयोग ने तीन दिनों के अंदर इस मामले में की गई कार्रवाई की डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है।

मलाजखंड क्षेत्र के ग्रामीणों ने माइंस से निकलने वाले दूषित पानी की समस्या को लेकर सांसद से की शिकायत

प्रभावितों को एक नौकरी और मुआवजा दिलाने की सांसद से करी मांग

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड क्षेत्र के कुछ गांव के ग्रामीण 27 जून को जिला मुख्यालय पहुंचे । यहां उन्होंने स्थानीय गवर्नमेंट स्कूल के ग्राउंड में जमा होकर रैली के रूप में सांसद निवास पर पहुंचे । यहाँ उन्होंने सांसद भारती पारधी से मुलाकात कर बताया कि उनके क्षेत्र में इन दिनों ताम्र परियोजना की माइंस से निकलने वाले दूषित पानी से कई वर्षों से ग्रामीण परेशान है । प्रभावित लोगों को नौकरी दिए जाने की बात आज तक पूरी नहीं की गई है । वह मुवावजे के साथ प्रभावित परिवार को एक नौकरी दिए जाने की मांग कर रहे हैं और वह चाहते हैं कि इस समस्या पर समाधान जल्द से जल्द किया जाये। आपको बता दे कि एशिया की सबसे बड़ी ताम्र परियोजना के टेलिंग डेम से निकलने वाले, दूषित पानी और राख से खेती और जीवन पर पड़ते दुष्प्रभाव और प्रभावितो के परिवार के एक सदस्य को नौकरी की मांग को लेकर, क्षेत्र के तीन गांव छिंदीटोला, बोरखेड़ा और सूजी के ग्रामीणों ने शुक्रवार को सांसद से मुलाकात की। यहां उन्होंने सांसद को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। सांसद प्रतिनिधि प्रशांत जैन के साथ, सांसद भारती पारधी से मिलने पहुंचे, ग्रामीणों ने बताया कि एचसीएल प्रबंधन के दूषित पानी और राख के उचित प्रबंधन नहीं होने से इससे, उनकी खेती और जीवन पर संकट पैदा हो गया है। यही नहीं बल्कि रोजगार नहीं होने से उन्हें पलायन कर, अन्यत्र जाना पड़ रहा है। इन सब विषय की मांग को लेकर तीन से चार गांव के ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे , यहां उन्होंने सबसे पहले स्थानीय गवर्नमेंट स्कूल के ग्राउंड में जमा होकर, पंक्तिबद्ध रूप से एक रैली निकाली और यह रैली सांसद निवास पहुंची और उन्होंने अपनी मांगों का ज्ञापन सांसद को दिया ।

एचसीएल के टेलिंग डेम से दूषित पानी आ रहा हैं - धरमसिंह

प्रभावित ग्राम बोरखेड़ा के बुजुर्ग और पूर्व सरपंच धरमसिंह मेरावी बताते है कि एचसीएल के टेलिंग डेम से दूषित पानी और राख से ना केवल खेती बर्बाद हो रही है बल्कि इंसानों को चमड़ी रोग हो रहे है और जानवर भी मर रहे है। बावजूद इसके प्रभावित ग्रामो के ग्रामीण परिवारों के युवाओं को एचसीएल प्रबंधन रोजगार भी नहीं दे रहा है। जिससे, प्रभावित ग्राम के ग्रामीण परेशान है।

ग्रामीणों की जमीने और फसल खराब हो रही है - प्रशांत जैन

सांसद प्रतिनिधि प्रशांत जैन बताते है कि एचसीएल से लगे चार गांव बोरखेड़ा, छिंदीटोला, सूजी और नयाटोला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां की कुल आबादी लगभग 12 से 14 सौ है। एचसीएल से होने वाले प्रदूषण और रासायनिक पानी से ग्रामीणों की जमीने और फसल खराब हो रही है। 1976 में तत्कालीन कलेक्टर स्वामीनाथन की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने यह सिफारिश की थी कि प्रभावित ग्रामो के परिवारों के एक सदस्य को एचसीएल में नौकरी दी जाए, लेकिन अब तक किसी को कोई नौकरी नहीं मिली। चूंकि इन ग्रामीण क्षेत्रो के जीविकापार्जन का साधन मात्र कृषि और मजदूरी है, कृषि नहीं होने से ग्रामीण और युवा, अन्यत्र पलायन कर रहे है। जिस समस्या को लेकर आज हम सांसद से मिलने पहुंचे है।

समस्या के निराकरण का प्रयास करेंगे - भारती पारधी

इस पूरे विषय को लेकर सांसद भारती पारधी द्वारा पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया गया कि आज बड़ी संख्या में मलाजखंड क्षेत्र के ग्रामीण उनके निवास पर पहुंचे थे । जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर उनकी समस्या को जाना और समझा , अब वह सबसे पहले परियोजना के प्रबंधक से भी चर्चा करेंगे और ग्रामीणों के हित में क्या अच्छा किया जा सकता है उसके लिए प्रयास करेंगे । वह भी चाहती हैं कि उनकी समस्या का निराकरण हो और वह इस विषय को संसद में भी रखेंगी ।

सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सहकारी बैंक प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ ने शुक्रवार को समितियों का दो वर्ष का बकाया 24 करोड से ज्यादा राशि की डिमांड की। समिति कर्मचारियों ने बताया कि विगत 2023-25 का 18 करोड़ और वर्तमान 2024-25 में किसानों को समिति से किए गए ऑफलाईन भुगतान 6 करोड़, नौ लाख, पांच हजार 287, प्रासंगिक व्यय और कमीशन दिए जाने की मांग की। संघ प्रांतीय प्रतिनिधि दिनेश परिहार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2024-25 में धान उपार्जन का कार्य मध्यप्रदेश सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से जिले के 185 धान उपार्जन केन्द्र में पंजीकृत कृषकों से धान उपार्जन किया गया। जिसमें 1541 किसानों के धान की भुगतान राशि 6 करोड़ 9 लाख, 5 हजार 287 रूपए का शासन से भुगतान नहीं किया गया। जिसकी किसानो द्वारा की गई शिकायत के बाद नॉन ने समितियों से उक्त राशि का भुगतान, किसानों को करवाया। जो राशि भी आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुई है। यह किसानों की संचित राशि थी। जिससे समितियों को वर्तमान में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं बल्कि अब तक प्रासंगिक व्यय, कमीशन और ट्रक लोडिंग की राशि का भी भुगतान नहीं मिला है। जिससे समिति, कर्मचारियों को भारी दिक्कतें हो रही है। इसके अलावा समिति कर्मचारियों ने आदेश के बावजूद, सहायक प्रबंधक को प्रबंधक बनाने की प्रक्रिया में हो रही देरी को शीघ्रता से पूर्ण किए जाने की बात कही। संघ ने प्रशासन को स्पष्ट कर दिया है कि यदि उक्त राशियों को समितियों का जल्द ही भुगतान नहीं किया गया तो आगामी समय में धान उपार्जन का कार्य वह नहीं करेंगे।

बालाघाट जिले में विद्युत पेंशनर्स प्रतिनिधि मनोनीत

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी जबलपुर के द्वारा बालाघाट जिले के विद्युत पेंशनर्स की पेंशन में उत्पन्न किसी भी तरह की असुविधा के शीघ्र निवारण अंतर्गत पेंशनर्स व विद्युत कम्पनी के मध्य समन्वय स्थापित करने हेतु. मे आई हेल्प यू डेस्क, जिले के अधीक्षण अभियंता कार्यालय तथा संभागीय कार्यालयों में स्थापित कर परिपालन हेतु सेवानिवृत्त विद्युत कर्मियों को मनोनीत किया गया है। प्रदेश विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ से संबद्ध एम डी ठाकरे मोबा.नं. ९५८४८७७४५०,डी पी सेलोकर मोबा.नं. ९४७९६८५५०१ तथा एम एल चावके मोबा. नं. ९६३०६४४०४० से सम्पर्क स्थापित कर विद्युत पेंशनर्स पेंशन से संबंधित समस्या का शीघ्र निदान कर सकते हैं।

निवेदक-विद्युत पेंशनर्स के सहयोग हेतु सदैव तत्पर प्रदेश विद्युत पेंशनर्स हित रक्षक संघ भोपाल की बालाघाट जिला शाखा

आम सूचना

संसोधन क्रमांक ३०२०, वर्ष १९८३ वारासिवनी के विधिवत आदेश

अनुविभागीय अधिकारी व तहसीलदार वारासिवनी के विधिवत आदेश

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सनुला विधवा स्व. बस्तीराम वरकड़े ग्राम वारा गोंडी टोला तह: वारासिवनी जिला बालाघाट की निवासी है । मेरे अलावा मेरा पुत्र विनोद, मनोज, दिनेश है तथा देवर धन्नु पिता स्व. चमरू वरकड़े तथा आसन बाई विधवा छन्नु वरकड़े रहे है । हमारे द्वारा ग्राम वारा रा.नि.मं. तह: वारासिवनी जिला बालाघाट में स्थित १०.१४९हे. भूमि अवैधानिक रूप से विधिवत बंटवारा ना होकर मंजु विधवा महेन्द्र टेकाम नाबलिग तनु पिता महेन्द्रवली मां मंजु, देवेन्द्र, गोविंद, उर्मिला, शिल्पा वल्द ईश्वरी, वल्द ढ़क्करसिंह टेकाम का नाम दर्ज हुआ था। जिसके संबंध में उपरोक्त नामांकित सनुला वगैरह के द्वारा श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी के राजस्व न्यायालय में अपील राजस्व प्रकरण क्रमांक ०१९८/२०२४-२५ मुस. सनुला व अन्य ५ विरूद्ध मुस.मंजु व अन्य ९ प्रस्तुत की गयी थी। जिसके अंतर्गत श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी के द्वारा दिनांक २५/०४/२०२५ को आदेश पारित किया गया और इस आदेश में उन्होंने ईश्वरी टेकाम के वारसानों को और सनुला व अन्य को मोहन उर्फ रोहन का विधिक उत्तराधिकारी माना और इस आदेश में माननीय न्यायालय के द्वारा यह भी माना कि सनुला वगैरह को विधिवत रूप से पैतृक संपत्ति होने के बावजूद भी उनके हक व हिस्से के अनुरूप भूमि प्राप्त नही हो पायी है और ना ही बस्तीराम के वारसानों को सनुला व अन्य को अपना पक्ष रखनें का कोई अवसर प्राप्त हुआ है। श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा विधिवत रूप से समाचार पत्र में उक्त प्रकरण के संबंध में ईस्तेहार के लिए आदेश दिये गये थे और इस आधार पर दिनांक १३/०३/२०२५ को प्रकरण के संबंध में दावा एवं आपत्ति के संबंध में पक्ष रखने के बारे में ईस्तेहार का प्रकाशन दैनिक भास्कर व जबलपुर एक्सप्रेस में हुआ था और श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा उपरोक्त प्रकरण तहसीलदार को विधिवत आदेश करने के लिए प्रत्यावर्तित कर दिया और तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा उपरोक्त प्रकरण के संबंध में दिनांक २०/०५/२०२५ को संबंधित पक्षों को दावा आपत्ति व उपस्थिति के संबंध में ईस्तेहार दिव्य एक्सप्रेस में प्रकाशित करने के आदेश जारी किये गये थे और समाचार पत्र में यह ईस्तेहार प्रकाशित हुआ । इसी परिप्रेक्ष्य में सनुला, विनोद, मनोज, दिनेश, धन्नु एवं आसन बाई के पक्ष में राजस्व प्रकरण क्रमांक ०६३५ अ-०६/२०२५-२६ में तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा दिनांक १३/०६/२०२५ को आदेश पारित किया गया । जिसमें तहसीलदार के द्वारा यह पाया की यमुना बाई के पति ईश्वरी ने अपने हक से अधिक भूमि विक्रय कर दी है और साबूलाल एवं बाबूलाल ने भी अपने हक से अधिक भूमि का आंशिक विक्रय कर दिया है। उन्होंने यह भी पाया की विवादित भूमि में से करीब सवा छ: एकड़ भूमि मौखिक पारिवारिक व्यवस्था अनुसार जैवन्ता को दिया गया था। और जैवन्ता के बाद धन्नु तथा मृतक पुत्र बस्तीराम एवं छन्नु के उत्तराधिकारी मालिक साबित होकर कास्त करते चले आ रहे हैं। इस तरह उन्होंने पाया की यमुना बाई पिता महिपाल सिंह की मृत्यु उपरान्त उसके पति ईश्वरी सिंह टेकाम का नाम खाते में दर्ज हुआ है, और तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा धारा १०९,११० के अंतर्गत मौजा वारा प.ह.नं. २६/१ तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं.८१७/१,८१७/३/२,८१७/१४,८१९/१,८२१/१, ९९०/१रकबा क्रमश: १.३०३हे., ०.५०२हे., ०.१७८हे.,०६८४ हे.,०.२९५ हे., ०.४१२ हे.,०.२६५हे. भूमि पर स्व. बस्तीराम की पत्नी सनुला पुत्र विनोद, मनोज, दिनेश एवं धन्नु पिता स्व. चमरू और आसन बाई विधवा छन्नु वरकड़े का नाम दर्ज करने के आदेश पारित किये गए। ईश्वरी टेकाम के द्वारा उसके पूर्व समाचार पत्रों में उपरोक्त भूमि को विवादित बताया गया है। परन्तु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा विधिवत रूप से निष्पक्ष होकर आदेश पारित किये गये है। ईश्वरी टेकाम के विरूद्ध पुलिस अधीक्षक व थाना वारासिवनी में अन्य लोगों के द्वारा शिकायत भी की गई है और ईश्वरी टेकाम के द्वारा अनावश्यक रूप से गैर कानूनी तरीके से उपरोक्त सनुला वगैरह की जमीन को हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार हम सनुला, विनोद, मनोज, दिनेश व अन्य ईश्वरी टेकाम के द्वारा जारी की गई किसी भी प्रकार की आम सूचना गलत है। ईश्वरी टेकाम का उपरोक्त भूमि पर कानूनी रूप से कोई हक व अधिकार नहीं है, और इस प्रकार भ्रामक अपवाह फैलाकर ईश्वरी टेकाम के द्वारा परेशान व्यथित एवं प्रताड़ित किया जा रहा है। जिसके संबंध में हम विधिवत रूप से कानूनी कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र है। उपरोक्त भूमि जो हमें श्रीमान तहसीलदार वारासिवनी में आदेशानुसार प्राप्त हुई है उसके हम कानूनी रूप से हकदार है अत: सूचना जारी की जा रही है।

दिनांक- २५/०६/२०२५

सूचनाकर्ता
दिनेश वरकड़े वारा गोंडी टोला

In The Court of Manish Kumar Singh; I Civil Judge Senior Division, District Court, Balaghat

Presiding Officer: मनीष कुमार सिंह

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा ३७२ भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000012/2025

अर्चना कामडे.........आवेदक

Vs

मुख्य कार्यपालन अधिकारी .... अनावेदक

Process Id-/2025

पेशी दिनांक :- 28/07/2025

प्रेषिती-
(1)आम जनता पता-आम जनता
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्चना कामडे निवासी ग्राम खारा पोस्ट खारा तहसील किरनापुर जिला बालाघाट मध्यप्रदेश, श्रद्धा पिता घनश्याम कावड़े, प्रतिभा पिता घनश्याम कावड़े, विधाता पिता घनश्याम कावड़े ने अपने मृतक भाई मोहित कावड़े जिसकी मृत्यु ग्राम पंचायत मोहगांव कला तहसील किरनापुर जिला बालाघाट में सचिव के पद पर रहते हुए दिनांक ०९-१०-२०२१ को स्वास्थ्य खराब होने के कारण हो गयी। अत: आवेदकगण ने मृतक मोहित कामड़े की पी.एफ. अकाउंट फंड में, अटल पेंशन योजना तथा अन्य मद में जमा राशि तथा शासकीय नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति प्राप्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक २८ जुलाई २०२५ को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक २८ जुलाई २०२५ को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख २० जून २०२५ को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

कृपया ध्यान दें-

१. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायाधीश

अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर

पुरूषों से अधिक महिलाओं ने कराया अपना पंजीयन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए अटल पेंशन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नए लोगो को जोड़ने और उनका पंजीयन कराने में बालाघाट जिला सम्पूर्ण देश में प्रथम स्थान पर है। यह बालाघाट जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा की पहल एवं निर्देशन पर बालाघाट जिले में बैंको द्वारा कृषि, महिला एवं बाल विकास, आजीविका मिशन एवं श्रम विभाग के साथ समन्वय कर इस योजना में लोगों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने इस संबंध में बताया कि सम्पूर्ण देश में 01 मई 2025 से अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक लोगो को जोड़ने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 15 जुलाई 2025 तक चलेगा। कलेक्टर श्री मृणाल मीणा द्वारा इस अभियान के अंतर्गत जिले में 50 हजार लोगो को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। 27 जून 2025 तक इस विशेष अभियान के अंतर्गत 10 हजार 925 असंगठित क्षेत्र के कामगारों एवं लोगो को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। जो देश के सभी जिलों में सबसे अधिक है। इस अभियान के अंतर्गत केंद्रीय एजेंसी द्वारा बालाघाट जिले को 2992 लोगों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। 27 जून 2025 तक इस लक्ष्य के विरूद्ध 10 हजार 925 लोगों को जोड़कर 365 प्रतिशत उपलब्धि के साथ बालाघाट जिला देश में प्रथम स्थान पर है। द्वितीय स्थान पर कर्नाटक का कोलार, तृतीय स्थान पर मध्यप्रदेश का श्योपुर, चतुर्थ स्थान पर कर्नाटक का चिकबल्लापुर, पंचम स्थान पर उत्तरप्रदेश का बाराबंकी,छठवें स्थान पर पश्चित बंगाल का माल्दा, सातवें स्थान पर उत्तरप्रदेश का महाराजगंज, आठवें स्थान पर मध्यप्रदेश का उज्जैन व नौवें स्थान पर अलीराजपुर तथा दसवें स्थान पर पश्चित बंगाल का मुर्शिदाबाद जिला है। श्री संजीव कुमार ने बताया कि अटल पेंशन योजना से जुड़ने में बालाघाट जिले में पुरूषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक रूचि दिखाई है। बालाघाट जिला 1000 पुरुषों पर 1021 महिलाओं के साथ लिंगानुपात में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। अटल पेंशन योजना के इस अभियान के अंतर्गत 26 जून तक जिले में 9604 महिलाओं, 1320पुरूषों एवं 01 ट्रॉसजेंण्डर ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार अटल पेंशन योजना के अंतर्गत जिले में पंजीकृत कुल लोगों की संख्या 01 लाख 05 हजार 477 हो गई है। जिसमें 61 हजार 509 महिलाड़, 43 हजार 953 पुरूष और 15 ट्रॉसजेण्डर शामिल है। इस योजना में पंजीकृत महिलाओं की संख्या बता रही है कि बालाघाट जिले में महिला सशक्तिकरण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है और महिलाओं में अपने बेहतर भविष्य के प्रति जागरूकता आ रही है। अटल पेंशन योजना भारत सरकार की एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जो मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए तैयार की गई है। यह योजना उन लोगों को पेंशन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जो रिटायरमेंट के बाद आर्थिक रूप से सुरक्षित रहना चाहते हैं। इसके लिए 18 से 40 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक, जो असंगठित क्षेत्र के कामगार जैसे दिहाड़ी मजदूर, छोटे व्यापारी, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, किसान, आदि पात्र हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का किसी बैंक या डाकघर में बचत खाता होना चाहिए, जो आधार से लिंक हो। इस योजना का लाभ उन लोगों को मिलता है जो आयकर दाता नहीं हैं। आवेदक को किसी अन्य सरकारी पेंशन योजना जैसे एनपीएस, ईपीएस का लाभार्थी नहीं होना चाहिए। यह योजना 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की मासिक पेंशन प्रदान करती है, जो 60 वर्ष की आयु के बाद मिलती है। इस योजना में अंशदान की राशि व्यक्ति की आयु और चुनी गई पेंशन राशि पर निर्भर करती है।यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो निजी क्षेत्र में काम करते हैं और जिनके पास रिटायरमेंट के लिए कोई औपचारिक पेंशन योजना नहीं है।

किसानों को किया गया रागी मिनी किट का वितरण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। श्री अन्न उत्पादन योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले में रागी के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके लिए किसानों को निःशुल्क रागी बीज मिनी किट का वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में 27 जून को बालाघाट विकासखंड के ग्राम लोहारा में जनपद अध्यक्ष श्री फूलचंद सहारे के हाथों से 10 किसानों को रागी मिनी किट का वितरण किया गया एवं नवाचार के रूप में रागी लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान रागी के महत्व के बारे में भी चर्चा की गई तथा किसानों का पंजीयन किया गया। उपसंचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि रागी उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए जिले में किसानों को 140 क्विंटल रागी बीज मिनी किट वितरण का लक्ष्य दिया गया है। यह बीज लगभग 700 किसानों को निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। श्री मालवीय ने बताया कि रागी फसल से किसानों को अधिक लाभ हो सकता है। रागी का उत्पादन प्रति एकड़ 10 से 12 क्विंटल तक प्राप्त होता है। रागी का बाजार भाव भी 5 हजार रुपये प्रति क्विंटल है। किसान रागी की फसल लेकर धान की तुलना में अधिक लाभ कमा सकते है। रागी का उत्पादन खरीफ एवं रबी दोनो सीजन में किया जा सकता है।

निलजी स्वच्छ सुजल गॉव घोषित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले के विकासखंड लालबर्रा के ग्राम पंचायत निलजी को स्वच्छ सुजल गॉव घोषित किया गया है। इस गॉव को हर घर जल प्रमाणीकरण एंव शत प्रतिशत ओडीएफ प्लस (स्वच्छ भारत मिशन) के अंतर्गत स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत इस गॉव में प्रत्येक घर में नल से शुद्ध जल मिल रहा है। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत इस गॉव के प्रत्येक घर में पक्के शौचालय बन चुके है और ग्रामीण उनका उपयोग भी कर रहें है।

हमारी प्यारी बेटी मिस्बाह को प्रथम जन्मदिन व प्यारे बेटे सिफान को दूसरे जन्मदिन पर तहेदिल से मुबारकबाद..

शुभेच्छु-समस्त खान परिवार आमाटोला-पांढ़रवानी (लालबर्रा)

मेगा जॉब भर्ती
गोंदिया, भंडारा, नागपुर के लिये
रिसेप्सिनिष्ट, टेलीकालर, कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाईजर, गार्ड, सेल्समेन, आई.टी.आई, नर्स, डिलेवरी ब्वाय एवं सभी प्रकार की जॉब के लिये संपर्क करें
सैलरी- 8000 से 20000 तक
योग्यता-10वीं,12वीं, ग्रेज्युएट, आईटीआई एवं अन्य डिप्लोमा
लड़के/लड़कियां दोनों आवेदन कर सकते है
संपर्क करें
8432210177, 8087109101

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

शिक्षकों ने किया ई अटेंडेंस का बहिष्कार

बैठक का आयोजन कर विभिन्न संगठनों ने बनाई आंदोलन की रणनीति, कहा- कुछ भी हो जाए एप में नही लगाएंगे हाजरी, जोर जबरदस्ती करने पर भूख हड़ताल की दी चेतावनी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। सरकारी स्कूलों में शिक्षको की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश शासन शिक्षा मंत्री की तरफ से लोक शिक्षण संचानालय ने शिक्षको के लिए एक आदेश जारी किया है।जारी किए गए इस आदेश में 1 जुलाई से सभी शिक्षकों को सार्थक मोबाईल एप के माध्यम से ई अटेंडेंस प्रणाली के तहत हाजरी लगाना अनिवार्य किया गया है।लेकिन शासन द्वारा जारी किए गए इस आदेश का विरोध प्रदेश भर के समस्त शिक्षकों द्वारा शुरू कर दिया गया है। जिसका असर अब बालाघाट जिले में भी देखने को मिल रहा है। जहां बालाघाट जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने शुक्रवार को नगर के डाइट संस्थान में एकत्र होकर शासन द्वारा लागू कि गई, ई अटेंडेंस प्रणाली का खुलकर विरोध करने का ऐलान किया है। जिन्होंने ई-अटेंडेंस का नियम केवल शिक्षकों पर लागू किए जाने का विरोध करते हुए इस आदेश की कड़े शब्दों में निंदा की है। तो वहीं उन्होंने ई-अटेंडेंस के बहिष्कार का ऐलान करते हुए इसके विरोध में 28 जून शनिवार को जिले की तमाम तहसीलों में ज्ञापन सौपने का निर्णय लिया है। जहां उन्होंने आदेश वापस न होने और जारी किए गए इन आदेशों का सख्ती से पालन करने पर आंदोलन करने की भी रणनीति बनाई है।विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए वे सार्थक मोबाईल एप में ई-अटेंडेंस नहीं लगाएंगे और यदि उच्च अधिकारी व शासन द्वारा ई-अटेंडेंस लगाने के लिए उन पर दबाव डाला जाता है तो वह भूख हड़ताल करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

ये नियम सिर्फ शिक्षको के लिए क्यो?

बताया गया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा सार्थक मोबाइल एप के नए वर्जन के जरिए शिक्षकों की अटेंडेंस को वेतन से भी जोड़ दिया गया है। जानकारी के अनुसार अगर एप से अटेंडेंस नहीं लगाई तो वेतन भी जनरेट नहीं होगा।इसलिए शिक्षकों को हर हाल में ई-अटेंडेंस लगाना अनिवार्य किया गया है। जिसका शिक्षक संगठनों द्वारा विरोध किया जा रहा है।शिक्षक संगठनों का आरोप है कि यह नियम सिर्फ शिक्षकों के लिए ही क्यों बनाया गया है। यदि सरकार को नियम बनाना ही है तो सभी 52 विभागों के लिए एक सा नियम बनाएं लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया है सरकार ने केवल शिक्षकों को ही टारगेट बनाते हुए उन पर यह नियम थोप दिया है।जिसका समस्त शिक्षक संगठनो द्वारा विरोध किया जा रहा है।

शिक्षकों के विरोध के बावजूद लागू किया गया नियम

बताया गया कि यहां कोई पहली बार नहीं हुआ है बल्कि इसके पूर्व में भी शासन द्वारा शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस का नियम लागू किया गया था।लेकिन शिक्षकों के लगातार विरोध के चलते इस नियम का पालन नहीं हो सका। शासन को पहले से पता है कि शिक्षक ऐसे नियम का विरोध करेंगे शिक्षकों के भारी विरोध के बावजूद शिक्षा विभाग ने एक बार फिर ई-अटेंडेंस अनिवार्य का नियम लागू कर दिया है।जिसमे सभी सरकारी स्कूलों में भले ही बच्चे नहीं आएंगे, लेकिन शिक्षकों को स्कूल पहुंचकर सार्थक मोबाइल एप के माध्यम से ई-अटेंडेंस लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिसको लेकर शिक्षको को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।तो वही सर्वर प्रबलम के अलावा अन्य तकनीकी समस्या को भी दुरस्त नही किया गया है।

आज रैली निकालकर सौपा जाएगा ज्ञापन

आयोजित बैठक के दौरान शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों के विभिन्न संगठनों ने शनिवार को नगर के अंबेडकर चौक से नगर में एक रैली निकालकर ई- अटेंडेड के बहिष्कार को लेकर ज्ञापन सौपने की रणनीति बनाई है।शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियो ने बताया कि शासन द्वारा जारी किए गए इन आदेशों का विरोध करते हुए ई-अटेंडेंस का बहिष्कार किया जाएगा ।वही ज्ञापन के माध्यम से शासन को सूचित किया जाएगा। इसके बाद भी यदि शासन द्वारा जारी यह आदेश वापस नहीं लिया जाता, तो फिर शिक्षक संगठनों द्वारा आंदोलन व भूख हड़ताल की रणनीति बनाई जाएगी।

तो प्रदेश व्यापी आंदोलन कर भूखहड़ताल की जाएगी- अर्जुन बिंझाड़े

ई-अटेंडेंस बहिष्कार को लेकर की गई चर्चा के दौरान राष्ट्रीय शिक्षक संघ प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन बिंझाड़े ने बताया कि ई अटेंडेंस का विरोध केवल बालाघाट जिले में ही नही बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है।शिक्षक, सरकार द्वारा थोपी गई इस प्रथा के विरोध में है। हमारी मांग है कि यहां आदेश को तत्काल रद्द किया जाए।क्योंकि शासन ने यह अपमानजनक व्यवस्था लागू की है शिक्षकों को चोर की भांति समझा जा रहा है। यदि यह आदेश रद्द नहीं होते तो प्रदेश के समस्त शिक्षकों द्वारा सरकार के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश भर में हड़ताल कर प्रदेशव्यापी भूखहड़ताल की जाएगी।

चाहे कुछ भी हो जाए ई- अटेंडेंस नहीं लगाएंगे- लक्ष्मी ठाकरे

चर्चा के दौरान राज्य शिक्षक संघ जिला सचिव लक्ष्मी ठाकरे ने बताया कि हमारा विरोध स्कूल शिक्षा विभाग में स्कूल शिक्षको पर लागू किए गए ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर किया जा रहा है। हम ई-अटेंडेंस व्यवस्था का बहिष्कार करते हैं।सरकार द्वारा लागू किए गए इस नियम से सभी शिक्षक आहत व दुखी है।आखिर शिक्षकों पर ही ई- अटेंडेंस का नियम क्यों लागू किया जा रहा है. यदि सरकार को नियम लागू करना ही है तो प्रदेश के सभी 52 विभागों में लागू करें। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।इसी के विरोध में कल शनिवार को समस्त शिक्षक संगठनों के बैनर तले सामूहिक रूप से जिला मुख्यालय सहित सभी तहसीलों में रैली निकालकर ज्ञापन सौपा जाएगा।चाहे कुछ भी हो जाए शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगाएंगे।

तो प्रदेश के समस्त शिक्षक उग्र आंदोलन के लिए तैयार हैं- रहांगडाले

वही चर्चा के दौरान राज्य शिक्षक संघ पूर्व ब्लाक अध्यक्ष से गिरधर रहांगडाले ने बताया कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा विभाग पर जबरन लागू की जा रही है। इसका हम विरोध करते हैं। कल बालाघाट सहित पूरे प्रदेश में इसके खिलाफ ज्ञापन सौपा जाएगा।यदि ई-अटेंडेंस का नियम लागू ही करना है तो सरकार ने सभी विभागों पर करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है यह नियम सिर्फ शिक्षा विभाग पर ही लागू किया गया है। यदि इसे रद्द नहीं किया गया या नियम सभी विभागों पर समान रूप से लागू नहीं हुआ तो प्रदेश भर के समस्त शिक्षक उग्र आंदोलन के लिए तैयार हैं।

पुलिस कप्तान आदित्य मिश्रा के आदेश

उकवा पुलिस चौकी प्रभारी भूपाल सिंह, इसी चौकी के तीन प्रधान आरक्षक अन्य थानों के तीन आरक्षक सस्पेंड बैहर अटैच, निरीक्षक संजय इक्का हटाए गए, निरीक्षक योगेंद्र दुबे रूपझर थाना प्रभारी, निरीक्षक आकाश शर्मा बनाए गए उकवा पुलिस चौकी प्रभारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नवागत पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने पदभार ग्रहण करने के बाद जिला पुलिस बल में प्रशासनिक कसावट लाने पदेन कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करना शुरू कर दिए । हाल ही में पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने रूपझर थाने की उकवा पुलिस चौकी मैं पदस्थ चार पुलिस कर्मचारियों को निलंबित कर दिए। तथा उनके स्थान ग्रामीण थाना नवेगांव से चार पुलिसकर्मियों को पदस्थ किए हैं। और इस पुलिस चौकी के प्रभारी अब उप निरीक्षक आकाश शर्मा होंगे ।पूर्व में इस पुलिस चौकी के प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक भूपालसिंह परिहार थे। पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने सहायक उपनिरीक्षक भूपालसिंह परिहार, इसी चौकी के प्रधान आरक्षक सुनील बिसेन, प्रधान आरक्षक गजेंद्र पडवार, प्रधान आरक्षक जितेंद्र यादव, मलाजखंड पुलिस थाना पदस्थ आरक्षक अनुराग गिरी, आरक्षक जयप्रकाश ठाकरे, डाबरी पुलिस चौकी में पदस्थ आरक्षक संजीव चंद्रिकापुरे सहित 7 पुलिस कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर सभी को बैहर अटैच कर दिए। इन पुलिस कर्मचारियों के द्वारा पदेन कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतना, अनुशासनहीनता और पुलिस के आचरण के विरुद्ध कार्य करना पाये जाने पर यह कार्यवाही की गई है। उप निरीक्षक आकाश शर्मा यातायात थाना के प्रभारी थे । पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने उन्हें उकवा पुलिस चौकी में पदस्थ किये है। अब वे इस पुलिस चौकी के प्रभारी होंगे। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने निरीक्षक संजय इक्का को रूपझर थाना से पुलिस लाइन अटैच किये ओर उनके स्थान पर निरीक्षक गोविंद दुबे को रूपझर थाना में पदस्थ किए हैं।वे इस थाने के प्रभारी होंगे। इसी प्रकार नवेगांव ग्रामीण थाना बालाघाट से सहायक उप निरीक्षक विनोद ठाकुर, प्रधान आरक्षक प्रकाश तिवारी, प्रधान आरक्षक लेखराम उइके, प्रधान आरक्षक अनिल उइके को पुलिस चौकी उकवा मैं पदस्थ किये गये है। जानकारी के मुताबिक पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने अपने महकमे में की सर्जरी शुरू कर दी है। अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

एडिशनल एसपी विजय डाबर का जिला धार स्थानांतरण

बालाघाट (पदमेश न्यूज़)। मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के तबादलों की लम्बी सूची जारी की है, ये सभी अधिकारी राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी हैं, इन्हें एक जिले से दूसरे जिले में पदस्थ किया गया है।गृह विभाग ने

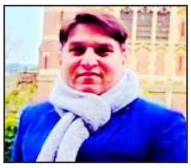

आज 27 जून शुक्रवार को 39 पुलिस अधिकारियो के तबादला आदेश जारी किये हैं। जारी किए गए इन आदेशों के मुताबिक 2006 बैच के अधिकारी बालाघाट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर का स्थानांतरण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला धार किया गया है।आपको बताएं कि एडिशनल एसपी विजय डाबर पूर्व में बालाघाट जिले में अलग-अलग स्थानो पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जिन्होंने पूर्व में एडिशनल एसपी बैहर, एसडीओपी बैहर, एडिशनल एसपी लांजी, एसडीओपी लांजी और वारासिवनी एसडीओपी सहित अन्य प्रभार संभाले हैं। जिनका स्थानांतरण मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग द्वारा जिला धार में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में किया गया है। अब एडिशनल एसपी श्री डाबर जिला धार में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं देंगे।

जिला कलार समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह कल

कैरियर गाइडेंस, सहित विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभामान युवाओं सहित बुजुर्गों का भी होगा सम्मान, सहस्त्रबाहू फाउंडेशन पदाधिकारियो ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला कलार समाज के प्रतिभामान विद्यार्थियों के लिए सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह का आयोजन किया गया है। आयोजित इस समारोह के दौरान न सिर्फ समाज के कक्षा 10वीं कक्षा 12वी में 70 प्रतिशत से अधिक अंक आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। बल्कि उनके लिए कैरियर गाइडेंस समारोह का भी आयोजन होगा।वही इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करते हुए विभिन्न कार्य क्षेत्र में समाज के प्रतिभावान युवाओं और बुजुर्गों का भी सम्मान किया जाएगा।सहस्त्रबाहू फाउंडेशन के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन नगर के भटेरा रोड स्थित एक होटल में रविवार 29 जून को होगा।जिसकी तमाम जानकारी शुक्रवार को नगर में आयोजित एक पत्रकारवार्ता के दौरान जिला कलार समाज सहस्त्रबाहू फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा दी गई। समाज संगठन के पदाधिकारी सुमित चौरे, राकेश सेवईवार,अनिल मलघाटी, संतोष धुवारे,अखिलेश डहरवाल, संतोष पिपलेवार, संजय धुवारे, रत्नेश शिवहरे, सुलभ चौरागड़े, राहुल जेमी जेमईवार, लिकेश सेवईवार सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पदाधिकारियो ने बताया कि जिले के कलार समाज के होनहार विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें उज्ज्वल भविष्य की दिशा दिखाने के उद्देश्य से सहस्त्रबाहु फाउंडेशन के तत्वावधान में सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 29 जून (रविवार) को दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा।इस समारोह में कक्षा 10वीं और 12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी, और प्रशासनिक सेवाओं में चयनित युवाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान समाज के बुजुर्गों को भी सम्मानित किया जाएगा।वही अन्य कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।

विषय विशेषज्ञ देंगे कैरियर गाइडेंस

बताया गया की कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विषय विशेषज्ञ विद्यार्थियों को कैरियर से संबंधित मार्गदर्शन भी देंगे। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक होगा, बल्कि उनके लिए सही दिशा चुनने में भी सहायक सिद्ध होगा।उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के युवाओं में उत्साह, आत्मविश्वास और दिशा निर्माण के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप (गुड्डा) जायसवाल के साथ साथ कलार समाज के अन्य समाजसेवी एवं विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत समाज के अग्रणी सज्जनों को भी अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

सम्मान समारोह का होंगा भव्य आयोजन- नरेन्द्र धुवारे

आयोजित पत्रकार वार्ता को लेकर की गई चर्चा के दौरान सहस्त्रबाहू फाउंडेशन के चेयरमैन नरेन्द्र धुवारे ने बताया कि यह कार्यक्रम 29 जून रविवार को आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रतिभामान छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं का सम्मान होगा। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल कूद व संगीत सहित विभिन्न क्षेत्रो में समाज का नाम रौशन करने वाले प्रतिभाओं व 10वीं 12वीं में 70 प्रतिशत के से अधिक अंक आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाना है। इसके अलावा युवाओं के लिए कैरियर गाइडेंस का भी आयोजन किया जाएगा ।ऐसे 156 से अधिक लोगों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।यह आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा।जिसकी तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।अंत मे उन्होंने समस्त सामाजिक बंधुओ से उक्त आयोजन में उपस्थित होने की अपील की है।

नगरीय प्रशासन के संयुक्त संचालक रहे बालाघाट के एकदिवसीय प्रवास पर

नपा.की व्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, स्वच्छता और अन्य कार्यों को और अच्छा करने की कही बात

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। नगरीय प्रशासन एवं विकास संभाग जबलपुर के संयुक्त संचालक एकदिवसीय प्रवास पर बालाघाट पहुंचे ।यहां उन्होंने नगर पालिका द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया । जिसमें नगर पालिका द्वारा दी जा रही सुविधा सहित सरकार द्वारा संचालित की जाने वाली योजनाओं को भी देखा। जिसमें संयुक्त संचालक को बहुत खामियां दिखाई दी , यहां उन्होंने सबसे पहले मोती गार्डन का जायजा लिया उसके बाद, उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था और पीएम आवास योजना के तहत बन रहे मकान को देखा। उन्होंने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में बहुत से सुधार की आवश्यकता है ।डोर टू डोर नगर पालिका कचरा उठा रही है उसका उन्होंने एक निश्चित शुल्क निश्चित पैसे लेने कि बात कही ।शहर में स्वच्छता , चौक चौराहों पर कचरा जमा पाया, जबकि स्वच्छता को लेकर सरकार से कई योजनाएं चल रही है जिसका उन्हें धरातल पर काम नहीं दिखने की बात कही , उन्होंने नगर पालिका को निर्देशित किया है कि वह जनता को दी जाने वाली सुविधाओं में और अच्छा से अच्छा दिये जाने को कहा । उसके बाद उन्होंने बालाघाट कलेक्टर से भी मुलाकात की।आपको बता दे कि शहर के विकास कार्य, पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता को लेकर कई स्तरों पर काम करने की आवश्यकता है। ये बात, उस वक्त सामने आई जब शुक्रवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास संभाग जबलपुर के संयुक्त संचालक परमेश जलोटे बालाघाट पहुंचे। अपने एक दिवसीय प्रवास में संयुक्त

संचालक ने शहर के मोती तालाब, बूढ़ी फिल्टर प्लांट स्थित पीएम आवास योजना के एएचपी क्वार्टर परिसर, धोबी घाट तालाब आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने शहर में घर-घर कचरा संग्रहण को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। स्वछता को लेकर संयुक्त संचालक को कहीं संतोषजनक तो कहीं चिंताजनक स्थिति दिखाई दी। निरीक्षण के बाद संयुक्त संचालक ने कलेक्टर मृणाल मीना से मुलाकात की और शहर विकास को लेकर चल रहीं तैयारियों को बेहतर करने पर विमर्श किया। जानकारी के अनुसार, संयुक्त संचालक ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए अब प्रत्येक घर से शुल्क लेने के निर्देश दिए। बताया गया कि कचरा संग्रहण के लिए शुल्क लेने का आदेश नगरीय प्रशासन व विकास द्वारा पूर्व में ही जारी किया गया है, लेकिन लंबे समय से इसे जिले में लागू नहीं किया गया है। संयुक्त संचालक ने जल्द ही शुल्क लेने की बात कही। इसके अलावा उन्होंने बस स्टैंड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बस स्टैंड के विस्तारीकरण के लिए निकाय को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

नपा. ने पहले ही की सारी व्यवस्था

नगर पालिका को जैसे ही जानकारी लगी की नगरीय प्रशासन एवं विकास संभाग जबलपुर के संयुक्त संचालक बालाघाट पहुंचने वाले हैं, उन्होंने सबसे पहले नगर पालिका में वाहन पार्किंग सहित चुने की लाइन डलवा दी ।साथ ही चौक ,चौराहा में स्वच्छता को लेकर साफ सफाई देखने को मिली ।नगर के मोती गार्डन में सुंदरता को लेकर साफ सफाई की गई एवं अंत्योदय योजना के तहत 5 रूपये में खाना दिए जाने वाली रसोई में भी साफ-सफाई के साथ पूरी व्यवस्थाएं कर दी गई एवं बूढी फिल्टर प्लांट स्थित बन रहे प्रधानमंत्री आवास के मकान के भी रास्ते में आनन फानन में साफ सफाई की गई । इसके बाद सभी को लग रहा था कि शायद नगर पालिका में कोई बड़ा अधिकारी आने वाला है जिस कारण नगर पालिका सारी व्यवस्थाएं तुरंत आनन फानन में कर रही हैं ।

---

29 जून को होगी जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट की विशेष आमसभा

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट की 29 जून को आवश्यक आम सभा का आयोजन किया गया है । जिसमें संगठन जिला अध्यक्ष फत्तूलाल बिसेन द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि जिला पंवार क्षत्रिय संगठन बालाघाट की आमसभा 29 जून को रविवार दोपहर 12:00 बजे से स्थानीय वैद्यलान प्रेम नगर में आयोजित की गई है। आमसभा में आजीवन सदस्य संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे । संगठन के आगामी तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नवीन कार्यकारिणी का भी गठन किया जाना है, जिस हेतु सभी से अपील की गई है। कार्यकारिणी के गठन में देखना होगा कि किन सदस्यों को नई जिम्मेदारी दी जाती है। इसी को लेकर एक विशेष आमसभा का आयोजन किया गया है।

जनजातीय कन्या छात्रावास तिरोंी में नवीन प्रवेश सत्र 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। शासकीय जनजातीय महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास तिरोंी में सत्र 2025-26 में नवीन प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किये गए है। छात्रावास से सम्बद्ध वीरांगना रानी दुर्गावती महाविद्यालय तिरोंी में स्नातक स्तर पर बी.ए (सभी विषय), बी.एस.सी. (गणित, बायोलॉजी, जूलॉजी, फिजिक्स, केमिस्ट्री) पाठ्यक्रम उपलब्ध है। छात्रावास में प्रवेश के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग की कक्षा 12 उत्तीर्ण छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। छात्रावास में निशुल्क रहवास, भोजन, नाश्ता, बिस्तर सामग्री, प्रसाधन सामग्री की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही कम्प्यूटर और अंग्रेजी विषय की निःशुल्क कोचिंग भी प्रदाय की जाती है एवं प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाता है। छात्रावास में प्रवेश निःशुल्क है।

विद्युत करंट से एक व्यक्ति की मौके पर मौत

हट्टा थाने के ग्राम तिवड़ी कला की घटना

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम तिवड़ी कला में एक व्यक्ति की विद्युत करंट से मौके पर ही मौत हो गई 26 जून की रात्रि 9:00 बजे करीब यह घटना उसे समय हुई जब यह व्यक्ति अपने घर की मीटर के पास जाकर कुछ काम कर रहा था 27 जून को हट्टा पुलिस ने अनिल पिता चमरू लाल राणा 31 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवरकर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल राणा अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था जिसके परिवार में माता-पिता एक छोटा भाई सुनील राणा, पत्नी और एक सवा महीने का बेटा और ढाई साल की एक बेटी है। बताया गया है कि अनिल राणा खेती किसानी के अलावा रायपुर में बिजली फिटिंग का भी काम करता था। चार दिन पहले ही सुनील राणा अपने ससुराल मेंडकी वारासिवनी आया था और 26 जून को ही वह अपने घर तिवड़ी कला आया था। रात्रि 9:00 बजे घर की बिजली बंद होने के कारण अनिल राणा अपने घर में लगे मीटर के पास जाकर कुछ चेक कर रहा था उतने में ही अनिल राणा को जोर का विद्युत करंट लगा और वहीं गिर गया और कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई विद्युत करंट से उसके बाएं हाथ की हथेली झुलस चुकी थी। इस घटना की रिपोर्ट रात्रि 12:00 बजे करीब सुनील राणा 28 वर्ष ने हट्टा पुलिस थाना में की थी। 27 जून को सहायक उपरीक्षक विजय कुमार पटले अपने स्टाफ के साथ ग्राम तिवड़ी कला पहुंचे और मृतक अनिल राणा का शव बरामद किए। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात अनिल राणा का शव जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। सहायक उप निरीक्षक श्री पटले द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग जांच की जा रही हैं।

साप्ताहिक बाजार में 500 रूपये की नकली नोट चला रहे व्यक्ति को ग्रामीणों ने किया पुलिस के हवाले

बाजार क्षेत्र में 500 रूपये के नकली नोटों का बढ़ा चलन, व्यापारी, दुकानदार एवं ग्राहक हो जाये सतर्क , गिरफ्तार व्यक्ति के पास से 5 एवं व्यापारी के पास से 6 नोट 500 रूपये के किये बरामद, आरोपी को न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बाजार क्षेत्र में ५०० के नकली नोटों का चलन बढ़ रहा है। अब बाजारों में व्यापारी, दुकानदार एवं ग्राहक सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। नही तो उनके हाथों में कभी भी ५०० रूपये की नकली नोट आ सकते है इसलिए अब सभी नोटों की बारिकी से जांच कर लेवें क्योंकि बाजार क्षेत्र में नकली नोट खपाये जा रहे है। ऐसा ही एक मामला लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के साप्ताहिक बाजार के दिन गुरूवार को बाजार में चलाये जा रहे ५०० रूपये की नकली नोट का मामला प्रकाश में आया है। जहां ग्रामीणों ने गुरूवार की रात करीब ८ बजे एक व्यक्ति को ५०० रूपये के नकली नोट चलाते हुए पकड़ लिया और मंदिर में बंद कर पुलिस को जानकारी दी गई। वहीं नकली नोट बाजार में चलने की जानकारी लगते ही दुकानदार सहित व्यापारियों को लगी तो उनमें हड़कप सा मच गया कि कही हमारे हाथों में तो नही आ गया नकली नोट। वहीं पुलिस को मोहगांव ध. बाजार में ५०० रूपये के नकली नोट को दुकान में चलाते हुए एक व्यक्ति पकड़ाये जाने की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी के निर्देश पर उपनिरीक्षक महेन्द्रसिंह बघेल पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे। जिसके बाद नकली नोट के साथ पकड़ाये व्यक्ति को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं पुलिस ने नकली नोट के साथ पकड़ाये व्यक्ति से पतासाजी की तो उन्होने अपना नाम हीरापुर (भरवेली) निवासी ४५ वर्षीय कृष्णकुमार/रामदास सिलारे बताया। जिसके पास से ५ नोट एवं व्यापारी के पास से ६ नोट ५०० रूपये के नकली नोट बरामद किया है। इस तरह से हीरापुर निवासी कृष्णकुमार सिलारे मोहगांव ध. के साप्ताहिक बाजार में गुरूवार को दुकानों से सामान खरीदी कर नकली नोट चला रहा था। पुलिस ने ५०० रूपये की नकली नोट बाजार में चला रहे व्यक्ति कृष्णकुमार सिलारे को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा १७८, १७९ के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया है एवं शुक्रवार को वारासिवनी न्यायालय में पेशकर वह से जेल भेज दिया है।

कड़ाई से पूछताछ करने पर नकली नोट के रैकेट का हो सकता है खुलासा

आपकों बता दे कि मोहगांव ध. के बाजार चौक में प्रति सप्ताह गुरूवार को साप्ताहिक बाजार लगता है और इस बाजार में बड़ी संख्या में लालबर्रा सहित अन्य क्षेत्र के व्यापारी व दुकानदार अपनी दुकान लेकर व्यापार करने पहुंचते है। साथ ही क्षेत्रीयजन भी बड़ी संख्या में सामग्री की खरीदी करने जाते है। इसी कड़ी में २६ जून गुरूवार को मोहगांव ध. का साप्ताहिक बाजार लगा था। इस बाजार की भीड़ का फायदा उठाते हुए हीरापुर निवासी कृष्णकुमार सिलारे ५०० रूपये की नकली नोट लेकर मोहगांव ध. बाजार में पहुंचा था और दुकानों से सामग्री खरीदी कर ५०० रूपये की नकली नोट चलाकर व्यापारी, दुकानदारों एवं ग्रामीणों को झांसा दे रहा था। वहीं दुकानदारों ने भी नकली नोट को असली समझकर उस व्यक्ति को सामान भी दे दिया। इस दौरान कई दुकानों पर कृष्णकुमार ने ५००-५०० रूपये के नकली नोट चला दिया। लेकिन जब एक दुकानदार को शक हुआ और उन्होने नोट की जांच की तो ५०० रूपये के नोट नकली जैसे नजर आये। जिसके बाद उन्होने हल्ला कर दिया कि बाजार में ५०० रूपये के नकली नोट ग्राहक बनकर कोई चला रहा है। जिसके बाद ५०० रूपये की नकली नोट चलाते हुए कृष्णकुमार सिलारे को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। जिससे वह हड़बड़ा गया और संतोषप्रद जवाब नही दे पाया और मौके से भागने की कोशिश भी किया किन्तु ग्रामीणों ने पकड़कर लिया और उसके पास ५००-५०० रूपये के नकली नोट मिले। जिसके बाद बाजार क्षेत्र में लोगों की भीड़ लग गई और उपस्थित भीड़ ने ५०० रूपये की नकली नोट व पकड़ाये व्यक्ति का वीडियों बनाया। वहीं ग्राम के जागरूक नागरिकों ने उस व्यक्ति को पकड़कर हनुमान मंदिर के अंदर बंद कर दिये और पुलिस को घटना की जानकारी दिये। जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुंची और ग्रामीणों ने बाजार में ५०० रूपये की नकली नोट चलाने वाले व्यक्ति को पुलिस के हवाले कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। अगर ग्राम के जागरूक नागरिक नकली नोट बाजार में चला रहे व्यक्ति को पकड़कर मंदिर के अंदर नही रखते तो उपस्थित भीड़ व आक्रोशित लोग उसके साथ मारपीट भी कर सकते थे। इस तरह से बाजार क्षेत्र में ५०० रूपये की नकली नोट खपाने का कार्य अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा किया जा रहा है। जिनकी झांसा में व्यापारी, दुकानदार एवं ग्रामीण आ रहे है जिससे उन्हे आर्थिक नुकसान हो रहा है। पुलिस को सूचना मिलने के बाद उपनिरीक्षक महेन्द्रसिंह बघेल गुरूवार की रात ९ बजे मोहगांव ध. बाजार क्षेत्र में पहुंचकर ५०० रूपये की नकली नोट के साथ कृष्णकुमार को पकड़कर थाना लेकर आई। जिसके बाद पुछताछ में जुट गई है कि आखिर उनके पास नकली नोट कहा से आये है और उन्होने कहां-कहां इन नोटों को चलाया है। लेकिन अब तक कृष्णकुमार सिलारे ५०० रूपये की नकली नोट कहा से लाया है एवं कहां-कहां चलाया है इसकी जानकारी स्पष्ट नही मिल पाई है। लेकिन पुलिस कड़ाई से पुछताछ करती है तो नकली नोट का रैकेट चलाने वालों का खुलास हो सकता है।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल - महेन्द्र

दूरभाष पर उपनिरीक्षक महेन्द्रसिंह बघेल ने बताया कि गुरूवार की रात में मोहगांव ध. से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ५०० रूपये का नकली नोट बाजार में चला रहा है, जिसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया है। जिसके बाद तत्काल घटना स्थल पहुंचे और हीरापुर भरवेली निवासी कृष्णकुमार सिलारे को अभिरक्षा में लिया गया, जिसके पास ५०० रूपये के ५ नोट, व्यापारी के पास से ६ नोट बरामद किये गये है। साथ ही उसके पास नकली नोट कहा से आये है, उन्होने कहां-कहां इन नोटों को चलाया है उसकी जानकारी ली जा रही है। श्री बघेल ने बताया कि नकली नोट चलाते पकड़ाये व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा १७८, १७९ के तहत मामला पंजीबध्द कर वारासिवनी न्यायालय में पेश कर वहां से जेल भेज दिया गया है।

अस्पताल में भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन ने मरीजों को किये फल वितरित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन लालबर्रा के पदाधिकारी गुरूवार को नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर चर्चा में भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन लालबर्रा अध्यक्ष संजीवराव गजभिये ने बताया कि गुरूवार को संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उन्हे फल वितरित कर जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। साथ ही बीएमओं डॉ. ऋत्विक पटेल का स्वागत कर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं के संबंध में चर्चा कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाये जाने की मांग की गई ताकि शासकीय अस्पताल में बेहतर से बेहतर उपचार हर वर्ग को मिल सके। साथ ही अस्पताल में आने वाले मरीजों से सभी स्वास्थ्यकर्मी मानवीय एवं सम्मानजनक व्यवहार कर अज्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाये। इस अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन कार्यकारी अध्यक्ष विजय कांगड़े, महासचिव इमरान खान, उपाध्यक्ष असरफ खान, सत्यशील मेश्राम, सचिव आईआर खान, कोषाध्यक्ष सोहेब कुरैशी, नंदनी गजभिये, दिपेन्द्र हुमनेकर, मोहसिन खान, श्री कुरैशी, अभय मेश्राम, मोहसिन भाई, विशाल वैद्य, अहनन खान, जीवक चौरे, साहित मेश्राम सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

बीएमओं डॉ. ऋत्विक पटेल का स्वागत किया। जिसके बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना एवं फल वितरित कर जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। इस दौरान भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि लालबर्रा क्षेत्र की ७७ ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि अगर मरीजों को किसी तरह की सहयोग व सेवा की आवश्यकता पड़ती है तो हम उस कार्य के लिए तत्पर रहेगें।

मजदूर के बेटे का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

एक ही परिवार के दो बहन, एक भाई जवाहर नवोदय विद्यालय में कर रहे पढ़ाई

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत बोरी निवासी मजदूर व किसान लालचंद कावरे की दो बेटी एवं एक बेटा है। जिसमें दिव्या कावरे, खुशी कावरे का पूर्व में जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में चयन हो चुका है और वे शिक्षा अध्ययन कर रहे है। जिसके बाद मजदूर का बेटा बलराम कावरे का कक्षा ५ वीं के बाद कक्षा ६ वीं में नवोदय विद्यालय वारासिवनी में चयन हो हुआ है। इस तरह से मजूदर, किसान लालचंद कावरे की दो बेटी, एक बेटा का नवोदय विद्यालय में चयन होने पर परिजनों एवं चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त है। वहीं मजदूर लालचंद कावरे की दोनों बेटी दिव्या कावरे, खुशी कावरे, बेटा बलराम कावरे बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रहे है। वहीं तीनों भाई-बहनों की प्राथमिक स्कूल की पढ़ाई बोरी स्थित लक्ष्मीबाई अकैडमी स्कूल में हुई है। वहीं नवोदय विद्यालय में चयनित हुए तीनों भाई-बहन अपनी माँ के साथ गत दिवस लालबर्रा पहुंचे थे। जिनकी मुलाकात समाजसेवी रवि अग्रवाल से उनकी दुकान में हुई जिन्होने पूर्व से परिचित होने के कारण उनसे मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उन्हे अच्छी पढ़ाई कर अपने माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम रौशन करने प्रेरित किया है।

स्कूल प्रबंधन अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की उड़ा रहे धज्जियां

कलेक्टर के आदेश के बाद भी अधिकांश स्कूलों में नही हुई जर्जर भवनों को डिस्मेंटल की कार्यवाही, जर्जर हो चुके 26 शास. प्राथ./माध्य. शाला भवनों को डिस्मेंटल करने कलेक्टर ने दो माह पूर्व ही जारी कर दिये है आदेश, क्षतिग्रस्त भवनों से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना , लालबर्रा एकीकृत शास. जनपद माध्य. स्कूल के जर्जर भवन को किया गया डिस्मेंटल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद शिक्षा केन्द्र लालबर्रा के अंतर्गत विकासखंड में विभिन्न शासकीय प्राथ. एवं माध्य. स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। लेकिन कुछ शासकीय प्राथ /माध्य. स्कूल के भवन जीर्णशीर्ण हो चुके है। साथ ही कुछ भवन जो पुरी तरह से जर्जर हो चुके है। साथ ही बरसात के दिनों में बारिश होने पर छतों से पानी टपकता है एवं कुछ जीर्णशीर्ण भवनों के छत से प्लास्टर निकल रहे है। ऐसी स्थिति में बज्चों को शिक्षा अध्ययन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं शिक्षा विभाग के द्वारा विकासखण्ड के २६ शासकीय प्राथ. एवं माध्य. स्कूल के भवन जो जर्जर हो चुके है उन्हे डिस्मेंटल एवं मरम्मत कार्य करवाने की जानकारी जिला प्रशासन को पूर्व में दिये गये थे। जिसका अवलोकन करने के बाद कलेक्टर महोदय के आदेशानुसार जिला शिक्षा विभाग के द्वारा दो माह पूर्व स्कूल के प्रधानपाठकों को संबंधित ग्राम पंचायत से समन्वयक बनाकर नियमानुसार ऐसे भवन जो जर्जर/क्षतिग्रस्त हो चुके है जिसमें बज्चें बैठकर शिक्षा अध्ययन नही कर सकते है। ऐसे भवनों को हटाने (डिस्मेंटल) करने के आदेश जनपद शिक्षा केन्द्र लालबर्रा व स्कूल के प्रधानपाठकों को दिये गये है। लेकिन कलेक्टर के आदेश जारी होने के बाद भी अब तक ऐसे कई शासकीय प्राथ./माध्य. स्कूल के जर्जर भवनों को हटाने (डिस्मेंटल) की कार्यवाही नही की गई है। ऐसी स्थिति में अगर स्कूली बज्चे स्कूल में शिक्षा अध्ययन करते समय जर्जर/क्षतिग्रस्त भवनों की ओर जाते है और वह भवन धराशायी होता है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे बज्चों के अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है और प्रशासन से जल्द जर्जर/क्षतिग्रस्त हो चुके शासकीय प्राथ./माध्य. स्कूल के भवनों को जल्द हटाने की मांग की है। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित एकीकृत शासकीय जनपद माध्य. स्कूल का पुराना भवन हो जर्जर हो चुका था जो किसी भी समय धराशायी हो सकता था, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती थी। शुक्रवार को ग्राम पंचायत पांढरवानी एवं स्कूल प्रबंधन के द्वारा क्षतिग्रस्त भवन को हटाने (डिस्मेंटल) की कार्यवाही की गई है। इस तरह से क्षतिग्रस्त भवन को जमीदोंज कर दिया गया है जिसे अब पूर्व में जो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी वह दूर हो चुकी है। साथ ही छात्र-छात्राओं को भी खेलने में सुविधा होगी।

कलेक्टर के आदेश के अनुपालन में बीआरसी ने भी जारी कर दिये है आदेश

आपकों बता दे कि लालबर्रा जनपद शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत शास. प्राथ. स्कूल १२६, शास. माध्य. स्कूल ५६ एवं ईपीएस स्कूल १९ संचालित हो रहे है। जिसमें से कुछ स्कूलों के भवन जीर्णशीर्ण होने के साथ ही जर्जर व क्षतिग्रस्त भी हो चुके है ऐसी स्थिति में बज्चों को शिक्षा अध्ययन करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें चिचगांव का एकीकृत माध्य. स्कूल, खुरपुड़ी का माध्य. स्कूल के भवन के छत से बारिश के दिनों में पानी टपकता है एवं प्लास्टर भी निकल रहा है। अगर प्लास्टर बज्चों के ऊपर गिरता है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। इस तरह विकासखण्ड के अन्य २४ स्कूलों के भवन भी जर्जर/क्षतिग्रस्त हो चुके है जिन्हे जिला प्रशासन के द्वारा हटाने के निर्देश दिये गये है। जिसके बाद जनपद शिक्षा केन्द्र लालबर्रा बीआरसी के द्वारा पत्र जारी कर विकासखण्ड के २६ शास. प्राथ /माध्य. स्कूल के जो भवन जर्जर/क्षतिग्रस्त है उस स्कूल के प्रधानपाठक को पत्र जारी कर ग्राम पंचायत से समन्वयक बनाकर नियमानुसार डिस्मेंटल की कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। लेकिन निर्देश जारी करने के बाद भी जिम्मेदारों के द्वारा जर्जर भवनों को अब तक डिस्मेंटल नही किया गया है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई। वहीं लालबर्रा विकासखण्ड में २६ शास. प्राथ/माध्य. स्कूल के भवन जो जर्जर व क्षतिग्रस्त है जिसमें शास. प्राथ. शाला खारी, गणेशपुर, पूर्व माध्य. शा. कन्या अमोली,, शास. हाई स्कूल खारी, शास. प्रा. स्कूल गोंडीटोला डोंकरबंदी, मोहगांव ध., निलजी, जाम (ला.), माध्य. स्कूल लवादा, बुट्टा ह., प्राथ शा. पाथरी, खमरिया, कामथी, जंगलटोला, माध्य. स्कूल रटेगांव, हाई स्कूल धरपीवाड़ा, मा. स्कूल बड़गांव, शास. उमावि. कटंगझरी (मा. शाला. भवन), प्राथ. शा. मोहगांव बोरी, ईपीएस पाथरशाही, जेपीएमएस लालबर्रा, ईपीएस चिचगांव, प्राथ. शा. बांदरी, बोट्टा, एकीकृत शा. उमावि. घोटी, प्राथ. शा. बम्हनी शामिल है। जिनमें हटाने (डिस्मेंटल) की कार्यवाही होना है। लेकिन अधिकांश स्कूल में यह कार्यवाही अब तक नही की गई है। ऐसी स्थिति में अगर जर्जर/क्षतिग्रस्त स्कूल के भवन के समीप दुसरे भवन में स्कूल संचालित किया जा रहा है एवं कुछ जर्जर भवनों में कक्षाएं लगाई जा रही है। इस दौरान बज्चें जर्जर/क्षतिग्रस्त भवन की ओर जाते है और अचानक भवन धराशायी या टूटकर गिरता है तो बज्चें उसकी चपेट में आ सकते है। जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है इसलिए स्कूल के जर्जर/क्षतिग्रस्त हो चुके है भवनों को जल्द डिस्मेंटल करवाने की मांग अभिभावकों ने प्रशासन से की है।

जर्जर भवन को किया गया डिस्मेंटल - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा विकासखंड के विभिन्न शास. प्राथ. /माध्य. स्कूलों के भवन जर्जर हो चुके है जिसके कारण दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और बच्चें भवन के गिरने से घायल हो सकते है।

जिसको देखते हुए कलेक्टर महोदय के द्वारा पत्र जारी कर शिक्षा विभाग को पंचायत के सहयोग से ऐसे जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिये गये है। इसी निर्देश के परिपालन में एकीकृत शास. जनपद माध्य. स्कूल लालबर्रा का जो भवन जर्जर हो चुका था उसे जेसीबी मशीन से डिस्मेंटल कर दिया गया है। श्री खान ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र के २६ शास. स्कूल के भवन जर्जर हो चुके है जिन्हे हटाने के निर्देश जारी हुए है और हमारी पंचायत क्षेत्र के अन्य एक स्कूल का भवन जर्जर है, स्कूल प्रबंधन हमें जानकारी देता है तो उसे भी डिस्मेंटल करने में पंचायत के द्वारा पूरा सहयोग किया जायेगा।

इनका कहना है

जनपद शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत शास. प्राथ./माध्य. स्कूल के २६ भवन जर्जर हो चुके है। जिसे हटाने (डिस्मेंटल) करने स्कूल के प्रधानपाठक को पत्र जारी कर पंचायत से समन्वयक बनाकर कार्यवाही करने कहा गया है और कुछ स्कूलों में कार्यवाही हो चुकी है। जिन स्कूलों में नही किये गये है तो जल्द जर्जर भवनों को हटाने (डिस्मेंटल करने) प्रधानपाठकों को निर्देशित किया जायेगा।

श्रीराम तुरकर
बीआरसी लालबर्रा।

जबलपुर संभाग विद्युत विभाग मुख्य अभियंता के एल वर्मा का हुआ नगरागमन

क्षेत्र में आ रही समस्याओं को विधायक विवेक पटेल ने मुख्य अभियंता के समक्ष रखी बात

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। बारिस का समय आने से और विद्युत समस्याओं एवं समाधान को लेकर जबलुपर संभाग के मुख्य अभियंता के एल वर्मा का वारासिवनी आगमन हुआ। स्थानीय विद्युत स्टेशन पहुंचकर के एल वर्मा विद्युत व्यवस्थाओं सहित शिकायतों एवं उनके निराकरण की जानकारी ली। वहीं क्षेत्रिय विधायक विवेक पटेल के जनसम्पर्क कार्यालय पहुंचकर विधायक विवेक पटेल से सौजन्य भेंट की। इस दौरान विधायक विवेक पटेल के साथ क्षेत्र में विद्युत व्यवस्थाओं को और सुदृढ किये जाने को लेकर विचार विर्मश किया। मुख्य अभियंता के एल वर्मा ने चर्चा करते हुए बताया कि वह दो दिनों से जिले में है। अभी बारिश का मौसम चल रहा है आंधी तुफान का मौसम है मुख्य रूप् से हमारी विद्युत व्यवस्था की क्या स्थिती है। ट्रिपिंग सहित अन्य शिकायतों एवं निराकरण की क्या स्थिति है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में कितने उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराते है उनके निराकरण में कितना समय लगता है। इसी को ध्यान में रखते हुये लांजी, रजेगांव ,किरनापुर सहित अन्य जगहों का निरिक्षण किया। इसी कडी मे यहां शहरी क्षेत्र में भी गया लांजी में दो दिन पूर्व जो दुघर्टना हुई थी मै वहां भी गया पिड़ित परिवार से मिला। हमारा उद्देश्य यही है कि हमार सप्लाई व्यवस्था ठीक हो और उपभोक्ताओं को २४ घण्टे बिजली मिलती रहे। हमारे विद्युत कर्मचारियों के पास सुरक्षा उपकरणों की कमी नही है मैं अभी जितनी जगह गया वहां मैने चैक किया वहां ऐसी कोई जगह या कोई कर्मचारी नही मिला जिसके पास हेण्ड ग्लोफ सहित अन्य उपकरण ना हो। खम्बे में चढने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में एल्यूमीनियम एवं लकड़ी की सीडियां है वहीं शहरी क्षेत्रों मे प्र्याप्त संसाधन उपलब्ध है। किसी प्रकार की कोई अघोषित कटौती नही है जनसामान्य को लगता है कि अघोषित कटौती हो रही है तो आप देखते होंगे कि मानसून के पहले और बारिश के बाद इसी समय हमारा मेन्टेनेंस होता है सभी विद्युत लाईन का व्यवस्थापन किया जाता है। इसके साथ टांसफार्मर बदलने नये टांसफार्मर लगाने, टूटे पोल बदलने एवं पोल लगाने सहित अन्य कार्यों के लिए सप्लाई बंद करनी पडती है इसे लोग अघोषित विद्युत कटौती समझते है। आरडीएसएस योजना के तहत अनेक सब स्टेशन बनाये जा रहे है। इसी योजना के तहत टांसफार्मर

बदले एवं तार बदले जा रहे है यह शासन स्तर पर स्वीकृत होने गई है शीघ्र ही यह स्वीकृत हो जायेगी। रही स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं कोई परेशानी नही होगी यह भ्रम है कि स्मार्ट मीटर तेज चलता है। अगर किसी उपभोक्ता को कोई शिकायत है तो नये मीटर के साथ पूराना मीटर लगाकर चेक किया जा सकता है। हमने हर प्रकार से टेस्ट कर मीटर लगाया है। सभी जगह बडी संख्या में स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है लेकिन कही से भी कोई शिकायत या परेशानी सामने नही आई है। विद्युत सप्लाई बंद होने के बाद भी स्मार्ट मीटर चालू रहता है क्योकि वह बैटरी सिस्टम से चलता है इससे कोई रीडिंग नही बढती है। मात्र मीटर चालू रहता है। पोस्ट पेड स्मार्ट मीटर को प्रीपेड स्मार्ट मीटर में बदलना योजना में शामिल है जो आने वाले दिनों मे किया जायेगा। पहले बडे शहरों में उसके बाद छोटे शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किया जायेगा। अभी क्षेत्रीय विधायक से चर्चा हुई है कि यहां लोडसेडिग समस्या को लेकर डोंगरमाली, रामपायली सहित अन्य स्थानों पर अनेक टांसफार्मर बदले जा रहे है आने वाले दिनों में लोड सेडिंग समस्या का पूर्ण रूप से निराकरण हो जायेगा। आरडीएसएस योजना और हमारे नये वर्क प्लान पूर्ण होने पर अगला सीजन समस्या रहित सीजन होगा। किंतु समय के साथ हर साल लोड़ बढता है यह सतत प्रक्रिया है उसके हिसाब से व्यवस्था पूरी की जायेगी। आगामी दिनों में शासन स्तर पर ७० हजार कर्मचारियों की भर्ती की जायेगी। आउट सोर्सिंग कर्मचारियों के स्थान पर नये कर्मचारियों को लगाया जायेगा। वहीं विधायक विवेक पटेल ने बताया कि विद्युत विभाग जबलपुर संभाग के मुख्य अभियंता के एल वर्मा सहित अन्य अधिकारियों से क्षेत्र में विद्युत सम्बंधी समस्याओं सहित विद्युत विस्तार किये जाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई है। डोंगरमाली, रामपायली सहित १३२ केवी सब स्टेशन खैरलांजी, ३३/११ केवी सब स्टेशन अंसेरा, डोंगरमाली का प्रपोजल गया है। यह कब तक स्वीकृत होगा और वर्क प्लान में स्वीकृत कार्य कब तक पूर्ण होगा। इसके साथ वोल्टेज की समस्या के निदान के लिए नये ट्रांसफार्मर में वृध्दि की जायें। लाईन मेंटनेंस के नाम पर की जा रही कटौती से क्षेत्रवासी परेशान है जैसे विषयों पर चर्चा की गई है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे लोडसेडिंग सहित अघोषित विद्युत कटौती के सम्बंध में चर्चा हुई है शीघ्र ही सभी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इस दौरान पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, दीपक कुमार उईके अधीक्षण अभियंता, बाबुलाल भैना कार्यपालन अभियंता ,राहुल तुरकर सहायक अभियंता , गोकुल प्रसाद गौतम, जितेन्द्र राजपूत, रामकिशोर बिसेन, जेसराज पारधी, अनिल पिपरेवार, विवेक जुझार सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के निवास पर पहुंचे जबलपुर संभाग के मुख्य अभियंता के एल वर्मा

समस्याओं के निराकरण व पूर्व में स्वीकृत योजनाओं को जल्द पूर्ण करने दिया आश्वासन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विद्युत विभाग के जबलपुर डिवीजन के मुख्य अभियंता के एल वर्मा ने

शुक्रवार को पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के निवास पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर बार बार विद्युत कटौती जैसे जनसामान्य के विषयों को सामने रखकर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने उच्चाधिकारियों को सवालों के घेरे में रखा। इसी तरह बालाघाट जिले के लांजी तहसील के ग्राम सर्रा से देवलगांव के बीच में बिजली के ११ केवी तार सड़क पर टूटकर गिरने से सड़क हादसों में लोगो की जान तक जाने के संवेदनशील विषयो पर जवाब भी मांगा। साथ ही डोंगरमाली आदि ग्रामीण क्षेत्रो में दिनभर विद्युत की आवाजाही पर भी शिकायत दर्ज करायी। इसी तरह नये मोहाडी विद्युत स्टेशन में करोड़ो रूपये के कार्यो में नया विद्युत सब स्टेशन व ग्रामीण क्षेत्रो में नये ट्रांसफार्मर दूसरे चरण में लगाने की कार्ययोजना के सम्बंध में नीतिगत निर्णय भी लिये गये। इस दौरान विद्युत विभाग जबलपुर के मुख्य अभियंता के एल वर्मा , दीपक उइके अधीक्षण अभियंता,बी एल भैंना कार्यपालन अभियंता,राहुल तुरकर सहायकयंत्री सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की मोहाड़ी नये विद्युत सब स्टेशन के लिये ४६ करोड़ की राशि स्वीकृत हुयी थी। इस विषय में विभाग के अधिकारियों ने सबसे पहले २१ अप्रैल २०२३ को जानकारी दी थी। और इस कार्य का भूमिपूजन २ जून २०२३ को समारोह के साथ कार्य प्रारंभ कराया गया था। और सतत रूप से निरिक्षण के साथ कार्य को समय पर पूर्ण कराकर क्षेत्र को समर्पित कर दिया गया है। पहले चरण में हमने २ करोड़ ५० लाख की राशि से कार्य करवाकर हजारो उपभोक्ताओं को गुणवत्ता पूर्वक बिजली सप्लाई कराने का कार्य किया है। अब दूसरे चरण में शेष ४३ करोड़ ५० लाख की राशि से क्षेत्र के रामपायली, वारासिवनी, खैरलांजी,डोंगरमाली व कोचेवाही स्टेशन में केपीसीटर बैंक की स्थापना के साथ नये टासफ ार्मर, नयी विद्यूत लाईन, खुले तारो का केबलीकरण, लगभग २१ किलोमीटर में कंडेक्टर जैसे आदि कार्य की शुरूवात की जा रही है। पुराने ट्रांसफ ार्मरो का अपग्रेडशन भी किया जायेगा। इस कार्ययोजना के पूर्ण होते ही बडे हुये सिचांई रकबे सहित किसानो को परमानेंट बिजली कनेक्शन की सुविधायें मिलने लगेगी। साथ ही गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलने से कम वोल्टेज जैसी समस्याओं का समाधान भी हो जायेगा।

मुलाकात के दौरान इस कार्य योजना को जल्द पूर्ण कराने का मुख्य अभिंयता ने आश्वासन भी दिया है। जबलपुर संभाग के मुख्य अभियंता के एल वर्मा ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को अवगत कराया की वारासिवनी के विद्युत मंडल कार्यालय में सन २००७-८ में आपने आंदोलन कर हमारे वारासिवनी के कार्यपालन यंत्री को शौचालय में बंद कर दिया था। उस समय वह सिवनी में अधिक्षण यंत्री पद पर कार्यरत थे। साथ ही मुख्य अभियंता ने आश्वस्त किया की वारासिवनी क्षेत्र की सभी समस्याओं का शीघ्र ही निराकरण किया जाएगा। साथ ही पूर्व में स्वीकृत योजनाओं को जल्द पूर्ण किया जाएगा।

जनपद सभागृह खैरलांजी में समीक्षा बैठक सम्पन्न

अधिकारी कर्मचारी आम जनता को परेशान ना करें वरना कार्यवाही के लिए रहे तैयार-गौरवसिंह पारधी

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन कर सभी विभागों के योजनाओं की समीक्षा की और आ रही समस्याओं से अवगत कराया गया। इस दौरान सरकार की मंशा अनुरूप २७ और २८ जून को जल संवर्धन योजना के अंतर्गत किए गए निर्माण कार्यों का जनपद सदस्य या विधायक के द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि क्षेत्रों में भौतिक निरीक्षण करेंगे। जनपद पंचायत के उपयंत्री इरफ़ान कुरैशी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान विधायक ने खैरलांजी क्षेत्र के नवेगांव से डोंगरिया मार्ग गुणवत्ता को घटिया बताया। अधिकारी को क्षेत्र की सभी लोक निर्माण की सड़कों का निरीक्षण करने के आदेश दिए जिससे कि बारिश में आवागमन में बाधा ना हो। इस दौरान विधायक ने सड़क के साइड शोल्डर काटने वाले पर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। इस दौरान पीआईयू,विद्युत विभाग सहित अन्य विभाग अनुपस्थित रहे जिससे उन विभागों की समीक्षा नही हो पाई। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान यह बात देखने में आई कि जो बीज बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों के लिए आया है उसका पर्याप्त प्रचार अधिकारियों के द्वारा नही किया गया। जिस पर विधायक ने संबधित को प्रचार प्रसार कर किसानो को जानकारी देने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारी ने बताया कि इस बीज को लगाने पर १५ दिन तक धान की फसल बाढ़ में डूबी रहने पर भी वह खराब नही होती। इस पर ग्राम पंचायत टेमनी के सरपंच ने कहा कि उन्होंने विगत वर्ष विभाग के द्वारा वितरित किए गए बीज को बोया था लेकिन उनकी फ सल खराब हो गई थी। जिस पर विधायक ने अधिकारी को इसे गंभीरता से लेने की बात करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र को सूचित करने की बात कही। इस दौरान विधायक ने कहा कि धान बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण मक्का की खेती इन क्षेत्रों में संभव नही है। मंडी की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि मंडी का निरीक्षण जल्दी किया जाएगा। विधायक ने कहा की आगामी गर्मी की धान मंडी में व्यापारी द्वारा खरीदी जाए इसकी व्यवस्था बनाई जाए। वहीं जहां सड़क में पुलिया की आवश्यकता

है वहां बनाया जाए और सड़क के नीचे पाइप भी लगाए जाए जिससे कि सड़क क्षतिग्रस्त ना होने पाए। खाद विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारी को हिदायत दी कि बड़े लोगों पर खाद विभाग क्यों कार्यवाही नही करता और चाय की टपरी वाले पर कार्यवाही हो रही है। ऐसे अधिकारी कार्यवाही के लिए तैयार रहे। उन्होंने एसडीएम को राजस्व विभाग और खाद विभाग के कार्यों की जांच करने के लिए बोला गया। दोनों खाद अधिकारी कटंगी और खैरलांजी को कार्यवाही के लिए तैयार रहने के लिए चेतावनी दी गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों के द्वारा शिकायत की गई कि राशन दुकान में गेहूं खराब गुणवत्ता का आ रहा है। जो बिलकुल भी खाने योग्य नही होता। वन विभाग की समीक्षा करने के दौरान अधिकारी ने बताया कि बांस के पौधों को मेड पर किसान लगाए ऐसी योजना है जिसके लिए किसान को प्रोत्साहित करना है। जिस पर विधायक ने कहा कि मिश्रित वन लगाओ बांस,सागौन अब नही लगाओ। उद्यानिकी विभाग ने बताया कि आम,पुष्प और मसाले वाले फसलों की खेती के लिए ३५ किसानों का पंजीयन कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग रोगी कल्याण समिति की बैठक विगत डेढ़ सालो से नही होने पर उन्होंने बीएमओ से नाराजगी जाहिर की और जुलाई प्रथम सप्ताह में रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित करने को कहा। इस दौरान व्यय के बिल भी लेकर आने को कहा गया। बीएमओ पाल ने बताया कि स्नैक बाइट से आज तक एक भी डेथ नही हुई है। एंटी स्नैक वेनम की पर्याप्त व्यवस्था है। ऐसे केसों को सर्व प्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आया जाए। शिक्षा विभाग की समीक्षा में कहा कि २० हजार रुपए आये है शौचालयो की मरम्मत करने के लिए। सभी ५२ शालाओं की लिस्ट बीआरसी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए। बीईओ से कहा कि किसी शाला में टेबल कुर्सी टेबल लगे तो बताए। बीआरसी ने बताया कि सात शालाएं ऐसी है जो बन्द होनी की कगार पर है। दिलचस्प बात यह रही कि खुद जनपद पंचायत उपाध्यक्ष को भी राशि आवंटन के बारे में जानकारी नहीं थी जबकि वह शिक्षा समिति के सभापति है। विधायक गौरवसिंह पारधी ने कहा कि पीएम आवास किसी कारण से किसी का भी कैंसिल नही करना है। जिनके नाम आए उन सभी को इसका लाभ मिले यह कोशिश करना है। ऐसे में दिक्कत यह है किसी पक्के मकान वाले का नाम यदि लिस्ट में आ गया तो फिर पहले जरूरत मन्द को दिया जाए या फिर पक्के मकान वाले को। सरपंच की इस मांग पर कि ग्राम पंचायत को रेत महंगी मिल रही है। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामों में नदी है सरपंच अलग से रकबा स्वीकृत करे ग्राम सभा का प्रस्ताव कलेक्टर को दें। जिसका उपयोग ग्राम पंचायत शासकीय कार्यों में कर सकती है। ग्रामीण भी प्रति वर्ष स्वयं के निर्माण कार्य के लिए चार ट्राली रेत लेकर आ सकते है। ट्रैक्टर वाले हिसाब से रेत दाम लगाए इसका ध्यान रखना है। ५ वें और १५ वित्त की राशि जनपद कुछ अपने पास रखकर शेष राशि जनपद सदस्य को वितरित की जा सकती है। टाइड और अनटाइड को रोटेशन किया जा सकता है। विधायक पारधी ने कहा की देखने में आया कि कुछ अधिकारी विधायक का फ ोन भी नही उठाते हैं ऐसे अधिकारी कर्मचारी को कार्यवाही के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारी कर्मचारी हमारे मान सम्मान का भी ध्यान रखे हमारे फ ोन का भी ध्यान रखें बदले में उनसे जो हो पाएगा पूरा सहयोग करेंगे। इस दौरान एसडीएम सहित समस्त विभागों के प्रमुख अधिकारी कर्मचारी और जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

रामपायली पुलिस ने मवेशी तस्करो पर की कार्यवाही

घटना में चार मवेशी बरामद कर पिकअप चालक को किया गिरफ्तार

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम मोहगांव खुर्द स्थित चंदन नदी के पुल पर क्रूरता पूर्वक मवेशियों को भरकर ले जा रही पिकअप वाहन से चार मवेशियों को बरामद कर पिकअप वाहन चालक नितेश डोहरे को गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम अंतर्गत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस के द्वारा कस्बा भ्रमण किया जा रहा था तभी मुखबिर से सूचना

मिली कि एक पिकअप वाहन में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक भरकर महाराष्ट्र कत्ल खाने ले जाया जा रहा है। जिस पर घटना की जानकारी पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दिए गई। जिन्होंने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश अनुसार एएसपी विजय डाबर ,एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में मुखबिरों से प्राप्त सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी पंकज दीवान ने टीम को रवाना किया। मामले में पुलिस के द्वारा रामपायली मोहगांव मार्ग पर निगरानी रखी गयी। तभी मोहगांव की ओर से एक पिकअप वाहन एमएच ०८ एपी १७९० आता हुआ दिखा। जिसे रामपायली और मोहगांव के बीच स्थित चंदन नदी पुल पर पिकअप वाहन को रोक कर पूछताछ की गई। जिसमें ४ गौवंश क्रूरता पूर्वक भरे हुए पाए गए वाहन चालक से गौवंश ले जाने संबंधी दस्तावेज मांगे जाने पर कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किए जाने पर तत्काल वाहन चालक को वाहन सहित थाने में लाया गया। जहां पर वाहन व पशुधन की जप्ती कर पशुधन को बिठली गौशाला भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक नितेश डोहरे ग्राम खापा थाना खैरलांजी निवासी के खिलाफ पशु वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा ४,६,९ पशु क्रूरता अधिनियम की धारा ११घ के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई। वहीं आरोपी को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी पंकज दीवान, सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र गहरवार ,आरक्षक आलोक बिसेन, अंकित, नरोत्तम ,संदीप ,उमेश की सराहनीय भूमिका रही।

अभियंता कार्यालय में सम्मान समारोह सम्पन्न

वारासिवनी आना मुझे पहले से प्रिय रहा है क्योंकि मैं पहली बार अधिकारी बनकर आया था-के एल वर्मा

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विद्युत विभाग के अभियंता कार्यालय परिसर में २७ जून को सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जबलपुर संभाग के मुख्य अभियंता के एल वर्मा, बालाघाट अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार उइके ,कार्यपालन अभियंता बाबूलाल भैना ,सहायक अभियंता राहुल तुरकर सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें विद्युत विभाग के स्टाफ के द्वारा जबलपुर के मुख्य अभियंता के प्रथम आगमन पर उनका स्वागत किया गया। जिसके बाद उनके द्वारा कार्यालय का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात सम्मान समारोह प्रारंभ किया गया। जिसमें विद्युत विभाग के कर्मचारी धर्मेंद्र भगत ,संदीप गौतम, पुलकित पटले ,मुलाजी ठाकरे ,मनोज भगत का सम्मान उपस्थित अतिथियों के हस्ते प्रमाण पत्र देकर किया गया। जिसके बाद उपस्थित स्टाफ को संबोधित करते हुए के एल वर्मा ने कहा कि बालाघाट की तीनों डिवीजन में अधिकारी कर्मचारी कोई भी हो सभी लोग इमानदारी से काम करते हैं। यह कारण है कि हर महीने आपके डिवीजन का जो राजस्व संग्रहण होता है वह लक्ष्य से ज्यादा या उसके आसपास होता है घटा बहुत कम है। यह इसी बात का परिणाम है कि आप सभी छोटे.बड़े सभी अधिकारी कर्मचारी मिलकर एकजुट होकर काम करते हैं आपके नेतृत्व की मैं सराहना करता हूं। यहां आना मुझे पहले से प्रिय रहा है क्योंकि वारासिवनी में मैं पहली बार अधिकारी बनकर वर्ष २००७ में आया हुआ था। उस समय घूमना फिरना काम सीखना सिखाना बहुत अच्छा लगता था। पांच अच्छा काम करने वाले कर्मचारी अधिकारी को पुरस्कृत करना है। तो मैं बालाघाट और वारासिवनी में उपस्थित हुआ हूं। अच्छे सभी कर्मचारी और अधिकारी

वही यहां के कार्यालय बहुत व्यवस्थित है इस बात की हर जगह चर्चा होती है जब भी जबलपुर में बैठक या कोई अधिकारी या ठेकेदार इधर आता है और वापस जाता है तो वहां इस बात की विशेष कर चर्चा करता है। अभी हमारा लांजी जाना हुआ था वहां पर भी कार्यालय व्यवस्थित है फिर मुझे बताया कि नियम अनुसार महीने में है पर वर्तमान में जिसे थोड़ा भी अच्छा कार्य किया है उसे सम्मानित करना अच्छी बात है। बाकी हर कोई अच्छा काम कर रहा है और इससे बाकी लोगों को प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मारपीट के आरोपी प्रेमलाल को ६ माह का सश्रम कारावास

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में मारपीट के आरोपी प्रेमलाल गोमासे को ६ माह की सश्रम करवास की सजा सुनाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार १ अगस्त २०१९ को दिन के करीब २ बजे प्रार्थी को पता चला कि उसके पिता उन लोगों की शामिल शरीक जमीन बेच रहा है। तब प्रार्थी और उसकी पत्नि ने प्रार्थी के पिता को बोले कि जमीन क्यों बेच रहे हो तो इसी बात पर से उसके पिता व प्रेमलाल दोनों उसके साथ व उसकी पत्नि के साथ वाद विवाद करने लगे और प्रेमलाल ने प्रार्थी की पत्नि को गालियां दी व डंडे से मारपीट किया। जिससे प्रार्थी की पत्नि को मुंह सिर दाहिनी भुजा सीने में चोट आयी थी। जिसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने अभियुक्त के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र विचारण हेतु न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद यह प्रकरण न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नेहा बाथरी की अदालत में विचाराधीन था। जहां पर आरोपी प्रेमलाल पिता मेहतलाल गोमासे उम्र २८ वर्ष निवासी ग्राम कासपुर थाना वारासिवनी का अपराध सिद्ध होने पर उसे भादवि की धारा ३२३ के अंतर्गत ३ माह के सश्रम कारावास एवं ५०० रूपये के अर्थदंड एवं अर्थदण्ड की राशि की अदायगी के व्यतिक्रम में १ माह का साधारण कारावास। भादवी की धारा ३२५ के अपराध में ६ माह के सश्रम कारावास एवं १००० रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया एवं अर्थदण्ड की राशि की अदायगी के व्यतिक्रम में १ माह का साधारण कारावास भुगताया जावें। अभियुक्त को सभी सजाएं साथ साथ भुगताई जायें। अभियोजन की ओर से पैरवी प्रणव राजनेगी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी वारासिवनी के द्वारा की गई।

फुस्स रणनीतिक दांवः इजराइल-ईरान संघर्ष

ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन का युद्ध तनावपूर्ण संघर्षविराम के साथ खत्म हुआ। इजराइल का दावा है कि उसने 'ऐतिहासिक जीत' दर्ज करते हुए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बरसों पीछे धकेल दिया है। लेकिन हकीकत कहीं ज्यादा जटिल है। ईरान ने भारी नुकसान झेला है ङ्क उसके मुख्य परमाणु ठिकानों पर हमला किया गया, शीर्ष कमान का बड़ा हिस्सा खत्म कर दिया गया, और उसके हवाई रक्षा उपाय वस्तुत: अप्रभावी साबित हुए। कुल 600 से ज्यादा लोग, ज्यादातर असैनिक, मारे गये। ईरान ने जो गंवाया है उसे दोबारा बनाने में अगर दशकों नहीं, तो वर्षों जरूर लगेंगे। फिर भी, जंग में जीत और हार केवल भौतिक नुकसान से नहीं मापा जाता। नुकसान और स्पष्ट शक्ति असंतुलन के बावजूद, तेहरान ने झुकने से इनकार कर दिया है। ईरान सरकार 13 जून के शुरुआती सदमे से तेजी से बाहर निकली और बैलिस्टिक मिसाइल व ड्रोन हमलों के जरिए उसके लगातार जवाबी अभियान ने इजराइल की उस बहु-स्तरीय हवाई प्रणाली की कमजोरियां उजागर कीं जिसकी तारीफों के पुल बांधे जाते थे। वहां मौतें हुईं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जिन्होंने पहले यह दावा किया कि उनके अभियान से ईरान में निजाम बदल सकता है, आखिरकार संघर्षविराम स्वीकार करने पर मजबूर हुए, जिसकी घोषणा अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु संयंत्रों पर प्रहार के बाद हुई। तेहरान के 卐बिना शर्त आत्मसमर्पण卐 की मांग करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने, ईरान द्वारा सोमवार रात को कतर और इराक में अमेरिकी अड्डों पर प्रतीकात्मक प्रहार किये जाने के बाद, संघर्ष मद्धिम पड़ने का एलान किया।

इस युद्ध के क्षेत्रीय व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। ईरान ने खुद को इजराइल के प्रतिसंतुलन के रूप में दोबारा पेश किया है, अन्यथा पश्चिम एशिया एकध्रुवीय ही था। तेहरान अपने पारंपरिक आयुध भंडार को दोबारा बनायेगा, रूस और चीन के साथ रिश्ते मजबूत करेगा और इस क्षेत्र में संबंधों को नये सिरे से निर्मित करेगा। दूसरी तरफ, बड़ी पारंपरिक चुनौतियों से सामना होने पर इजराइल की अमेरिका पर अति-निर्भरता फिर से उघड़ कर सामने आ गयी है। जब उसने युद्ध शुरू किया, वह जानता था कि वह अपने बूते ईरान के परमाणु ठिकानों को बर्बाद नहीं कर पायेगा। अमेरिका, जो ईरानी प्रक्षेपास्त्रों को बीच में ही मार गिराकर इजराइल की रक्षा में भागीदारी कर रहा था, जंग में शामिल हुआ और उसने तेल अवीव को बाहर निकलने का रास्ता दिया। लेकिन अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में उंगलियां जला चुका अमेरिका एक और स्थायी युद्ध में नहीं उलझना चाहता था। इसने नेतन्याहू के सामने कोई अन्य विकल्प नहीं छोड़ा, सिवाय इसके कि वह उस निजाम के साथ संघर्षविराम स्वीकार करें जिसे वह उखाड़ फेंकना चाहते थे। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि ईरानी परमाणु कार्यक्रम को केवल कुछ महीने पीछे धकेला जा सका है। वास्तव में, युद्ध अपना मकसद पूरा करने में नाकाम रहा और स्थिति को घूम-फिर कर वहीं, कूटनीतिक समाधान की फौरी जरूरत, पर पहुंचा दिया। कूटनीति की सफलता की खातिर, ईरान के अपने परमाणु कार्यक्रम पर दीर्घकालिक, सत्यापन-योग्य सीमाएं स्वीकार करने के बदले, उसके लिए आर्थिक फायदों के भरोसेमंद वादों के साथ अमेरिका को गंभीर बातचीत में संलग्न होना होगा। इसके अलावा, वाशिंगटन को इजराइल पर लगाम लगानी होगी। जब तक उसका निकटतम सहयोगी सजा से बेखौफ होकर अपने दुश्मनों पर बम मारना जारी रखता है, व्यवस्था और स्थिरता पश्चिम एशिया की पहुंच से बाहर रहेगी।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषत: उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, 卐ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताज़ा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो ?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के ?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा। नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुन: नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

- ललित गर्ग
(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावट : एक चिंताजनक संकेत

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पर्दाफाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है।

वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1त्न है, जो वैश्विक औसत 68.5त्न से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।

आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9त्न पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यत: देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20ङ्क30त्न कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है।

शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70त्न है, जो वैश्विक औसत 87त्न से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ—जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है।

राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8त्न रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6त्न महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुन:निर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है।

भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दर्शाता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए।

लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक उद्देश्य नहीं, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। मैकिंज़ी ग्लोबल संस्थान का अनुमान है कि यदि भारत कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है, तो 2025 तक अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन में महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिणाम भी अधिक न्यायसंगत और समावेशी होते हैं। भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी सार्थक होगी, जब उसमें महिलाओं की पूरी और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

किन्तु चुनौतियाँ गहरी हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मूल्य, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच और नीतियों के क्रियान्वयन में ढिलाई—ये सभी मिलकर लैंगिक असमानता को टिकाऊ बना रहे हैं।

अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारे। महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में। निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए महिलाओं को सस्ते मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर तक पहुँचाया जाए।

हर योजना और सर्वेक्षण में लैंगिक रूप से अलग आँकड़े संकलित करना अनिवार्य हो ताकि राज्य और जिले स्तर पर प्रगति की निगरानी की जा सके और नीति निर्माण अधिक लक्षित हो सके।

भारत की लैंगिक समानता में यह गिरावट केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है—कि हमने विकास की दौड़ में आधी आबादी को पीछे छोड़ दिया है। यह भूल केवल सामाजिक न्याय की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि की भी कीमत वसूलती है।

समानता की राह लंबी है, पर असंभव नहीं। नीति बन चुकी है, दिशा स्पष्ट है, अब आवश्यकता है राजनीतिक संकल्प, सामाजिक सहमति और संस्थागत क्रियान्वयन की। जब तक भारत अपनी आधी आबादी को बराबरी का स्थान नहीं देगा, तब तक विकसित राष्ट्र का सपना अधूरा रहेगा।

-प्रियंका सौरभ

सिद्धपीठ तारापीठ : जहां देवी तारा के साथ होती हैं उनके परम भक्त बामा खेपा की पूजा

प्रत्येक वर्ष शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा की तिथि से आरंभ होने वाले गुप्त नवरात्र के दिन से (इस वर्ष 26 जून से) पूरे देश में देवी दुर्गा की दस महाविद्याओं का पूजन-अनुष्ठान शुरू हो जाता है। देवी के दस महाविद्याओं में मां काली, मां षोडशी, मां भुवनेश्वरी, मां भैरवी, मां छिन्नमस्तिका, मां धूमावती, मां बगलामुखी, मां मातंगी तथा मां कमला के साथ मां तारा के नाम शामिल हैं जिनके मंत्रोच्चारों से गुप्त नवरात्र के नवों दिन गूंजायमान रहते हैं। साल के बारहों महीने भक्त श्रद्धालुओं की आवाजाही से गुलजार तारापीठ में गुप्त नवरात्र के दिनों में देश के अन्य शक्तिपीठों की तरह खास चहल-पहल रहती है।

देवी के दस महाविद्याओं में मां तारा का विशेष महात्म्य है जिनका सिद्धपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के रामपुर हाट स्टेशन के निकट अवस्थित है। नील सरस्वती, एकजटा भवानी, तारा तारिणी आदि नामों से संबोधित मां तारा परम कल्याणी मानी जाती हैं। करुणामयी तारा मां की एक खास विशेषता यह है कि ये भक्त-वत्सल हैं तथा सबकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं।तभी तो तारापीठ मंदिर परिसर में मां तारा के साथ उनके परम भक्त बामा खेपा की भी पूजा होती है। ऐसा उदाहरण विरले ही मिलेगा कि एक ही स्थान पर भगवान के साथ उनके भक्त की भी पूजा होती हो। कहते हैं कि तारा मां और उनके अनन्य भक्त बामा खेपा के बीच माता और पुत्र का संबंध था जिनकी कई रोचक कहानियां आपको तारापीठ में प्रवेश करने के साथ ही सुनने को मिलेंगी।

तारापीठ बंगाल के साथ पूर्वोत्तर भारत का एक प्रमुख शक्ति-स्थल है जो पटना-हावड़ा लूप रेल लाईन पर झारखंड-बंगाल की सीमा पर रामपुर हाट स्टेशन (बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल) से करीब 8 किमी दूर द्वारिका नदी के तट पर स्थित है।

एक खास बात यह है कि बंगाल में शक्ति-पूजा की प्राचीन परम्परा है। यहां के घर-घर में देवी काली की पूजा होती है जिनके मंदिर यहां के हर गली-मुहल्लों में देखने को मिल जायेंगे। तारापीठ (बीरभूम) के अलावे कालीघाट (कोलकाता), कंकाली तल्ला व नलहट्टी (बीरभूम) और किरीतेश्वर (मुर्शिदाबाद), तामलुक (मेदिनीपुर), खीरग्राम व केतुग्राम (कटवा), वक्रेश्वर व फूल्लरा (बीरभूम) तथा रत्नाबली (हूगली) पश्चिम बंगाल के प्रमुख शक्ति-स्थल और शक्तिपीठ हैं।

तारापीठ में आद्या देवी शक्ति की अवतार मां तारा विराजती हैं। इस स्थल की मान्यता एक जाग्रत शक्ति पीठ एवं तंत्रपीठ के रूप में है जहां आराधकों और साधकों की विनती शीघ्र सुनी जाती है। मां तारा सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य-आरोग्य व ज्ञान-साधना की देवी मानी जाती हैं। यही कारण है कि बिहार, बंगाल और झारखंड सहित देश के कोने-कोने से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु तारा मां के दर्शन हेतु यहां आते हैं एवं भक्ति पूर्वक पूजन-अर्चन कर मनोवांछित फल पाते हैं।

शक्ति-पीठ तारापीठ के बारे में ऐसी मान्यता है कि यहां देवी की आंखों का तारा गिरा था जिसकी कथा दक्ष प्रजापति के यज्ञ और माता पार्वती के हवन-कुंड में दाह से जुड़ी है। जब पिता दक्ष द्वारा अपने पति शंकर की अवहेलना से व्यथित पार्वती ने हवन-कुंड में कूदकर आत्मदाह कर लिया और इससे उन्मत्त होकर शिव उनके शव को लेकर तीनों लोक में फिरने लगे तो भगवान विष्णु ने श्रृष्टि के नियमों के रक्षार्थ देवी के शव को सुदर्शन चक्र से काट डाले जिसके 51 टुकड़े होकर विभिन्न 51 स्थानों में गिरे जिनकी मान्यता 51 शक्तिपीठों में हुई। तारापीठ में देवी की आंखों के तारे गिरे थे, इस कारण इसकी प्रसिद्धि तारापीठ के नाम से हुई। ऐसे एक मान्यता यह भी है कि यह स्थल बिहार के महेशी में है।

देवी तारा के आविर्भाव के संबंध में कालिका पुराण में वर्णित है कि शुंभ व निशुंभ दानवों से पराजय के बाद जब देवतागण हिमालय में जाकर देवी मातंगी का आह्वान करने लगे तो देवी के शरीर से महासरस्वती स्वरूप श्वेत वरणवाली कौशिकी के साथ काले वरणवाली काली अथवा उग्रतारा प्रकट् हुई थीं। देवी तारा नील वरण की चार भुजाओं वाली होती हैं जिसमें वे तलवार, खप्पर, कटार और नील कमल धारण करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वशिष्ठ मुनि ने तारा मंदिर के निकट द्वारिका नदी के तट पर स्थित श्मशान में तारा माँ की आराधना की थी जिसके कारण ये वशिष्ट आराधित तारा के नाम से भी जानी जाती हैं। डेविड आर. किंसले कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से प्रकाशित अपनी पुस्तक तांत्रिक विज़न ऑफ द डिवाइन फेमिनिनन्द टेन महाविद्यास में बताते हैं कि स्थानीय परम्परा के अनुसार मुनि वशिष्ठ ने इस स्थान को इस कारण अपनी साधना के लिये चुना क्योंकि इसकी प्रसिद्धि सिद्ध पीठ के रूप में थी। वशिष्ट मुनि ने यहां कठोर तपस्या करते हुए 3 लाख तारा मंत्रों के जाप किये थे जिससे प्रसन्न होकर देवी तारा उनके समक्ष पकट् हुई। वशिष्ठ के अनुरोध पर देवी ने उन्हें भगवान शिव को दुग्ध-पान कराते हुए मातृ स्वरुप में दर्शन दिये जिसके उपरांत वे शिलामूर्ति में परिवर्तित हो गईं। बाद में द्वारिका नदी के तट पर स्थित श्मशान, जहां वशिष्ट मुनि ने तपस्या की थी, से प्राप्त तारा माँ की इस शिलामयी प्रस्तर मूर्ति को मुख्य तारा मंदिर में लाकर प्रतिष्ठित किया गया है जिसके उपर देवी की चांदी की मुखाकृति आवेष्ठित कर दी गई है जिसका दर्शन-पूजन श्रद्धालुगण करते हैं। प्रतिदिन देर रात्रि में भक्तों को देवी तारा के शिलारुप का दर्शन कराया जाता है। मुख्य तारा मंदिर के निकट स्थित श्मशान में, जहां वशिष्ट मुनि ने तपस्या की थी, परिसर में वशिष्ठ मंदिर तथा पंचमुंडी मंदिर निर्मित है जहां साधना करते साधकों को देखा जा सकता है। हिंदू धर्मावलंबियों की तरह बौद्ध धर्म में भी देवी तारा का अत्यंत महात्यम है। बौद्ध धर्म में भी ये शाक्त देवी के रूप में पूजी जाती हैं। बौद्ध धर्म की तिब्बती मान्यताओं में आर्यतारा महायान में नारी बोधिसत्व और वज्रयान में नारी बुद्ध के रूप में पूजा की जाती है जो मुक्ति व सफलता प्रदान करती हैं।

मां तारा के महात्म्य की चर्चा उनके अनन्य भक्त बामाखेपा अर्थात बामदेव का उल्लेख किये बिना अधूरी है। मां की भक्ति में सुध-बुध खोकर सदैव लीन रहनेवाले बामदेव ऐसे रम गये कि लोग उनको खेपा अर्थात् पागल कहकर पुकारने लगे। आज उनकी प्रसिद्धि बामा खेपा के नाम से है।

बामा खेपा का जन्म तारापीठ से 8 कि.मी. की दूरी पर आटला नामक ग्राम में हुआ था। कहते हैं उन्हें मा का दर्शन प्राप्त हुआ था। तारापीठ में मा तारा के मंदिर परिसर में ही बामदेव का भी मंदिर है। ऐसा विरले होता है कि एक ही स्थान पर भक्त के साथ उनके भगवान की भी पूजा होती हो।

बामाखेपा एक सिद्ध तांत्रिक थे तथा मंदिर के बगल में स्थित श्मशान रहकर साधना करते थे। बामा खेपा मां तारा की आराधना किसी देवी की तरह नहीं, वरन् मां के रूप में करते थे तथा उनके साथ पुत्र की तरह उन्मुक्त व्यहवार करते थे जिसके कारण मंदिर के पुजारी उन्हें बीच-बीच में प्रताड़ित करते रहते थे।

इस संबंध में अपनी पुस्तक में डेविड आर.किंसले एक घटना का जिक्र करते हुए कहते हैं कि एक बार बामा ने तारा मां को भोग लगाने के पहले ही उसके फल को उठाकर खा लिया जिससे क्रोधित होकर पुजारियों ने उन्हें मंदिर से निकाल बाहर कर दिया। मां के वियोग में बामा बगल के श्मशान में एक एक पेड़ के नीचे बामा खेपा मां की रट लगाते हुए विलाप करने लगे। कहते हैं अपने पुत्र की इस दशा से मां तारा ने विह्वल होकर नाटोर स्टेट की रानी, जिनके राज में तारापीठ पड़ता था, को स्वप्न दिया है कि मेरा पुत्र श्मशान में भूखा पड़ा है, तो मैं तुम्हारा भोग कैसे स्वीकार कर सकती हूं, पहले उसको भोजन दो। उन दिनों नाटोर स्टेट की रानी की तरफ से मां तारा को प्रतिदिन भोग चढ़ाने की परंपरा थी। देवी के आदेश का रानी ने तत्काल पालन किया और मां को भोग लगाने के पहले श्मशान में मां की रट लगाते बेसुध बामा खेपा को भोजन कराया। तब से देवी को भोग लगाने के पूर्व बामा को भोजन देने की परिपाटी चल पड़ी। ऐसी मान्यता है कि मां तारा ने बामा खेपा को दर्शन दिये थे।

तारापीठ आनेवाले हर श्रद्धालु मां तारा के साथ उनके अनन्य भक्त बामा खेपा के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हैं। तारा मां को को जवा, कमल और नीले अपराजिता के फूल अत्यंत प्रिय हैं, इस कारण श्रद्धालुगण इन फूलों को आवश्यक रूप से माँ को अर्पित करते हैं और तत्पश्चात मंदिर परिसर में स्थित बामा खेपा के मंदिर में पूजन-दर्शन करते हैं। ऐसे तो यहां सालों भर भक्तों का तांता लगा रहता है, किंतु शनिवार और रविवार-सोमवार को माँ तारा का दर्शन-पूजन परम आनन्ददायक तथा फलदायी माना जाता है। श्रावण के महीने में देश विभिन्न स्थानों से देवघर वैद्यनाथ धाम (झारखंड) आकर वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग को सुल्तानगंज (भागलपुर जिला, बिहार) की उत्तर वाहिनी गंगा का जल अर्पित करनेवाले लाखों कांवरियां शिवभक्त तारापीठ आकर मां तारा के दर्शन-पूजन करते हैं।

शिव शंकर सिंह पारिजात

इन्दौर बाजार भाव –

इन्दौर। लेवाली कमजोर रहने से शुक्रवार को अनाज मंडी में चना मामूली लटक दिखा गया। मसूर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन टिका रहा। किराना जिंसों में नारियल बाजार जोरदार तेजी बना गये।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली कमजोर रहने से बाजार 50 रू. प्रति क्विंटल से ढ़ीले रहे। मसूर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा देखा गया। तिलहनों में सोयाबीन पूर्वस्तर पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में आवकें कमजोर रहने से तूफानी तेजी रही। भाव इस प्रकार रहे –

किराना - शक्कर 4120–4165, खोपरा गोला 300–360, खोपरा बूरा 4400–6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275–283, मीडियम 287–292, बेस्ट 300–310, ऊंझा हल्का 268–285, बेस्ट 295–310, हल्दी निजामाबाद 150–200, सांगली 250–255, साबूदाना हल्का 4500–4600, मीडियम 4650–4850, बेस्ट 5100–5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900–7100, सौंफ मोटी 100–130, बेस्ट 185–285, एस्ट्रा बेस्ट 340–450, सौंफ बारी?क 290–350, राई दाल 90–95, सरसो दाल 85–95, कालीमिर्च एटम 770–800, गरबल 740–750, मटरदाना 825–850, खसखस अनक्लीन 1150–1200, क्लीन 1350–1600, दालचीनी 250–265, जायफल 725–750, बेस्ट 780–790, वाद्यान फूल 440–495, शाहजीरा 385, तेजपान 90–95, पत्थर फूल 340–425, बेस्ट 475–500, जावत्री 1675–1750, बेस्ट 1850–1890, केसर 175–185, सौंठ 375–400, धोली मूसली 2175–2250, लौंग 765–775, बेस्ट 800–810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160–185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750–775, पूजा बादाम 115–200, पूजा सुपारी 450–475, अरीठा 130–145, हरि इलायची शंकर 2700–2800, मीडियम 2900–3050, बोल्ड 3100–3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500–3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550–1850, बेस्ट 1950–2050, तरबूज मगज 480–500, काजू (240) 900–950, काजू (210) 950–1000, काजू (320) 870–900, काजू एस. डब्ल्यू 800–810, जे.एच. 830–860, टुकड़ी 750–800, बादाम मगज 870–925, सिंगापुरी 795–815, अखरोट 450–650, जर्दालु 250–350, बेस्ट 450–600, किशमिश कंधारी 420–470, बेस्ट 550–650, इंडियन 140–150, बेस्ट 170–190, चारौली 1550–1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450–550, बेस्ट 650–900, अंजीर 750–1450, मखाना 1100–1625, खारक 115–135, मीडियम 140–180, बेस्ट 225–250, एक्ट्रा बेस्ट 300–310, पिस्ता 1300–1450, कंधारी 1750–1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3100–3200, (160) 3750–3800, (200) 4300–4350, (250) 4500–4800

तेल - सींगदाना 1370–1390, मुम्बई 1400, राजकोट तेलिया 2185–2200, सोया साल्वेंट 1100–1105, सोया रिफाइंड 1160–1170, कपास्या 1210, धूलिया 1200, कड़ी 1210,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1190,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विं?टल)

तिलहन - सरसो 6300–6400, रायडा 5700–5800, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300–4400, करंज 4400–4500, अलसी 6800–7000, अरंडी 4500–4700, तिल्ली पुरानी 6500–7000, तिल्ली नई 7200–7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5950–6000, एवरेज 5200–5300, विशाल 5450–5550, काबूली डॉलर 8500–9000, काबुली रशि?यन 5600–5800, बिटकी 5300–5400, मसूर बेस्ट 6050–6100, एवरेज 5800–5900, मूंग देशी 7100–7200, पाला 7200–7300, चमकी 7200–7300, नायलोन 7300–7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600–6700, एवरेज 6500–6600, हल्की 6400–6500, तुअर महाराष्ट्र 6600–6700, महाराष्ट्र लाल 6600–6900, उड़द बेस्ट 7400–7500, एवरेज 7200–7300, शंकर 7000–7100, हल्की 6900–7000,

दाल - चना दाल एवरेज 7300–7500, बोल्ड 7700–8100, तुअर दाल सवा नं. 7300–7400, तुअर दाल फूल 9000–9100, तुअर दाल बोल्ड 9900–10100, मसूर दाल एवरेज 7750–7850, बेस्ट 7950–8100, मूंग दाल 9500–9600, बोल्ड 9800–10000, मूंग मोगर 9300–9400, बोल्ड 9700–9800, उड़द दाल 8500–8600, बोल्ड 8700–8900, मोगर 9800–10000, बोल्ड 10100–10200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2625–2650, लोकवन 2800–2850, (147) 2600–2650, बेस्ट 2650–2800, मालवराज 2650–2675, पूर्णा 2750–2800, चन्द्रोसी 3000–3800, ज्वार देशी 2400–2550, मक्का पीली 2275–2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 3000–3200, सेला 3600–3800, परमल 3500–3800, दुबराज 4500–5500, राजभोग 7000–7200, काली मुंछ 8500–8900, बासमती दुबार 9500–10000, मीनी दुबार 8000–8500, मोगरा 4500–6000, तिबार 10500–11500, बासमती (921) 12000–13000, बासमती सेला 7500–9500, पोहा 4800–5300,

मावा - इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार –

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे :–

चाँदी (9999) 104200, चाँदी (99) 104100, टंच 103500, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 96700,

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सुख-समृद्धि बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी शौक मौज की चीजों में वृद्धि होगी। आपको लेनदेन से संबंधित मामलों में सावधानी बरतनी होगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप कोई लेनदेन सोच विचार कर करें। फिजूल की योजनाओं पर ध्यान देने से बचना होगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप किसी घर मकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धनधान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप लोगों के साथ सुकून भरे पल व्यतीत करेंगे। किसी शारीरिक समस्या के आने से आपको थोड़ी टेंशन रहेगी। आपने यदि परिवार में किसी सदस्य से कोई वादा किया था, तो उसे भी समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। माता-पिता का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार में किसी पार्टी का आयोजन हो सकता है। आपका भगवान की भक्ति में खूब मन लगेगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। पारिवारिक समस्याएं फिर उठाऐंगी, जो आपकी टेंशन को बढ़ाएंगी। कारोबार में भी आपको धोखा मिलने की संभावना है। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसे कुछ समय के लिए स्थगित कर दे, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है। आप किसी दूसरे के मामले में बोलने से बचे। आपको संतान की पढ़ाई लिखाई को लेकर कोई टेंशन हो सकती है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए संपत्ति संबंधित मामलों में अच्छा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में कोई बदलाव करने की सोच सकते हैं। पार्टनरशिप में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा, लेकिन आप अपनी आंख व कान खुले रखें। आपको अपने खान-पान पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई मन मुताबिक काम मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन आपके आसपास के लोगों को इससे समस्या खड़ी हो सकती है। आप यदि प्रॉपर्टी को लेकर कोई सौदा करने जा रहे थे, तो उसमें आपको थोड़ा ध्यान देना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आप अपनी जिम्मेदारी से बिल्कुल पीछे न हटे। आपको अपने समय का सदुपयोग करना होगा। आप इधर-उधर बैठकर खाली समय व्यतीत ना करें। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी को लेकर कहीं लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बना सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में समस्या आने से भागदौड़ भी अधिक करनी होगी। आप बेवजह के कामों पर खर्च करने से बचे। आपने यदि किसी अनजान व्यक्ति से लेनदेन किया, तो उससे आपका धन फंसने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अपनी छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे। यदि आपने किसी प्रतियोगिता में भाग लिया था, तो आज उसके परिणाम आ सकते हैं। आपको अपने घरेलू खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा। संतान की संगति पर आप विशेष ध्यान दें। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी।

धनु - आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। धार्मिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को यदि पढ़ाई मे समस्याएं आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप जीवनसाथी से किसी बात को लेकर बहस बाजी में न पड़े। किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखना होगा। आप यदि किसी काम को लेकर कोई लोन लेने की सोच रहे थे, तो आप उसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए सुख सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आज किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। धन को लेकर कोई समस्या आपको घेरे हुए थी, तो वह भी दूर होगी। बिजनेस कर रहे लोग किसी डील को लेकर यदि परेशान थे, तो वह भी फाइनल हो सकती है। ससुराल पक्ष से आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की छवि और निखरेगी और उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ेगा। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाये, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। परिवार में किसी बात को लेकर खटास आने की संभावना है, जिससे रिश्तो में कड़वाहट बढ़ेगी, इसलिए आप अपनी वाणी पर संयम रखें। जीवन साथी की भावनाओं का सम्मान करें।

शब्दजाल - 7943

शब्दजाल में 'उ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढ	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

उकसाना, उतावला, उलझन, उठना, उजाला, उड़ीसा, उलजलूल, उतराना, उदबिलाव, उदारता

शब्दजाल - 7942 का हल

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6887

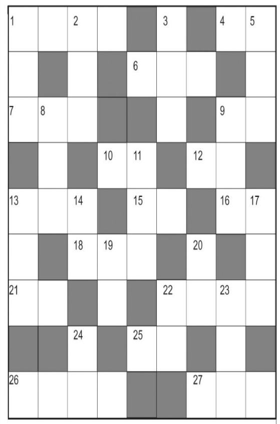

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6886

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2025 वर्ष का 179 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 09.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 06.36 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 19.15 बजे को समाप्त।
करण गर 09.55 बजे तदनन्तर वणिज 21.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872389
जूलियन दिन 2460854.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.40 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	08.57 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.09 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.34 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.50 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.55 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.42 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.14 बजे से
राहुकाल		मेष	00.45 बजे से
9.00 से 10.30		वृष	02.25 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.23 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पुण्य का असली फल

महाकुंभ से जुड़ी एक पुरानी कथा है। सभी मुख्य स्नान संपन्न हो गए तो एक संत ने सपना देखा कि प्रयागराज, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, गंगा एवं अन्य सभी तीर्थ इस पर विचार कर रहे हैं कि स्नान का सबसे अधिक पुण्य किसे मिला है। देवप्रयाग ने कहा, ''सबसे अधिक पुण्य रामू के हिस्से गया है। वह केरल के एक गांव में रहता है'। गंगा ने कहा, 'मेरे किसी घाट पर तो वह आया नहीं'। अन्य तीर्थों ने कहा, 'वह स्नान करने तो नहीं आया, लेकिन पुण्य उसे ही मिला है। वह जूते गांठता है बेचारा। कुंभ के लिए दो-दो पैसे बचाता था'। इतने में संत की आंख खुल गई। वह खोजबीन के लिए चल पड़े केरल की ओर। अंततः स्वप्न में दिखे स्थान पर पहुंचे तो बात सच निकली। एक जूते गांठने वाले को बुलाकर पूछा, 'तेरा नाम रामू है?' उस व्यक्ति ने कहा, 'हां महाराज'। कुंभ के बारे में पूछने पर वह बोला, 'मैं जूते बनाकर बेचता हूं। कुंभ जाना चाह रहा था। किंतु मेरी पत्नी मां बनने वाली है। उसको मेथी की सब्जी की सुगंध आई तो खाने की बड़ी इच्छा हुई। मैं पड़ोस में, जहां से सब्जी की सुगंध आ रही थी, पहुंचा। पड़ोसन ने कहा कि सब्जी तो ले जाओ, पर यह आपके खाने लायक नहीं है क्योंकि एक सप्ताह से पति गरीबी के कारण कुछ भी लाने में असमर्थ हैं। कहीं कुछ मिल जाए, इस चक्कर में वह इधर-उधर घूमते हुए श्मशान की तरफ गए। किसी ने अपने पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए मेथी की सब्जी और थोड़ा आटा रखा था। वह चुपचाप उठाकर ले आए। उनकी वह हालत देखकर मेरी अंतरात्मा पिघल गई। पड़ोस में लोग भूख से छटपटा रहे हैं, फिर मैं तीर्थ करने क्या जाऊं। मेरे पास जो रुपये थे, उससे कुछ जरूरी सामान लाकर मैं उस पड़ोसी के घर में चुपके से रख आया।' रामू की यह बात सुनकर संत समझ गए कि उसे कुंभ का पुण्य क्यों मिला है।

सूडोकु नवताल- 7196

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7195 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 8411

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8410 का हल

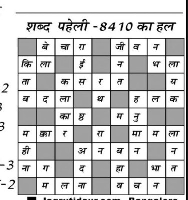

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई पर 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुकवार को 303 अंक बढ़कर 84,058.90 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 88.8 अंक ऊपर आकर 25,637.80 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंडसइंड बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स में सबसे अधिक उछाल आया। वहीं ट्रेंट, डॉ रेड्डीज लैब्स, इटरनल (जोमेटो) , विप्रो, टाटा कंज्यूमर के शेयर गिरे। आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स के शेयरों में 0.5–0.5 फीसदी की बढ़त रही। आईटी और रियल्टी को छोड़कर बाकी सभी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पावर, टेलीकॉम, पीएसयू बैंक के शेयरों में 0.5–1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में तनाव कम होने के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना से भी बाजार में मजबूती आई है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 200 से ज्यादा अंक की बढ़त रही और ये 83,985 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा में संभावित ढील की उम्मीद के चलते यह बढ़त दर्ज की गई। सेक्टोरल मोर्चे पर 13 प्रमुख सेक्टर्स में से 12 में तेजी आई। ब्रोडर स्मॉल-कैप और मिड-कैप में लगभग 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। एशियाई बाजार की बात करें तो उसमें मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है। इसका कारण अमेरिका से मिले सकारात्मक संकेत रहे, जहां व्हाइट हाउस ने टैरिफ (आयात शुल्क) की समय-सीमा को लेकर नरम रुख दिखाया है। इससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली है। जापान का निक्केई 1.22 फीसदी चढ़ा, जो पिछले पांच महीनों के उच्चतम स्तर को और मजबूत कर रहा है। टॉपिक्स इंडेक्स में भी 1.1 फीसदी की तेजी देखी गई। टोक्यो में कोर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स जून में सालाना आधार पर 3.1 फीसदी बढ़ा, जो मई के 3.6 फीसदी और अनुमानित 3.3 फीसदी से नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 भी 0.4 फीसदी की बढ़त में रहे।

दूसरी ओर अमे?रिकी बाजार में जोरदार तेजी रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.8 फीसदी चढ़कर 6,141.02 पर बंद हुआ और अब वह फरवरी में बने अपने ऑल-टाइम हाई 6,147.43 के बेहद करीब है। नेस्डेक ?कम्पो?जिट 0.97 फीसदी चढ़कर 20,167.91 पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोंस में 404.41 अंकों की बढ़त रही और यह 43,386.84 पर बंद हुआ।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुक्रवार को 17 पैसे बढ़कर 85.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि गुरुवार को यह 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। जनवरी 2023 के बाद से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने के लिए रुपया सप्ताह में 1.3 फीसदी बढ़ा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के मजबूत निवेश और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 23 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.49 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर के थोड़ा मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त हालांकि थोड़ी थम गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.50 पर खुला। फिर 85.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.70 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 97.24 पर आ गया।

वित्त वर्ष 25 की तुलना में इस बार ऋण वृद्धि में सुधार होने का अनुमान

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 25 के मुकाबले वित्त वर्ष 26 में मामूली बढ़कर 13 से 13.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह जानकारी इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च (इंड-रा) से ?मिली है। ऋण वृद्धि हालांकि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और खुदरा क्षेत्र को ऋण देने में निरंतर मंदी के साथ ऋणों की संरचना में बदलाव की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी को निजी पूंजीगत व्यय से इस गिरावट की भरपाई होने का अनुमान है। इससे कॉरपोरेट क्षेत्र की वृद्धि को समर्थन मिलेगा। इंड-रा के वित्तीय संस्थानों के निदेशक ने कहा ?कि प्रणाली में सतत सुधार, रीपो दर और नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में गिरावट होने से अल्पावधि ऋण वृद्धि को मदद मिलने की उम्मीद है। अभी सालाना आधार पर ऋण वृद्धि गिरकर करीब नौ प्रतिशत रह गई है।'अप्रैल, 2025 में ऋण वृद्धि 9.9 प्रतिशत थी और और इसमें 2024 के 19.4 प्रतिशत की तुलना में उल्लेखनीय गिरावट आई थी। यह गिरावट मुख्य तौर पर उच्च आधार प्रभाव और खुदरा व एनबीएफसी की धीमी वृद्धि के कारण आई थी।

आर्थिक विकास की सहायक है सहकारी समितियाँ

लांजी में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता समेलन वर्ष का हुआ आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के भारती लॉन में सहकारी अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता समेलन का आयोजन दोपहर 2 बजे से आयोजित कर अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 मनाया गया। कार्यक्रम में मुय अतिथि पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक महेन्द्र पटले, जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे, दिनेश लाड़े जनपद सदस्य, युवराज पटले, आलोक चौरसिया भाजपा मण्डल अध्यक्ष लांजी, अविनाश रैंच, राजेन्द्र प्रसाद उमरे, सहित अन्य गणमान्य कृषक गण तथा सहकारिता बैंक एवं समिति के पदाधिकारी, कर्मचारी गण की उपस्थिती में उक्त समेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य सतत विकास में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। इसी तारतम्य में 27 जून को पी. जोशी प्र. मुय कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, राजेश उइके उपायुक्त सहकारिता बालाघाट के निर्देशन में लांजी में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक लांजी रमेश भटेरे ने कहा कि केन्द्र में जब से सहकारिता विभाग का गठन हुआ है तभी से सहकारिता में आमूल-चूल परिवर्तन हो रहे है। उन्होंने कहा कि सहकारी समिति स्तर पर नवाचार होते रहना चाहिए ताकि सहकारिता की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। श्री भटेरे ने कहा कि जन औषधी केन्द्र की स्थापना लांजी, साडरा और भानेगांव में होना चाहिए। समितियों के पुर्नगठन से क्षेत्र के किसानों को फायदा मिलेगा। इस दौरान महेन्द्र कुमार पटेल जनपद सदस्य ने कहा कि सहकारी समिति पूर्व की अपेक्षा अब कप्यूटीकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही जिससे कार्यों के क्षेत्र में पारदर्शिता आयेगी। केन्द्र सरकार की मंशा अनुसार प्रत्येक पंचायत स्तर पर समिति का गठन किया जा रहा है जो कि सभी के लिए हितकारी साबित होगा। सहकारी समेलन को सबोधित करते हुए राजेश नगपुरे फिल्ड अधिकारी जेएसके बैंक बालाघाट ने कहा कि सहकारिता में सहकारी अंतर्गत राज्य संघ, जिला सहकारी संघ, दुग्ध सहकारी संघ, मत्स्य सहकारी समितियॉ, वनोपज सहकारी संघ, कृषि उपज मंडी से संबंध समितियों एवं सदस्यों के बैंक खाते जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखाओं में संधारित किया जाना है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 की थीम सहकारिताऐं एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है।

किसानों को सहकारी समितियों से जुडने पर होंगे अनेको लाभ

आयोजित कार्यक्रम में इस विषय पर अधिक जोर दिया गया कि सहकारिता के द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं के विषय में किसानों को लाभ हो। अमूमन बहुतायत बातें या योजना किसानों को ज्ञात नही होती है जिसके चलते वे सहकारिता से लाभ नही ले पाते। आज सहकारिता कृषि उपकरण खरीदने के लिये लोन प्रदान कर रही है। उद्योग व्यापार के लिये भी लोन प्रदाय कर रही है। विभाग के अधिकारियों ने बुदबुदा का उदाहरण भी दिया जहां समिति के द्वारा धर्मकांटा संचालित किया जा रहा है करीब 10 लाख रूपये का लोन समिति को दिया गया तथा समिति ने अब तक 1-25 लाख रूपये की आय अर्जित कर ली है। इसके अलावा श्री नगपुरे ने बताया कि सहकारिता के द्वारा किसानों के लिये अनेको कार्य यिे जा रहे है, आप सहकारी सोसायटियों में पंहुचकर कप्यूटर ऑपरेटर से संपर्क कर ऑनलाईन खसरा नक्शा, बिजली बिल सहित अनेको कार्य करवा सकते है। आप ने खाद्य आवंटन के विषय में भी किसानों को जानकारी प्रदान की।

सर्पदंश के प्रति जागरूकता के लिए लांजी में लगाया गया शिविर

सांप काटने पर तत्काल अस्पताल पहुंचने की दी गई सलाह

लांजी (पद्मेश न्यूज)। वर्षा ऋतु के दिनों में सर्पदंश की घटनायें अधिक होती हैं और समय पर उपचार नहीं होने के कारण पीड़ित व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। सर्पदंश के मरीज को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराने पर उसकी जान बचायी जा सकती है। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश पर सर्पदंश के प्रति जनजागरूकता के लिए सभी तहसीलों में शिविर लगाए जा रहे है। इसी कड़ी में 27 जून को तहसील कार्यालय लांजी के कैंपस में जिला होम गार्ड सेनानी दल द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया। एसडीएम श्री कमलचंद सिंहसार ने बताया कि इस शिविर में तहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, कोटवार, वन विभाग का अमला एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। शिविर में सर्पदंश से बचाव के उपाय एवं सावधानी बरतने की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें तंत्र-मंत्र, झाड़-फूक के चक्कर में पड़ने की बजाय तत्काल निकटतम चिकित्सालय में उपचार के लिए मरीज को ले जाने की सलाह दी गई। शिविर में बताया गया कि सांप या जहरीले कीड़े के काटने पर पंडा-पुजारी के चक्कर में न पड़े व झाड़-फूंक नहीं करायें, बल्कि मरीज को उपचार के लिए तत्काल निकटतम अस्पताल लाने का प्रयास करें। सांप के काटने पर झाड़-फूंक से नहीं बल्कि एंटी स्नैक वैनम से ही मरीज की जान बचायी जा सकती है। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटी स्नैक वैनम के इंजेक्शन पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है और इसे लगाने के लिए स्टाफ को प्रशिक्षित भी किया गया है। सांप के काटने पर मरीज को जिला चिकित्सालय लाने में समय गंवाने की बजाय निकटतम अस्पताल में लेकर जायें। सांप के काटने पर एंटी स्नैक वैनम ही मरीज की जान बचा सकता है। इसके लिए मरीज को अतिशीघ्र अस्पताल लाना बहुत जरूरी होता है। शिविर में बताया गया कि सांप के काटने पर करीब-करीब 95 प्रतिशत मामलों में पहला लक्षण नींद का आना है, इसके साथ ही निगलने या सांस लेने में तकलीफ होती है, आमतौर पर सांप काटने पर आधे घंटे बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं। सांप के काटने पर घाव के आसपास रस्सी न बांधें, ब्लेड से न काटें और पारम्परिक तरीकों का इस्तेमाल न करें और मुंह से खून न चूसें। सांप काटने पर व्यक्ति को दिलासा दें और घटना के तथ्यों का पता लगायें। गीले कपड़े से डंक की जगह की चमड़ी को साफ करें, जिससे वहां पर लगा विष निकल जाये। सांप काटे व्यक्ति को करवट सुलायें, क्योंकि कई बार उल्टी भी होने लगती है, इसलिये करवट सुलाने से उल्टी श्वसन तंत्र में ना जाये। जहां पर सांप ने काटा है उस स्थान पर हल्के कपड़े से बांध देवें, ताकि हिलना डुलना बंद हो जाये। सर्पदंश से बचाव के लिए अंधेरे में न जायें। बिलों में हाथ न डालें। झाड़ियों में न जायें। पानी भरे गड्ढे में न जायें। पैरों में चप्पल और जूते पहनकर चलें।

लांजी पुलिस की जुआरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई-8 गिरफ्तार

जुलूस निकालकर दी चेतावनी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 8 जुआरियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने इनका जुलूस निकालकर जनता को यह संदेश दिया कि जुआ खेलना अपराध और पाप है।पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के निर्देश पर जुआ, सट्टा और अवैध शराब जैसी गतिविधियों पर सख्ती बरतने के लिए सभी थाना प्रभारियों को आदेश दिए गए थे। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी ओमप्रकाश भापूसे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लांजी विभेंद्रु व्यंकट टांडिया की टीम ने यह कार्रवाई की।26 और 27 जून की रात को ग्राम लाड़सा में बाघ नदी के किनारे मुंडीपार घाट पर दो फड़ों में जुआ खेलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने घेराबंदी कर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 31,700 रुपये नगद, ताश के पत्ते, 7 मोबाइल फोन और एक होंडा शाइन मोटरसाइकिल, कुल कीमत लगभग 1,62,000 रुपये जब्त की गई।गिरफ्तार आरोपियों के नाम और विवरण-मनोज गायधने 38 वर्ष, मोहगांव थाना आमगांव गोंदिया, मधुकर गोंडाने 49 वर्ष ठाणा आमगांव गोंदिया, लोकेश पिछोड़े 36 वर्ष हिर्री किरनापुर बालाघाट प्रमोद मेश्राम 40 वर्ष कान्द्रीखुर्द किरनापुर बालाघाट, इनके पास से 16,700 रुपये नगद जब्त।लक्ष्मीनारायण शिव 31 वर्ष कोसमी बालाघाट, दिनेश उर्फ डिलेश्वर ठाकरे 49 वर्ष आमगांव गोंदिया, संजय थेर 40 वर्ष सुकलीपार आमगांव गोंदिया, विक्की उर्फ रूपेश बागड़े 35 वर्ष कान्द्रीखुर्द किरनापुर, इनके पास से 15,000 रुपये नगद जब्त।सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 140/25 और 141/25 दर्ज किए गए।

जुलूस निकालकर दी चेतावनी

लांजी पुलिस ने सभी 8 आरोपियों को न्यायालय में पेश करने से पहले उनका जुलूस निकाला और जनता को जुआ खेलने के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विभेंद्रु व्यंकट टांडिया, धनलाल लिल्हारे, पवन मर्सकोले, आशुतोष सिंह, महेंद्र कुशवाह, विजय सिसोदिया, दिलीप यादव, चेतन सोनी, सुजीत पाल, रूपसिंह रावत और जय सूर्या वर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।लांजी पुलिस ने क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

श्रीमती प्रमिला किरनापुरे का निधन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के गणेश चौक वार्ड क्रमांक 7 निवासी घनश्याम किरनापुरे की धर्म पत्नी व तरूण किरनापुरे की माताजी श्रीमती प्रमिला किरनापुरे का 60 वर्ष का 27 जून को शाम 7.30 बजे निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 28

जून शनिवार को दोपहर 12 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा।आप अपने पीछे एक पुत्री एवं दो पुत्रों का भरापूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

प्राण घातक हमले का आरोपी रविंद्र गिरफ्तार न्यायलय ने भेजा जेल

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरमाडी में हुई चाकूबाजी की घटना में लोकेश पारधी पर प्राण घातक हमला करने के आरोपी रविंद्र टेंभरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर २७ जून को न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। वहीं मामले में पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार २५ जून की रात्रि लगभग ८ बजे ग्राम मुरमाड़ी में आरोपी रविन्द्र टेंभरे उम्र ४० वर्ष निवासी मुरमाड़ी के द्वारा अपने घर के सामने पड़ोसी महेश केकड़े से विवाद के दौरान बीच बचाव करने आए। गांव के ही लोकेश पारधी पर चाकू से पेट पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और अंधेरे का फ ायदा उठाकर फ रार हो गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही थाना रामपायली पुलिस तथा डायल १०० की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुँची और पुलिस की सहायता से खून से लथपथ घायल को तुरंत प्राथमिक उपचार हेतु वारासिवनी अस्पताल पहुँचाया गया। प्राथमिक उपचार उपरांत आहत को बालाघाट एवं फि र गोंदिया रिफर किया गया। वहीं उक्त घटना पर थाना रामपायली में अपराध क्रमांक १८४/२५ भारतीय न्याय सहिता की धारा १०९ के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामपायली पंकज दीवान के नेतृत्व में थाना रामपायली पुलिस टीम के द्वारा आरोपी के संभावित ठिकानों एवं रिश्तेदारों के घरों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदलते हुए नागपुर एवं हैदराबाद भागने की फि राक में था। इसी बीच आरोपी आमगांव से लडसड़ा की ओर मोटर साइकिल से भागने का

प्रयास कर रहा था। जिसे पुलिस के द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया आरोपी रविंद्र टेंभरे के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू बरामद कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी रविन्द्र टेंभरे को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जहाँ से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी पंकज दीवान ,सहायक उपनिरीक्षक राजीव जाचक ,सुनील पांचाले ,आरक्षक आलोक बिसेन ,नासिर अली, नरोत्तम ,अकिंत, जितेंद्र ,संदीप की सराहनीय भूमिका रही।

जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक दिनांक 16 जुलाई को आयोजित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 16 जुलाई को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित की गई है। कर्मचारी संगठनों से कहा गया है कि कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में अपनी मांगों का एजेण्डा 10 जुलाई तक जिला कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को 16 जुलाई को आयोजित बैठक में उपस्थित रहने के लिए सूचित किया गया है।

बालाघाट जिले में रेत के अवैध खनन पर प्रतिबंध की अधिसूचना क्यों नही की गई जारी- किशोर समरीते

6 जून से 30 सितबंर तक जल जीवों के आखेट पर लगा है प्रतिबंध

लांजी (पद्मेश न्यूज)। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लांजी ने बताया कि पुरी दुनिया में जल जीवों को बचाने के लिये 6 जून से 30 सितंबर तक मच्छलियों के आखेट तथा नदी नालों, समुद्रो से रेत मिट्टी के उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने अधिसूचना जारी कर दी है। भारत में भी सभी राज्यों एवं 786 जिलों में अधिसूचना जारी कर दी गई। किन्तु बालाघाट जिले में यह अधिसूचना अब तक जारी नही कि गई है। मत्स्य विभाग एवं जलवायू / पर्यावरण विभाग यह अधिसूचना जारी करता है। जिसके कारण बालाघाट जिले में नदी नालों मे से रेत का अवैध खनन, रेत की निकासी बडे पैमाने मे जारी है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित प्राधीकरण तथा पर्यावरण एवं जलवायू परिवर्तन मंत्रालय के दिशा निर्देश पर हर जिले बनाई गई एसटीएफ जिसमें राजस्व, पुलिस, वन विभाग, खनिज विभाग के अधिकारी इस एसटीएफ दल का हिस्सा रहते है जिनका हेड जिले में कलेक्टर होता है। पिछले 5 वर्षो में बालाघाट में यह एसटीएफ दल निष्क्रीय पड़ा हुआ है। इन पूरे मामले में कलेक्टर बालाघाट को तत्काल ध्यान देना चाहिये। एसटीएफ की बैठक तत्काल बुलानी चाहिये, केन्द्र सरकार के द्वारा जारी दिशा निर्देश के आधार पर बनाई गई यह एसटीएफ दल अवैध रेत के उत्खनन पर पूरी तरह से असफल है।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को लेकर आंदोलन करेगी कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी बोले, तत्काल करें लागू

भोपाल। प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने पर रोक नहीं होने के सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी के बाद कांग्रेस अब सड़क पर उतरने की तैयारी में है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण तत्काल लागू करने की मांग की है।

पटवारी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने तत्काल कार्रवाई नहीं की, तो मप्र कांग्रेस ओबीसी समाज के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। पटवारी ने ओबीसी समाज से जोश और जुनून के साथ अपील की है कि ओबीसी वर्ग 27 फीसदी आरक्षण के हक के लिए एकजुट होकर सड़कों पर उतरें। लड़ाई लड़ें-यह आपका अधिकार है, कोई दान नहीं! यह जंग तब तक चलेगी, जब तक न्याय नहीं मिलता।

विधानसभा में उठाएंगे

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि ओबीसी आरक्षण का मामला विधानसभा में भी उठाएंगे। इस बात को गांव-गांव लेकर जाएंगे कि मप्र में ओबीसी को जान बूझकर 27 फीसदी आरक्षण से वंचित रखा जा रहा है। जबकि न्यायालय किसी भी तरह की रोक से साफ इंकार कर चुका है। पटवारी ने कहा कि सरकार में बैठे अधिकारी मुख्यमंत्री को भी गुमराह कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में खुली सरकार की पोल

मप्र में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल किया है। कोर्ट ने पूछा कि जब ओबीसी आरक्षण को लेकर बने कानून पर रोक नहीं है, तो इसका लाभ परीक्षाओं में चयनित अभ्यर्थियों को क्यों नहीं दिया जा रहा। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस सरकार पर हमलावर है।

सुप्रीम कोर्ट का अड़ंगा कैसे दें आरक्षण - मंत्री

मप्र सरकार की ओबीसी विभाग की मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में लंबित याचिकाओं पर निर्णय होने से पहले सरकार कैसे फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि हम भी इस पक्ष में हैं। लेकिन बहुत सारी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लगी हैं, जब तक उन याचिकाओं का निराकरण नहीं हो जाता तब तक सरकार कोई फैसला कैसे ले सकती है।

हमने सरकार से बात की है - कुसमारिया

कोर्ट की टिप्पणी पर मप्र पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमारिया ने कहा कि हमारी सरकार से बात हुई मुख्यमंत्री से बात हुई है। उन्होंने समय दिया है हम जाकर मिलेंगे और बात करेंगे। कुछ विशेष कार्यक्रमों के कारण व्यस्तता हो गई।

तो लोकतंत्र आज जिंदा नहीं रहता

- भाजपा युवा मोर्चा के मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम में सीएम डॉ. यादव बोले

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा संसद के जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि आपातकाल पर युवा संसद बुलाने की जरूरत क्यों पड़ी? अगर आज आपातकाल होता तो आपके हाथ में अखबार नहीं आता, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में खबर नहीं आती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली जाती। वहीं निशाना साधते हुए कहा कि जो मां ने किया वही बेटे ने किया और आज वही राहुल गांधी भी कर रहे हैं। शुक्रवार को राजधानी भोपाल में भाजपा युवा मोर्चा का मॉक पार्लियामेंट आयोजित किया गया। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर नगर निगम के सभागार में युवा संसद कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ कई नेता शामिल हुई।

आपातकाल लगने के बाद किया तांडव

युवा संसद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन ने कहा कि आपातकाल सिर्फ तत्कालीन प्रधानमंत्री के भ्रष्ट आचरण को दबाने के लिए किया गया। कांग्रेस और कांग्रेस के नेताओं के जींस में है। आपातकाल लगने के बाद तांडव किया गया, यदि उनके निर्णय लागू किए जाते तो लोकतंत्र आज जिंदा नहीं रहता। यदि यह चुनाव हार जाए तो मशीन खराब हो जाती है। लोकतंत्र की जड़े हजारों साल से है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि जब देश में लोकतंत्र की हत्या हुई थी तब के नौजवान 16 महीने जेल में रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नबंर-1

भोपाल। लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विभागों की जारी ग्रेडिंग में एक मई से 31 मई 2025 तक की स्थिति में शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नम्बर-1 है। जून 2023 से अगस्त 2024 तक भी ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। दूसरे नम्बर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी गत दिनों सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में ऊर्जा विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी थी। ऊर्जा विभाग की आमजनों के बीच लगातार संवेदनशील छवि बनी हुई है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विभागीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण में तत्परता से की गई कार्यवाही पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि अधिकारी आगे भी बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का इसी तरह से त्वरित निराकरण करते रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर ऊर्जा विभाग से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिये एल-1 अधिकारी के रूप में कनिष्ठ अभियंता/सहायक अभियंता, एल-2 अधिकारी के रूप में कार्यपालन अभियंता, एल-3 अधिकारी के रूप में अधीक्षण अभियंता एवं एल-4 अधिकारी के रूप में मुख्य अभियंता सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज हैं और उक्त सभी अधिकारियों द्वारा आमजन की शिकायतों का संवेदनापूर्वक निराकरण किया जाता है। प्रत्येक स्तर पर शिकायत के निराकरण के लिये 7 दिन का समय निर्धारित किया गया है। शिकायतों के निराकरण के बाद सीएम हेल्पलाइन कॉल-सेंटर द्वारा शिकायतकर्ता से दूरभाष पर निराकरण के संबंध में संतोषजनक जवाब प्राप्त करने के बाद ही शिकायतों को बंद किया जाता है। गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा नागरिकों को दी जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की पुख्ता व्यवस्था के लिये लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल का निर्माण वर्ष 2014 में किया गया है। इस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को विभाग के संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित किया जाता है।

बड़ा तालाब पर सेना की बाढ़ राहत ड्रिल

- एसडीआरएफ ने दिखाया तालमेल, रेस्क्यू का अद्भुत प्रदर्शन

भोपाल। बड़ा तालाब स्थित 3 ईएमई प्रशिक्षण केंद्र, खानूगांव में शुक्रवार को भारतीय सेना के नेतृत्व में बाढ़ राहत और खोज-बचाव कार्यों की संयुक्त ड्रिल की शुरुआत हुई। इस अभ्यास में सेना के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और गृह विभाग की टीमें शामिल हुईं। सुबह 10:45 बजे शुरू हुए इस मॉक डेमोंस्ट्रेशन ने लोगों को आपदा की घड़ी में रेस्क्यू ऑपरेशन का वास्तविक अनुभव दिया। डेमोंस्ट्रेशन के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों की तरह पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। टीम के सदस्य तालमेल के साथ बोट में सवार होकर पानी के बीच पहुंचे और डूबते व्यक्ति की लोकेशन ट्रेस कर उसे बचाया। यह दिखाया गया कि किस तरह एसडीआरएफ टीम वायरलेस और कॉलिंग के जरिए एक-दूसरे से समन्वय करती है और हर एक्शन प्लान को टीम भावना से अंजाम देती है।

एनडीआरएफ डाइवर्स ने गहरे पानी से रेस्क्यू किया

ड्रिल का सबसे रोमांचक हिस्सा रहा एनडीआरएफ के डाइवर्स का लाइव प्रदर्शन। टीम ने यह दिखाया कि यदि कोई व्यक्ति पानी में डूब जाए तो किस प्रकार प्रशिक्षित गोताखोर पानी में उतरकर उसकी तलाश कर उसे सुरक्षित बाहर निकालते हैं। गहरे पानी से एक युवक को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर वास्तविक स्थिति जैसी रेस्क्यू कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में इस्तेमाल की जाने वाली सभी तरह की बोट्स - रिलीफ बोट, सेफ्टी बोट, और रेस्क्यू बोट मौके पर मौजूद रहीं।

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स को मिलेगा परफॉर्मेंस गिफ्ट

भोपाल। एमपी बोर्ड एग्जाम में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स का इंतजार खत्म होने जा रहा है। मोहन यादव सरकार इन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को स्कूटी, लैपटॉप और साइकिल देने जा रही है। राज्य सरकार ने इसकी तारीख तय कर दी है। 4 जुलाई को मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के पात्र छात्र-छात्राओं को सौगातें मिलेंगी। इसके लिए सूची को पोर्टल पर अपडेट किया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रदेश के 4 लाख 41 हजार 832 बच्चों को स्कूटी, लैपटॉप और साइकिल दी जाएगी।

मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत राज्य सरकार हर साल परीक्षा में 75 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप देती है। इस बार राज्य सरकार ऐसे सभी बच्चों को प्रोत्साहित करने जा रही है। इसके लिए, राज्य सरकार ने सभी प्रतिभाशाली बच्चों को रिकॉर्ड इकट्ठा कर लिया है। ऐसे सभी बच्चों के नाम, बैंक का नाम, उनका अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोड को मंगा लिया गया है। अब इनके अकाउंट को वैरीफाई किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सभी बच्चों के अकाउंट में 1 रुपए की राशि भेजकर अकाउंट को वैरीफाई किया जाएगा। इस दौरान यदि किसी बच्चे के अकाउंट में राशि नहीं पहुंचेगी तो उसे फिर से अपडेट किया जाएगा।

कक्षा 12 के स्टूडेंट्स को लैपटॉप और स्कूटी

मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत कक्षा 6 वीं से 9 वीं के बच्चों को साइकिल और कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और स्कूटी दी जाती है। बच्चों को साइकिल दिए जाने की शुरुआत साल 2004-25 से हुई थी। शुरुआत में बच्चों को साइकिल खरीदने के लिए उनके अकाउंट में 2400 रुपए की राशि भेजी जाती थी, लेकिन साल 2016-17 में बच्चों को लघु उद्योग निगम से साइकिल खरीदकर बच्चों को दिए जाने की व्यवस्था शुरू हुई। राज्य सरकार कक्षा 12 वीं 75 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वाले एमपी बोर्ड के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देती है। इसकी शुरुआत साल 2009-10 से की गई थी। योजना के तहत ऐसे सभी छात्र-छात्राओं के अकाउंट में लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपए की राशि उनके खातों में डाली जाती है। साल 2023-24 में राज्य सरकार ने ऐसे 90 हजार प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के खातों में लैपटॉप की राशि डाली थी। हालांकि जब योजना शुरू हुई थी, तब 85 फीसदी और उससे ज्यादा अंक लाने वाले बच्चों को इसका लाभ दिया जाता था, लेकिन बाद में इस क्राइटेरिया को 85 फीसदी से घटाकर 75 फीसदी कर दिया गया।

पांच तहसीलदारों को बनाया प्रभारी डिप्टी कलेक्टर

भोपाल। राज्य सरकार ने हाल ही में लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 लागू किए हैं और सभी विभागों को 31 जुलाई तक इन्हीं नियमों के तहत पदोन्नति आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन इन्हीं नियमों को लागू कराने वाले सामान्य प्रशासन विभाग ने खुद पांच तहसीलदारों को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बना दिया है।

ये पदस्थापनाएं पुराने सिस्टम के तहत कार्यवाहक पदोन्नति के आधार पर की गई हैं। जबकि दूसरी तरफ त्रैष्ठ खुद कह चुका है कि अब सभी पदोन्नति नई व्यवस्था के मुताबिक ही की जाएंगी।

ये बनाए गए प्रभारी डिप्टी कलेक्टर

अलका एक्का बैतूल की तहसीलदार थीं, अब पांढुर्ना में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बनीं। आलोक वर्मा आगर मालवा में तहसीलदार थे, अब शाजापुर में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बनाए गए। अनिल कुमार तलैया पहले छतरपुर के तहसीलदार थे, अब पन्ना में प्रभारी डिप्टी कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई। बालकृष्ण मिश्रा कटनी में तहसीलदार थे, अब सतना के प्रभारी डिप्टी कलेक्टर बनाए गए। अनिल राघव ग्वालियर के तहसीलदार थे, अब वहीं प्रभारी डिप्टी कलेक्टर की भूमिका संभालेंगे। गौर करने वाली बात यह है कि पुलिस विभाग ने जीएडी के नए नियमों के बाद कार्यवाहक पदोन्नति की प्रक्रिया रोक दी है, लेकिन जीएडी ने खुद ही पुराने नियमों के आधार पर ये पदस्थापनाएं कर दीं।

हाईकोर्ट सरफेसी एक्ट पर सख्त, सीएस को निर्देश आदेश सभी कलेक्टरों को भेजें

- भोपाल कलेक्टर को गोविंदपुरा तहसीलदार की सपंत्ति जांचने के आदेश

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट ने भोपाल के गोविंदपुरा तहसीलदार दिलीप कुमार चौरसिया की संपत्ति जांचने के आदेश भोपाल कलेक्टर को दिए हैं। साथ ही लोकायुक्त को भी तहसीलदार की संपत्ति जांच के लिए निर्देशित किया है। कोर्ट ने प्रायवेट बैंक इक्विटेस स्मॉल फायनेंस द्वारा गिरमी रखी गई संपत्ति को सरफेसी अधिनियम 2002 (वित्तीय संपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम) के तहत बैंक को नहीं सौंपने के मामले में यह आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से कहा है कि इस आदेश को सभी जिलाधीशों के सामने रखें, जिससे वे सरफेसी एक्स से जुड़े प्रकरणों का पालन कराएं। कोर्ट ने माना कि तहसीलदार अपर कलेक्टर और कलेक्टर के आदेशों को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

दरअसल, अपर कलेक्टर भोपाल ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम) की धारा 14 के अंतर्गत 23 जुलाई 2024 को आदेश पारित किया गया। जिसके तहत तहसीलदार को पुलिस के सहयोग से संपत्ति का कब्जा लेकर उसे ऋणदाता (बैंक) को सौंपने का निर्देश दिया गया। इस मामले में 8 महीने बीतने के बाद तहसीलदार द्वारा 5 मार्च 2025 को पहला जारी किया गया। तहसीलदार द्वारा अपर कलेक्टर के आदेश के पालन में कोई कार्रवाई नहीं करने पर 14 मई 2025 को हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। इसके बाद 16 जून 2025 को न्यायालय ने कहा कि यदि एडीएम के आदेश के पालन में तहसीलदार द्वारा कब्जा नहीं लिया जाता है और याचिकाकर्ता को नहीं सौंपा जाता है, तो तहसीलदार इस न्यायालय को कारण बताएगा कि वह देनदारों के साथ मिला हुआ है और संपत्ति को कब्जे में लेने और उसे लेनदार(ओं) को सौंपने की प्रक्रिया में जानबूझकर देरी कर रहा है।

मुख्य सचिव सभी जिलाधीशों को भेजें आदेश

हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में, तहसीलदार सीजेएम या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/डीएम द्वारा सरफेसी अधिनियम की धारा 14 के तहत पारित आदेश को निष्पादित करने की प्रक्रिया में देरी करता है। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि वे इस आदेश को सभी कलेक्टरों के समक्ष रखें। वे इस आदेश को तहसीलदारों को प्रेषित करेंगे कि सीजेएम या अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/डीएम द्वारा सरफेसी अधिनियम की धारा 14 के तहत जारी सभी आदेशों का 30 दिन के भीतर निष्पादित करेंगे। नहीं तो उनके कर्तव्यों के प्रति शिथिलता और लापरवाही के लिए विभागीय कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि तहसीलदार के पद पर आसीन लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

तहसीलदार ने रिश्वत ली, कलेक्टर जांच करें

हाईकोर्ट ने भोपाल कलेक्टर को आदेश दिए हैं कि तहसीलदार दिलीप कुमार चौरसिया की तुरंत जांच शुरू करें और 3 महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपे। कोर्ट ने लोकायुक्त को तहसीलदार की जांच करने का भी निर्देश दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके पास उसकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति है या नहीं। क्योंकि प्रथम दृष्ट्या यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि तहसीलदार कार्यालय के स्तर पर जानबूझकर की गई देरी भ्रष्टाचार के कारण है, जहां देनदारों ने रिश्वत ली है और इसलिए देरी हुई है।

शिशु मृत्यु दर में 20 साल बाद भी बीमारू है मध्य प्रदेश - भूपेन्द्र गुप्ता

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने एस आर एस बुलेटिन22के खुलासे पर चिंता जाहिर की है।जिसके अनुसार शिशु मृत्यु दर में मप्रनबर वन बना हुआ है। गुप्ता ने जानना चाहा है कि हर साल 4500 करोड़ का बजट कहां चला जाता है? सीएजी हर साल पोषण घोटाला उठाती है बताती है कि किस तरह करोड़ों रुपया पोषण माफिया डकार जाता है लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती।जिस सीएजी ने 2013 में तहलका मचाया था उसकी रिपोर्ट मध्य प्रदेश में धूल खाती है।

हाईकोर्ट में गवाह पेश नहीं कर पाए कांग्रेस प्रत्याशी

- खंडवा विधायक तनवे के खिलाफ लगाई थी चुनाव याचिका; अब आखिरी मौका मिला

भोपाल। भाजपा विधायक के जाति प्रमाण पत्र के मामले में उनके सामने चुनाव लड़े कांग्रेस प्रत्याशी ने हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की है। इस केस में पेशी हुई तो कांग्रेस प्रत्याशी अपनी ओर कोई सबूत या गवाह पेश नहीं कर पाए। उन्होंने कोर्ट के सामने वकील बदलने के लिए आवेदन दिया है। हाईकोर्ट ने अब इस केस में कांग्रेस नेता को अगली पेशी पर गवाही प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया है।

दरअसल, खंडवा विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे कुंदन मालवीय ने चुनाव में हार के बाद भाजपा से विधायक बनीं कंचन तनवे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने कंचन तनवे के जाति प्रमाण पत्र को लेकर मामला उठाया। इस केस में हाईकोर्ट ने चुनाव याचिका के रूप में स्वीकार कर ली।

पिछली बार विधायक पर लगी थी पेनल्टी

वहीं हाईकोर्ट में पेशी पर नहीं जाने के संबंध में पिछली बार भाजपा विधायक कंचन तनवे के ऊपर 50 हजार रुपए की पेनल्टी भी लगाई थी। लेकिन, इस बार पेशी के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी को गवाह प्रस्तुत करने थे। वे केस से जुड़े साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाए। यहां तक की उन्होंने वकील बदलने के लिए आवेदन कर दिया।

अब खारिज हो सकती याचिका

विधायक कंचन तनवे के कानूनी सलाहकार देवेंद्र यादव ने बताया कि हाईकोर्ट ने कुंदन मालवीय को अंतिम अवसर देते हुए आगामी तारीख पर अपनी गवाही देने के लिए उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। अगली तारीख पर यदि कुंदन मालवीय अपनी गवाही के लिए कोर्ट में उपस्थित नहीं होते हैं तो ऐसी स्थिति में कुंदन मालवीय के द्वारा प्रस्तुत चुनाव याचिका खारिज भी कर सकती है।

जाति प्रमाण पत्र में पिता की जगह पति का नाम

जानकारी के अनुसार, कंचन मुकेश तनवे जब जिला पंचायत का चुनाव लड़ रहीं थीं, तब रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें नोटिस दिया था। बताया गया था कि जाति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं है। तब उन्होंने शपथ-पत्र दिया। इसमें समय नहीं होने का हवाला दिया। इसे स्वीकार करते हुए चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई, उसके बाद वह जिला पंचायत अध्यक्ष बन गईं। इसके बाद जब कंचन तनवे ने विधानसभा चुनाव लड़ा, तो उन्होंने दोबारा वही जाति प्रमाण-पत्र पेश किया। इसके बाद जांच में सामने आया कि यदि महिला विवाहित भी है, तब भी उनकी जाति प्रमाण-पत्र पर पिता के बजाय पति का नाम होना गलत है। जाति प्रमाण-पत्र और पेन कार्ड पर पिता का ही नाम आता है। इस मामले में कांग्रेस प्रत्याशी कुंदन मालवीय ने चुनाव आयोग को शिकायत भी की थी। जनवरी 2024 में जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इसमें चुनाव को शून्य करने की मांग की गई है।

बता दें कि, कांग्रेस प्रत्याशी कुंदन मालवीय ने पूर्व में भी खंडवा के तत्कालीन विधायक देवेंद्र वर्मा के विरुद्ध भी चुनाव याचिका दायर की थी।

जीएडी को मिले 24 नए डिप्टी कलेक्टर

- 2021 बैच में एक और 2022 बैच के 23 युवाओं को मिली जीएडी में पोस्टिंग

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 24 अफसरों को विभाग के पूल में शामिल किया है। इन सभी अधिकारियों की पदस्थापना प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर के रूप में की गई है। इसमें 2021 बैच की एक अफसर प्राशी अग्रवाल जबलपुर हैं जिन्हें वेटिंग लिस्ट के आधार पर पदस्थापना मिली है। वहीं दूसरी ओर 2022 बैच के लिए सिलेक्ट हुए 23 अफसरों को भी प्रोबेशनरी अफसर बनाया गया है।

जिन अफसरों को 2022 बैच का डिप्टी कलेक्टर बनाकर जीएडी पूल में पदस्थ किया गया है उसमें दीपिका पाटीदार देवास, आदित्य नारायण तिवारी नर्मदापुरम, सुरभि जैन छतरपुर, महिमा चौधरी रायसेन, धर्म प्रकाश मिश्रा अनूपपुर, शानू चौधरी बालाघाट, स्वाती सिंह सतना, उमेश अवस्थी छतरपुर के नाम शामिल हैं। इनके अलावा कविता देवी यादव टीकमगढ़, प्रत्युष श्रीवास्तव सिवनी, प्रियांशी जैन सिवनी, आयशा अंसारी रीवा, सरकार बाबरिया छिंदवाड़ा, रोहित कुमार लोधी पन्ना, अनिल कछवारे देवास, रोहित राणावत उज्जैन, वैशाली सोलंकी इंदौर, ग्लैक्सी नगपुरे बालाघाट, निशांत भूरिया जबलपुर, ममता चौहान अलीराजपुर, संदीप कुमार परस्ते अनूपपुर, कमल मंडलोई धार को प्रोबेशनर डिप्टी कलेक्टर पदस्थ किया गया है।

बांड भराएगी सरकार

सरकार ने इन अफसरों को पोस्टिंग देने के साथ एक बांड भरने का भी आदेश दिया है। इसमें कहा गया है कि अगर किसी अफसर का प्रोबेशन पीरियड सफल नहीं होता है तो स अवधि में शासन द्वारा संबंधित अफसर पर खर्च किए गए वेतन भत्ते, यात्रा भत्ते और अन्य अग्रिम खर्च तथा प्रशिक्षण में आने वाले खर्च की राशि की वापसी करनी होगी। इन्हें प्रशासन अकादमी से विभागीय परीक्षाएं भी पास करना होगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे केशव महाराज

बुलवायो। केशव महाराज की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इसी माह 28 जून से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से अपने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2026-27 (डब्ल्यूटीसी) के नये सत्र की शुरुआत करेगी। नियमित कप्तान टेंबा बावुमा के चोटिल होने से केशव को कप्तानी की जिम्मेदारीद दी गयी है। दो टेस्ट मैचों की इस। सीरीज की शुरुआत 28 जून से बुलावायो में होगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ जो सीरीज शुरू होने वाली है, उसमें कप्तानी संभालने जा रहे केशव भारतीय मूल के हैं। उनके पूर्वज 1874 में दक्षिण अफ्रीका चले गए थे। केशव महाराज का जन्म डर्बन में ही हुआ था केवव ने अब तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से 58 टेस्ट, 48 एकदिवसीय और 39 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं टी20 ट्राई सीरीज के लिए रासी वान डर डुसेन दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी करेंगे।

ये सीरीज अगले 14 से 26 जुलाई तक हरारे में होगी

सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

दक्षिण अफ्रीका- केशव महाराज (कप्तान), डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीत्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, कॉर्बिन बॉश, टोनी डी जोरजी, जुबैर हम्जा, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, काइल वेरिन और कोडी यूसुफ।

जिम्बाब्वे- क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, तनाका चिवांगा, ट्रेवर ग्वांडु, ताकुदज्वानाशे काइतानो, क्लाइव मदांडे, वेस्ली माधेवेरे, विंसेंट मासेकेसा, वेलिंगटन मसकाद्जा, प्रिंस मसवाउर, कुंडाई माटिगिमु, ब्लेसिंग मुजरबानी, न्यूमैन न्यामुरी, तफदजवा त्सिगा, निकोलस वेल्च, सीन विलियम्स।

ऋषभ की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेली ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है। चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, 'जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है.' चैपल ने कहा, 'सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है अनुभव है। ' इस पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि वह कब क्या कर सकता है। चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकता है।' चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता है और उसने पहले टेस्ट में भी भारतीय टीम को आगे ला दिया था।'

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

मुम्बई। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी। हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये।

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई । रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है।

जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो भारतीय गेंदबाज हावी रहते।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये।

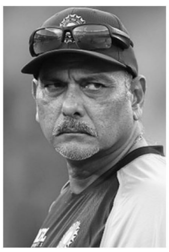

शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये।

भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

होव में पहली जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम, इंग्लैंड लॉयंस से होगा मुकाबला

लंदन । भारतीय अंडर-19 टीम आज से यहां इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 5 मैचों की यूथ वनडे सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला होव में होगा। इस स्थल पर भारतीय टीम आजतक कभी नहीं जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां पहली जीत दर्ज करना रहेगा। मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारतीय टीम टीम ने साल 1999 में यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप में एक मैच खेला था पर उसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

इंडिया अंडर 19 टीम और इंग्लैंड लॉयंस के बीच सीरीज के पांचों वनडे मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3:30 बजे से खेले जाएंगे। इस सीरीज का पहला एकदिवसीय होव में जबकि बाकी दो मैच नॉर्थेम्प्टन में खेले जाएंगे। वहीं अंतिम दो वनडे वर्सेसेस्टर शॉयर में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे के पास रहेगी। इस सीरीज में 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से डेब्यू करते हुए 252 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया था, इस दौरान उन्होंने 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। उसी के बाद उन्हें इस सीरीज में अवसर मिला है। ऐसे में उनका लक्ष्य यहां बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वैभव इस सीरीज में टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी शुरु करेंगे। इससे पहले हुए अभ्यास मैच में वैभव ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए थे।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है-

30 जून, इंडियाअंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा वनडे ङ्क काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन ङ्क दोपहर 3:30 बजे

2 जुलाई, इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 तीसरा वनडे ङ्क काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन ङ्क दोपहर 3:30 बजे

5 जुलाई, इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 चौथा वनडे - काउंटी ग्राउंड, न्यू रोड, वॉर्सेस्टर - 3:30 बजे

7 जुलाई, भारत अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 पांचवां वनडे - काउंटी ग्राउंड, न्यू रोड, वॉर्सेस्टर - 3:30 बजे.

टीम इस प्रकार है - आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

वेस्टइंडीज के एक क्रिकेटर पर कई महिलाओं ने लगाया शोषण, रेप का आरोप, बोर्ड की भूमिका पर भी सवाल उठे

गुयाना। वेस्टइंडीज की टीम जहां अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। वहीं टीम के एक मौजूदा या पूर्व खिलाड़ी पर बलात्कार, उत्पीड़न के साथ ही कई गंभीर आरोप लये हैं। यह मामला गुयाना के मीडिया की रिपोर्ट से सामने आया है। इससे वेस्टइंडीज टीम के साथ ही क्रिकेट बोर्ड की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के खिलाड़ी पर आरोप लगाने वाली महिलाओं की संख्य एक दर्जन है जिसमें से कुछ नाबालिग भी हैं। ऐसे में अब टीम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना तय है। इससे पहले ही परेशानी में फंसा वेस्टइंडीज बोर्ड का संकट बढ़ना तय है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य शिकायत गुयाना की एक युवती ने दायर की थी। इसके बाद अन्य महिलाएं भी सामने आईं और उन्होंने यौन उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार के साथ ही मामले को दबाने के आरोप लगाये। वहीं रिपोर्टों में यह दावा भी किया गया है कि आरोपी खिलाड़ी को बचाने के लिए मामले को दबाने की कोशिश की गई। कई कथित पीड़ितों और उनके परिवारों का मानना है कि पुलिस और अन्य अधिकारियों ने आरोपों को गंभीरता से नहीं लिया और मामले को रफा-दफा कर दिया गया। एक पीड़िता के वकील निगेल ह्यूजेस ने कहा कि पहली औपचारिक शिकायत करीब दो साल पहले दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि गुयाना के डायरेक्टर ऑफ पब्लिक प्रोसिक्यूशंस ने आरोप तय करने की सिफारिश की थी, लेकिन उन सिफारिशों को नजरअंदाज कर दिया गया।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज के गेंदबाज सील्स पर जुर्माना लगाया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में अचारसंहित उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। सील्स ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस को आउट होने पर ड्रेसिंग रुम जाने का इशारा किया था। आईसीसी ने सील्स पर उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, सील्स को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। ये किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, क्रिया या हाव-भाव का उपयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़काने से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, सील्स के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्क अंक भी जोड़ा गया है, ये 24 महीने की अवधि में उनका दूसरा अपराध था, इससे उनके नकारात्मक अंकों की संख्या दो हो गई है।

यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 55वें ओवर की थी। तब सील्स ने कमिंस को आउट करने के बाद पवेलियन की तरफ इशारा किया था। इसे आईसीसी के अनुशासन नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन माना गया, क्योंकि यह बल्लेबाज को अपमानित करने के साथ ही उकसाने वाला था।

आईसीसी ने बताया कि सील्स ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ के दिए दंड को भी स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप तय किए थे।

सील्स का यह 24 महीनों में दूसरा नकारात्मक पॉइंट है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट में डिमेरिट पॉइंट मिला था।

राहुल ने देश को परिवार से ऊपर रखा - बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमंग बदानी ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। बदानी ने कहा कि राहुल ने दिखाया है कि देश के लिए किस प्रकार खेला जाता है। साथ ही कहा कि सभी को राहुल से सीखना चाहिये। उनके लिए देश परिवार से भी बढ़कर है। हाल ही में वह पिता बना है पर सब कुछ छोड़कर देश के लिए खेलने में लगा है। राहुल मार्च में ही पिता बने थे। वहीं मई में रोहित शर्मा और विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास लेने के बाद राहुल ने टीम में सबसे अनुभवी होने की जिम्मेदारी संभाली और वह टीम के लिए उपलब्ध रहे। उनपर जिम्मेदारी बढ़ गई। अपेक्षाएं बढ़ गईं पर उन्होंने किसी को निराश न करते हुए सभी को पूरा किया है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही नये कप्तान शुभमन गिल को भी समय-समय पर सलाह दी। बदानी ने कहा, मुझे यह बहुत अच्छा लगा जब उसने कहा था कि में दौरे के लिए इंग्लैंड जल्दी जाना चाहता हूं। मैं वहां अभ्यास मुकाबले भी खेलना चाहता हूं। ये भी तब जब वह कुछ माह पहले ही पिता बना है। वह चाहता तो परिवार के साथ रह सकता था पर उससे देश को परिवार से ऊपर रखा। बदानी ने कहा, वह आसानी से कह सकता था- मैं कोई साइड गेम नहीं खेलूंगा। मैं सीधे टेस्ट मैच खेलूंगा पर उसने ऐसा नहीं किया। राहुल ने इंडिया ए के अलावा इंट्रा-स्क्वाड मैच भी खेला। बदानी ने कहा, मुझे याद है, टेस्ट सीरीज से पहले केएल ने कहा था, मुझे इस टीम की फिक्र है और मैं उसके साथ जाना चाहता हूं। वह इंग्लैंड जाना चाहता था उसने अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाई है।

दूसरे टेस्ट से पहले सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम को लगा झटका

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ यहां 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए ऐजबेस्टन पहुंच गयी है। भारतीय टीम लीड्स में पहला टेस्ट हारने के कारण 1-0 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। इस मैच के शुरु होने से पहले ही युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि सुदर्शन अभी थ्रो भी नहीं कर पा रहे और उनका इस मैच में खेलना तय नहीं है। सुदर्शन ने लीड्स में हुए पहले टेस्ट से अपना डेब्यू किया था। इस मैच में हालांकि वह असफल रहे थे। मैच में फील्डिंग के दौरान सुदर्शन के बाएं कंधे में चोट लगी, इसी कारण वह लंबे थ्रो नहीं कर पा रहे।

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

वहीं वॉन ने कहा, 'चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, 'डरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है।' ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा,

'मेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है। फारब्रेस ने यह भी कहा कि आर्चर की लय शानदार है और उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन लगातार खेलने की आदत और मैच फिटनेस के लिए थोड़ा और समय देना जरूरी है।' उन्होंने यह भी कहा कि हेडिंग्ले टेस्ट जीतने के बाद इंग्लैंड को अपने गेंदबाजी आक्रमण में छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए और क्रिस वोक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ी को एजबेस्टन टेस्ट में बनाए रखना चाहिए। आर्चर साल 2019 में विश्व कप फाइनल और एशेज में अपनी गेंदबाजी से छाये हुए थे। इससे बाद पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह टीम से बाहर हो गये थे।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब विश्वकप फुटबॉल में जुवेंटस को हराया

लंदन । मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस एफसी क्लब को 5-2 से हराने के साथ ही विश्व कप क्लब फुटबॉल 2025 के ग्रुप स्तर पर 100 प्रतिशत जीत का नया रिकॉर्ड बनाया है। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत के साथ ही ग्रुप जी में पहला स्थान मिल गया है। अब मैनचेस्टर का सामना ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में होगा। मैनचेस्टर फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण में सभी मुकाबले जीतने वाली अकेली टीम है। उसने अब तक इस टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं जबकि दूसरे नंबर पर 12 गोल के साथ ही एफसी बायर्न म्यूनिख है। जुवेंटस के खिलाफ मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी का नियंत्रण पूरे समय बना रहा।

मैच की शुरुआत के नौवें मिनट में ही मैनचेस्टर ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली हालांकि ये अधिक देर तक कायम नहीं रह पायी। केवल दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन के आत्मघाती गोली से जुवेंटस बराबरी पर पहुंच गयी।

इसके बाद 26वें मिनट में जुवेंटस के डिफेंडर की गलती से हुए गोल से मैनचेस्टर को फिर बढ़त मिल गयी। मैनचेस्टर पहले हाफ में हावी रही। बीच में बारिश के कारण बाधा आई पर मैनचेस्टर की लय बनी रही। दूसरे हाफ में एरलिंग हैलैंड ने 52वें मिनट में गोल दागकर सिटी की बढ़त को 3-1 कर दिय। इसके बाद फिल फोडेन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर किया। जब हैलैंड ने शानदार दौड़ लगाकर साविन्हो को पास दिया, जिसने गोलकीपर को छका कर फोडेन को आसान मौका दिया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुरझड़ का केन्द्रीय दल ने राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणीकरण के लिए सघन निरीक्षण किया

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा के दिशा निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप एवं विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमलेश झोड़े के मागदर्शन में वारासिवनी विकासखण्ड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केन्द्र मुरझड़ का भारत सरकार के केन्द्रीय दल द्वारा नेशनल क्वालिटी एश्योरेंशन स्टेण्डर्ड (एन.क्यू.ए.एस.) प्रमाणीकरण के लिए, सूक्ष्म निरीक्षण एवं दस्तावेजीकरण का सघन परीक्षण किया गया। केन्द्रीय दल में के.राधा कुमारी हैदराबाद (तेलंगाना) तथा स्वेता शरण (छत्तीसगढ़) शामिल थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि भारत सरकार के दल द्वारा सघन परीक्षण एवं निरीक्षण कर राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं जैसे गर्भावस्था एवं प्रसव देखभाल, बाल्य एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं, संक्रामक रोग प्रबंधन, असंचारी रोगों की रोकथाम नियंत्रण एवं प्रबंधन, एनसीडी कार्यक्रम, ओपीडी, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन इत्यादि का रिकार्ड, प्रबंधन, दी जा रही सेवाओं की जानकारी, साफ-सफाई की व्यवस्था तथा बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गाइडलाइन अनुसार विस्तार से परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि निरीक्षण प्रमाणीकरण परिणाम शीघ्र ही भारत सरकार द्वारा प्रमाणित कर जारी किया जाएगा। संस्था के प्रमाणीकृत होने पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर को एन.क्यू.ए.एस. सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। एनक्यूएएस प्रमाणीकरण किए जाने से समुदाय को सुलभ उच्च गुणवत्ता व्यापक प्राथमिक देखभाल सेवाएं प्रदान करने में और केन्द्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जा सकेगी। संस्था को एन.क्यू.ए.एस.सर्टिफाइड होने के पश्चात 01 लाख 26 हजार रूपए की राशि प्रतिवर्ष प्राप्त होगी। सर्टिफिकेशन के लिए की गई व्यापक तैयारियों के लिए वारासिवनी बीएमओ डॉ. कमलेश झोड़े, श्री विनोद कामड़े डीक्यूएएम, बीपीएम श्री संजय तुरकर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिमा भगत, एएनएम विनीता कवाड़े, रोशनी पटले,श्रीमती शंखा भीमटे,आशा कार्यकर्ता श्रीमती सविता उंदीरवाड़े, अनुसूईया गौतम, आशा पर्यवेक्षक सुलोचना खरे का विशेष योगदान रहा।

जिले में 5 जुलाई तक होगा ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन

समिति स्तर पर 13 पंजीयन केंद्र स्थापित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार द्वारा जिले में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया 19 जून से प्रारंभ हो गई है। किसान 5 जुलाई तक ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के विक्रय के लिये अपना पंजीयन करा सकते है। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन द्वारा रबी वर्ष 2025 में मूंग का समर्थन मूल्य 8 हजार 682 रुपये प्रति क्विंटल एवं उड़द का समर्थन मूल्य 7 हजार 400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। बालाघाट जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के रकबे के आधार पर कुल 13 पंजीयन केंद्र स्थापित किये गये हैं। समिति स्तर पर स्थापित इन पंजीयन केंद्रों पर ग्रीष्म कालीन मूंग एवं उड़द के उपार्जन के लिये किसान अपना निःशुल्क पंजीयन करा सकते है। उप संचालक श्री मालवीय ने बताया कि समिति स्तर पर स्थापित इन पंजीयन केंद्रों के अलावा किसान एमपी किसान एप पर भी अपना पंजीयन करा सकेंगे। किसान ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केंद्रों पर भी अपना पंजीयन करा सकेंगे। इन सभी पंजीयन केंद्रों पर भी किसानों का पंजीयन निःशुल्क होगा। किसान एमपी ऑनलाइन कियॉस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र तथा निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर निर्धारित शुल्क चुकाकर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उप संचालक कृषि ने जिले के किसानों से ग्रीष्म कालीन मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर विक्रय करने 5 जुलाई तक पंजीयन कराने की अपील की है।

बिहार इलेक्शन के लिए बीजेपी का ब्लूप्रिंट तैयार

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। हर पार्टी ने इस चुनावी अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वहीं भाजपा के इस चुनावी अभियान की कमान एक बार प्रधानमंत्री मोदी संभालने वाले है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी अब तक बिहार में छह रैलियों को संबोधित कर चुके हैं, साथ ही आगामी ढाई महीने में उनके कुछ और रैली यहां पर होंगी। इसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह भी बिहार जा सकते हैं।

भाजपा सूत्रों के अनुसार बिहार में पीएम मोदी की कुल नौ रैलियां कराये जाने की बात कहीं जा रही है। ऐसा समझा जा रहा है कि इन रैलियों का प्रभाव 200 विधानसभा सीटों के क्षेत्र पर होगा। इनमें से रोहतास और सारण क्षेत्र में दो रैलियां पीएम मोदी पहले ही संबोधित कर चुके हैं। पीएम अन्य रैलियों को अगले ढाई महीने में संबोधित करेंगे। इन रैलियों की तारीख और जगह को लेकर अभी चर्चा जारी है। भाजपा सूत्रों की मानें तो इसकी घोषणा अगले हफ्ते में हो जाएगी।

बता दें कि बिहार चुनाव को लेकर पीएम मोदी का यह अभियान सितंबर में यानि चुनाव की घोषणा के साथ खत्म हो जाएगा ।

वर्तमान में भाजपा कार्यकर्ता का? बिहार में घर-घर संपर्क अभियान जोरों पर हैं। इसके माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता नए वोटर्स की पहचान कर उनके रजिस्ट्रेशन करने में सहायता कर रहे है। पीएम मोदी के अभियान के साथ-साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बिहार आ सकते हैं। अनुमान है कि अमित शाह यहां पर तीन या चार रैलियां कर सकते हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर इस बार बीजेपी का फोकस महिलाओं और मंदिर पर है। इसको ध्यान में रखते हुए बीते कुछ दिनों में बिहार सरकार की ओर से महिलाओं को लेकर कई घोषणाएं भी की गई हैं। वहीं बीजेपी भी महिला वोटर और नये वोटर को ध्यान में रखकर अपनी कुछ प्लान तैयार कर रही है।

पीएम की रैलियों से लेकर माता-सीता के भव्य मंदिर की घोषणा तक और इसके बाद राज्य में पेंशन, विवाह मंडप, त्योहारों पर बाहर रहने वाले लोगों को बुलाने समेत कई बड़ी घोषणाऐं पहले ही की जा चुकी है। इसके जरिए एनडीए का फोकस अपने कोर वोटर्स को मजबूत करने के साथ ही लुभावने वादों के जरिए लोगों को अपनी ओर लान का है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सुनंदा कुमरे को कलेक्टर ने दिया प्रशस्ति पत्र

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट की शीघ्रलेखक ग्रेड-01 श्रीमती सुनंदा कुमरे को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है। कार्यालय में जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजें गए पत्रों के निराकरण एवं लंबित प्रकरणों के निराकरण में श्रीमती कुमरे द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित करायी गई है। जिससे कार्यालय स्तर पर जनप्रतिनिधियों के लंबित प्रकरणों की संख्या शून्य है। श्रीमती कुमरे द्वारा अपने दायित्वों के प्रति समर्पण की भावना और सौंपे गए कार्यों का क्रियान्वयन नियमानुसार किये जाने से उनकी शाखा का कार्य उत्कृष्ट स्तर का होना पाया गया है। इसके लिए कलेक्टर श्री मीणा ने श्रीमती सुनंदा कुमरे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है और अपेक्षा की है कि भविष्य में भी उनके द्वारा शासकीय कार्यो का निर्वहन जिम्मेदारी और सजगता के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल नायक भी मौजूद थे।

होमगॉर्ड डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट ने किया कार्यालय निरीक्षण

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। होमगार्ड नागरिक सुरक्षा मुख्यालय के आदेशो के परिपालन तथा कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश न में 26 जून को डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड बालाघाट श्रीमती रजनी खटीक के द्वारा कार्यालय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लेखा शाखा, प्रशिक्षण शाखा, आवक जावक, आव्हान शाखा, एम.टी. शाखा एवं एस.डी.आर.एफ. शाखा के पंजीयों को चैक किया गया। वहीं 27 जून को एस.डी.ई.आर.एफ आपदा प्रबंधन कक्ष में रखे उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया एवं उपकरणों के रख रखाव एवं चालू हालत में रखने के निर्देश दिये एवं उनका डिमोस्ट्रेशन के माध्यम से उपकरणों को चालू कर एवं उनकी उपयोगिता के बारे में जवानों को बतलाया गया। होमगार्ड लाईन बालाघाट में किट परेड एवं आर्मुस परेड का आयोजन किया गया। जिसमें डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट द्वारा जिले में गठित ई.ओ.सी. क्यू.आर.टी. डी.आर.सी को वर्तमान में चले रहे मानसून सत्र में होने वाले आपदा बाढ़. तालाब में डूबने कुड़ में जहरीले गैस रिसाव सर्पदंस से बचाव सावधानियां

सूचना के बारे में संक्षिप्त जानकारी देकर सावधानी पूर्वक घटनाओं से निपटने की समझाईस दी गई। साथ ही बताया गया कि किसी आपदा से निपटने के लिये होमगार्ड बाढ़ आपदा कंट्रोल रूम- 077632-241594, टोल फ्री नम्बर 1079 एवं कलेक्टेट बाढ आपदा कंट्रोल रूम नम्बर 07632-240102 पर सम्पर्क किया जा सकता है। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड बालाघाट श्रीमती रजनी खटीक द्वारा बताया गया कि जिले में ई.ओ.सी. (इमरजेन्सी ऑरेशन सेन्टर) क्यू.आर.टी.(क्यूक रिस्पांस टीम) एवं तहसील स्तर पर डी.आर.सी. (डिजास्टर रिसपांस सेंटर) टीमें घठित की गई है। जिसमें सभी टीमों में 06 तैराक जवानों को मय जीवन रक्षक उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। साथ ही उपस्थित सभी जवानों को सर्पदंस से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। श्रीमती रजनी खटीक ने बताया कि डी.आर.सी. थाना अंतर्गत एस.डी.एम के साथ शिविर आयोजित का जनमानस को जागरुक करने के उद्देश्य से थाना लांजी, बैहर, मलाजखण्ड, बिरसा, परसवाड, जैसे तहसीलो में भी सर्पदंस का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध अतिथि शिक्षकों की होगी व्यवस्था

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में रिक्त पदों के विरुद्ध ऑनलाइन माध्यम से अतिथि शिक्षक व्यवस्था के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह कार्यवाही जीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। निर्देशों में कहा गया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक आमंत्रण के लिये प्रदर्शित रिक्तियाँ एजुकेशन पोर्टल-3.0 के अंतर्गत जीएफएमएस पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी हैं। प्रमाणित रिक्तियों के विरुद्ध ही शासकीय विद्यालय में अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जायेगी। अतिथि शिक्षक के प्रथम चरण की कार्यवाही 26 जून से शुरू हो गयी है। अतिथि शिक्षक की उपस्थिति रिक्रेस्ट का प्रमाणीकरण एक से 3 जुलाई तक किया जायेगा। पोर्टल पर द्वितीय चरण की संभावित समय-सारणी 5 जुलाई से शुरू होकर 12 जुलाई तक समाप्त हो जायेगी। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक की कार्यवाही पूर्णतः ऑनलाइन है, किसी भी अतिथि शिक्षक को ऑफलाइन आमंत्रित नहीं किया जायेगा। अतिथि शिक्षक व्यवस्था के विस्तृत रूप से दिशा-निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर देखे जा सकते हैं।

छात्रावासों में प्रवेश के लिए 03 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित जुनियर, सीनियर, उत्कृष्ट एवं महाविद्यालयीन छात्रावास एवं आश्रम शालाओं में 01 जुलाई 2025 से नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो रहा है। छात्रावास/आश्रमों में नवीन छात्र/छात्राओं के प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 03 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। सहायक आयुक्त श्री राहुल नायक ने बताया कि जिले के समस्त अभिभावक/पालकों को सूचित किया गया है कि यदि वे अपने बच्चों को विभागीय जुनियर, सीनियर, उत्कृष्ट एवं महाविद्यालयीन छात्रावास एवं आश्रम शालाओं छात्रावास/आश्रम में प्रवेश दिलवाना चाहते हैं तो वह अंतिम तिथि के पूर्व जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास एवं आश्रम शालाओं में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र संबंधित छात्रावास/आश्रम के अधीक्षक/अधीक्षिका से प्राप्त कर छात्रावास/आश्रम में जमा करें।

अनुसूचित जाति विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में प्रवेश के लिए 10 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। अनुसूचित जाति विभाग द्वारा संचालित जुनियर, सीनियर, उत्कृष्ट एवं महाविद्यालयीन छात्रावासों में 01 जुलाई 2025 से नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो रहा है। छात्रावासों में नवीन छात्र, छात्राओं के प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है । सहायक आयुक्त श्री राहुल नायक ने बताया कि जिले के समस्त अभिभावक/पालकों को सूचित किया गया है कि यदि वे अपने बच्चों को अनुसूचित जाति विभाग के जुनियर, सीनियर, उत्कृष्ट एवं महाविद्यालयीन छात्रावासों में प्रवेश दिलवाना चाहते हैं तो वह अंतिम तिथि के पूर्व प्रवेश हेतु आवेदन पत्र संबंधित छात्रावास के अधीक्षक/अधीक्षिका से प्राप्त कर अंतिम तिथि के पूर्व छात्रावास में जमा करें ।

लड़सड़ा व रेंगाझरी में विश्व नशा मुक्ति दिवस सम्पन्न

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। देश का एक बड़ा युवा वर्ग आज नशे की गिरफ्त में फंसता ही चला जा रहा है। इसका एक सबसे बड़ा कारण है युवाओं के लिए फैशन बन रहा नशा है ।आज की युवा पीढ़ी को नशीली वस्तुओं के घातक दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराकर नशीले पदार्थों से दूर रखने के आवश्यकता है। 26 जून विश्व नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर वारासिवनी तहसील के ग्राम लड़सड़ा के पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल एवं रेंगाझरी में विश्व नशा मुक्ति दिवस का आयोजन जि़ला पंचायत सदस्य डा. गीता ज्ञानसीह हनवत ,भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशामुक्ति एवं पुनर्वास सलाहकार धनेंद्र हनवत की प्रमुख उपस्थिति में किया गया।इस अवसर पर धनेंद्र हनवत ने कहा कि आजकल नशा फैशन बनता चला जा रहा है।युवा गलत संगत में पड़कर नशे को फैशन मान लेना कुछ युवा वर्ग की सबसे बड़ी कमजोरी बन गयी है। दूसरों की

देखा-देखी कर लोग नशा करने लग जाते हैं। अपने आपको आधुनिक बनाने के लिए नशे का सहारा लेने लगते हैं, जो लोग अवैध रूप से नशीले पदार्थों का व्यापार करते है वे लोग भी नशा करने वाले युवा वर्ग की कमजोर सोच का फायदा उठाते हुए युवाओं को नशे के व्यापार में लगा देते हैं। इसके लिए जरूरी है कि युवा अपने आपको मजबूत बनाएं और गलत संगती से बचें। कोई भी परेशानी अपने माता-पिता के साथ में शेयर जरूर करें। वर्तमान समय में बहुत बड़े युवा वर्ग को नशे में चूर रहना एक फैशन सा बनते जा रहा हैं। न केवल युवक, अपितु की लड़कियां भी इसकी आदी हो रही हैं। नशे की लत का शिकार युवा न केवल अपने परिवार के लिये अभिशाप बन जाता है, अपितु समाज व राष्ट्र के लिए भी कलंक साबित होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में युवा पीढ़ी के भविष्य को नशे के गर्त में डूबने से युवाओं बचाना हम सबका दायित्व है। दूसरा बड़ा कारण है सहनशक्ति की कमी। युवा आजकल बहुत जल्दी अपना हौसला खो देते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि वे डिप्रेशन में चले जाते हैं और फिर वे नशीले पदार्थों का सेवन करते हुए नशे की गिरफ्त में फंस जाते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता व मित्रों को चाहिए कि वे अपने बच्चों व मित्रों को इन हालात से लड़ना सिखाएं और उन्हें मजबूत बनाएं। युवा वर्ग में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति वास्तव में चिंताजनक है। युवा उचित मार्गदर्शन के अभाव में भी नशा करते हैं। किशोरावस्था के बालकों पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए । हर समय उनकी संगत पर निगाह रखी जाए। संगत ठीक होगी तो बच्चों के नशे के जाल से फसने से बचाया जा सकता हैं। नशीले पदार्थों तक युवाओं की पहुंच का आसान होना भी युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति का एक बड़ा कारण हैं। नशे की उपलब्धता एवं पहुंच आसान होने से भी बच्चों में नशा की प्रवृत्ति बढ़ी है। संयुक्त परिवार का विघटन होने से भी युवाओं को अधिक स्वतंत्रता मिली है। मीडिया ने भी नशे के कारोबार को प्रचारित किया है। वर्तमान में बढ़ती बेरोजगारी में मानसिक अवसाद दूर करने के लिए भी युवा नशे का सहारा लेते हैं। अतः इन सब पर ध्यान देकर हमें समस्या का निराकरण करना होगा।

खाद्य पदार्थों पर नहीं चलेगा 100 प्रतिशत का निशान

भोपाल। किसी भी तरह के खाद्य पदार्थ की पैकिंग पर अब 100 प्रतिशत के चिह्न का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने इस पर रोक लगा दी है। प्राधिकरण ने माना है कि 100 प्रतिशत के दावे और निशान से उपभोक्ता भ्रमित हो रहे हैं। पहले प्राधिकरण ने सिर्फ पैक्ड फलों के रस को लेकर ऐसे निर्देश दिए थे लेकिन अब सभी तरह के खाद्य पदार्थों को इसके दायरे में लिया गया है। इसमें इंटरनेट मीडिया इंफ्लूएंसरों की बड़ी भूमिका मानी जा रही है। हालांकि उद्योगों का धड़ा इस नियम पर पुनर्विचार की मांग कर रहा है।

बीते दिनों एफएसएसएआई ने सभी खाद्य पदार्थ निर्माताओं के लिए निर्देश जारी करते हुए कहा कि खाद्य उत्पाद लेबल, पैकेजिंग और प्रचार सामग्री पर 100 प्रतिशत शब्द का उपयोग न किया जाए। इसके साथ ही ऐसे शब्द या चिह्न वाली पुरानी पैकिंग भी सितंबर माह तक बाजार से हटा ली जाए। इस आदेश के पीछे कारण बताते हुए एफएसएसएआई ने माना कि नियामक प्रविधानों तहत इसमें अस्पष्टता है, ऐसे में इसकी गलत व्याख्या उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकती है। खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम 2018 में 100 प्रतिशत शब्द को किसी भी तरह से परिभाषित नहीं किया गया है। ऐसे में यह शब्द उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है। इस बीच देश में खाद्य तेल उत्पादकों की शीर्ष संस्था साल्वेंट एक्सट्रेक्टर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (एसईए) ने एफएसएसएआई को ज्ञापन सौंप कर मांग रखी है कि जारी निर्देश पर पुनर्विचार किया जाए।

नियमों में ही मिलावट की छूट

दरअसल, देश के खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम में ही तमाम खाद्य पदार्थों में सम्मिश्रण या तय पैमानों तक सम्मिश्रण की छूट दे रखी है। जैसे किसी खाद्य वस्तु चाहे बिस्किट हो या घी-तेल से बना कोई पदार्थ या कुकिंग मीडियम, यदि उसमें दो प्रतिशत तक ट्रांसफेट है तो उसे नियमों में ट्रांसफेट फ्री माना जाएगा। इसी तरह खाद्य तेलों में 20 प्रतिशत तक ब्लेंडिंग (मिश्रण) की छूट सरकार ने ही दे रखी है, यानी एक तेल में दूसरे तेल की 20 प्रतिशत तक मिलावट की जा सकती है। सिर्फ सरसों तेल में किसी अन्य तेल की ब्लेंडिंग पर रोक है। काफी पावडर भी उदाहरण है क्योंकि देश के खाद्य सुरक्षा नियम छूट देते हैं कि इंस्टेंट काफी पावडर में चिकोरी के पौधों का पावडर मिलाया जा सकता है। तमाम इंस्टेंट काफी पावडर में 49 प्रतिशत तक चिकोरी की ब्लेंडिंग की छूट दी गई है।

एक सप्ताह के भीतर विभागीय पदोन्नति समिति का गठन करने के निर्देश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। राज्य शासन ने लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 के तहत 31 जुलाई 2025 तक सभी पात्र शासकीय सेवकों की पदोन्नति करने के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला कैडर के शासकीय सेवकों की पदोन्नति के लिए कलेक्टर मृणाल मीणा ने 27 जून को अधिकारियों की बैठक लेकर समय सीमा में पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल नायक एवं संबंधित विभागों के उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में कहा

कि सभी अधिकारी लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 का अच्छे से अध्ययन करें और उसी के अनुरूप पदोन्नति की प्रक्रिया 31 जुलाई तक पूर्ण करें। पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति का गठन एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने निर्देश दिए गए। पदोन्नति की प्रक्रिया पर निगरानी रखने के लिए अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। गोपनीय चरित्रावली एवं पात्रता संबंधी अन्य शर्तों के अनुसार 60 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति की जाना है। जिला कैडर के अंतर्गत जनजाति कार्य विभाग, राजस्व, कृषि, पॉलीटेक्निक, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण की जाना है। अन्य विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया भोपाल मुख्यालय स्तर से की जाना है।

बालाघाट विधायक ने फिर लगाया सांसद पर प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप

कहा भारती पारधी प्रोटोकॉल उल्लंघन कर हल्की मानसिकता का दे रही परिचय, गौरी शंकर बिसेन को अब हो जाना चाहियें रिटायर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने फिर एक बार सांसद भारती पारधी सहित सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियों पर लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सांसद अपनी हल्की मानसिकता का परिचय देते हुए प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर रही है । पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्हें अब रिटायर हो जाना चाहिए। सांसद भारती पारधी ने भी आरोपो का खंडन करते हुए कहा कि यह जो कार्य हुए हैं वह केंद्र की योजना के अंतर्गत हुए हैं । इन कामों में उन्हें विधायक से पूछने की आवश्यकता नहीं है । उसके बाद भी वह सामंजस्य बिठाते हुए उन्हें पूरा मान सम्मान देते हैं। गौरीशंकर बिसेन उनके पार्टी के वरिष्ठ नेता है, इसलिए वह उन्हें पूरा सम्मान देती हैं और यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक के प्रमुख आतिथ्य में की आयोजित किया गया है।

आपको बता दे की लालबर्रा क्षेत्र में 27 जून को कुछ स्थानों पर लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। जिसमें टेंगनीखुर्द में उप स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण होना है तो वही अतरी ग्राम में भी उप स्वास्थ्य केन्द्र के साथ-साथ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सामुदायिक भवन ,गौशाला निर्माण सहित ऐसे कई कार्यक्रम रखे गए थे । जिसके आमंत्रण कार्ड में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद भारती पारधी को बनाया गया है तो वहीं इन पूरे कार्यक्रमों में पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन की अध्यक्षता रखी गई है । प्रमुख अतिथि के रूप में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे को रखा गया है । इसी आमंत्रण पत्र को देखने के बाद बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा एक वीडियो बयान जारी

करते हुए सांसद भारती पारधी पर आरोप लगाया गया कि सांसद द्वारा हर बार प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया जाता है और उन्हें प्रोटोकॉल के हिसाब से आमंत्रण पत्रों में स्थान नहीं दिया जाता। बालाघाट विधायक ने वीडियो बयान में कहा कि वह बीते दिनों ग्रामीण अंचलों में जनसंपर्क के दौरान चोटिल हो गई थी और उनका पैर फैक्चर हो गया, जिससे वह अभी भोपाल में स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं, किंतु यहां लालबर्रा क्षेत्र में कुछ शासकीय कार्यक्रम में भूमिपूजन और लोकार्पण हो रहे हैं। जिसमें सत्ताधारी पार्टी और जनप्रतिनिधि सहित सांसद सत्ता का दुरुपयोग करते हुए प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर रही हैं । उन्होंने लालबर्रा क्षेत्र में हो रहे लोकार्पण और भूमिपूजन को लेकर बताया कि जहां प्रोटोकॉल के अनुसार आमंत्रण पत्र में उनका नाम होना चाहिए , वहां पर उनका नाम नहीं रखा गया है जबकि पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन अभी कोई संवैधानिक पद पर नहीं होने के बावजूद भी उन्हें कार्यक्रम की अध्यक्षता के स्थान पर नाम दिया गया है । प्रोटोकॉल अनुसार उनका नाम जिस पंक्ति में रखा गया है वह , वहां नहीं होना चाहिए । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद हो सकती है, किंतु अध्यक्षता में गौरीशंकर बिसेन का नाम रखना गलत है । जबकि उनसे कार्यक्रम आयोजन को लेकर किसी प्रकार की चर्चा नहीं की गई और ना ही उन्हें जानकारी दी गई। दोनों गांव के सरपंचों पर दबाव बनाकर कार्यक्रम आयोजित करवा लिया गया। प्रोटोकॉल अनुसार जनप्रतिनिधियों का सम्मान होना चाहिए। लगातार सत्ता पक्ष में बैठे जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन के साथ सत्ता का दुरुपयोग करते हुए प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर रहे हैं ,जो कि गलत है। बालाघाट विधायक ने इस प्रकार की घटना पर सांसद को हल्की मानसिकता का परिचय देना बताया।

पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को बालाघाट विधायक की सलाह

पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को भी बालाघाट विधायक द्वारा आड़े हाथों लेते हुये कहा कि पूर्व मंत्री को मेरी सलाह हैं कि, जनता ने आपको रिटायरमेंट दे दिया है , जनता की तरफ से अब वह रिटायर्ड हो चुके हैं , इस बात को स्वीकार कर लेना चाहिए ,उन्होंने कहा कि यदि आपको काम ही करना है तो वह अपने संगठन का काम कर सकते हैं , किंतु मेरे विधानसभा क्षेत्र मे और मेरे अधिकार क्षेत्र में हस्तछेप करेंगे तो वह उनकी कटु शब्द में निंदा करेंगी।

गौरीशंकर बिसेन एक प्रमुख नेता है - भारती पारधी

सांसद भारती पारधी ने भी बालाघाट विधायक द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उन्हें भी जानकारी है कि बालाघाट विधायक इन दिनों चोटिल होने की वजह से स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। इसकी जानकारी उन्हें है और जो बालाघाट विधायक कह रही है कि उनसे भूमि पूजन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने बताया कि यह जो कार्य हुए हैं , वह केंद्र की योजनाओं के अंतर्गत कार्य किए गए हैं। इसमें उन्हें बालाघाट विधायक से पूछने की आवश्यकता नहीं है । उसके बावजूद भी वह क्षेत्र में सामंजस बिठाकर कार्य करते हैं । उन्होंने यह भी बताया कि वह कभी भूमिपूजन और लोकार्पण के कार्यक्रम में विश्वास नहीं रखती, प्रोटोकॉल को लेकर सांसद ने बालाघाट विधायक को कहा कि वह मुझे प्रोटोकॉल के बारे में ना बताएं । क्योंकि उनके मुख्य आथित्य में ही कार्यक्रम हो रहा है । गौरीशंकर बिसेन उनके प्रमुख नेता है और उनको सम्मान देना उनका और पार्टी का दायित्व है । विशेष अतिथि वह किसी को भी बना सकती हैं । कैमरे के सामने सांसद भारती पारधी ने कार्यक्रम को अपने मुख्य अतिथि के रूप में और बालाघाट विधायक की अध्यक्षता में होना बताया। किंतु कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र देखा जाए तो उसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के द्वारा होनी लिखा गया है ।

डेंजर रोड पर स्कूटी और मोटरसाइकिल में सवार तीन युवकों को तीन तत्वों ने हाथ बुक्के और पथराव करके किये चोटिल

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। डेंजर रोड पर सक्रिय असामाजिक गतिविधियों के चलते बीती रात इस रोड पर स्थित रेलवे पुल के पास तीन तत्वों ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को मारपीट और पथराव करते हुए घायल कर दिए। यह घटना उस समय हुई जब तीनों युवक स्कूटी और मोटरसाइकिल में गर्रा से कोसमी जाने निकले थे। पथराव और मारपीट में घायल तीनों युवक रोहित पिता रमेश खरोले 22 वर्ष सुनील पिता राजू अगासे 16 वर्ष और आर्यन पिता तिलक मड़ावी 25 वर्ष तीनों ग्राम कोसमी थाना ग्रामीण निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोहित खरोले पेंटिंग का काम करता है। 26 जून को रोहित खरोले काम करने के लिए लालबर्रा गया था और उसने आर्यन मड़ावी को फोन करके उसे लेने बुलाया था। रोहित खरोले गर्रा पहुंचा था तभी वहां पर आर्यन म ?ावी मोटरसाइकिल से गर्रा पहुंच गया था ।वहीं पर सुनील अगासे और बिज्जू भी मिल गए थे। रात्रि 10 बजे करीब चारों युवक स्कूटी और मोटरसाइकिल में गर्रा से कोसमी आने निकले थे ।रोहित और आर्यन मोटरसाइकिल में थे वहीं सुनील और बिज्जू स्कूटी में डेंजर रोड होते हुए कोसमी आ रहे थे । तभी डेंजर रोड पर स्थित रेलवे पुल के पास तीन युवक ने उन्हें रोके और उन्हें हाथ बुक्के और पथराव करके चोटिल कर दिए। तथा उनकी मोटरसाइकिल भी तोड़फोड़ कर दिए। बताया गया है कि इन तीन युवकों में रहीम नाम का युवक गर्रा का रहने वाला है। इन तीन युवकों द्वारा किए गए मारपीट और पत्थराव चोटिल तीनों युवक अपना इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे। जिला अस्पताल पुलिस ने रोहित पिता रमेश खरोले ग्राम कोसमी में निवासी का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

एक व्यक्ति की उसी के घर के अंदर से फांसी पर लटकी लाश बरामद

पत्नी के द्वारा छोड़ कर चले जाने से व्यथित होकर राजेंद्र ने लगाई फांसी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नेवर गांव में 3 दिन से लापता व्यक्ति राजेंद्र पिता राम सिंह उइके 38 वर्ष की उसी के घर के अंदर से फांसी पर लटकी लाश बरामद की गई। इस व्यक्ति के द्वारा पत्नी के मायके चले जाने से व्यथित होकर फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मलाजखंड पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार राजेंद्र उइके दो भाई है बड़ा भाई संतोष उइके नगर पालिका मलाजखंड में दैनिक वेतन भोगी के पद पर पदस्थ है। दोनों भाई अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं। राजेन्द्र उइके खेती किसानी करता था। बताया गया है कि राजेंद्र उइके की पत्नी धानी उइके के 5,6वर्षों से राजेंद्र उइके को छोड़कर अपने मायके मगरदर्रा में जाकर रह रही है। राजेंद्र उइके अपने घर में अकेला रहता था। जिसकी कोई संतान नहीं थी। पत्नी के छोड़कर चले जाने से राजेंद्र का मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता था। वह कोई काम धंधा नहीं करता था और हमेशा शराब के नशे में रहता था। 23 जून की शाम 7:00 बजे राजेंद्र उइके ने अपने बड़े भाई संतोष उइके के घर से सब्जी लेकर गया था। खाना खाने के बाद रात्रि 9:00 बजे राजेंद्र उइके से उसके बड़े भाई संतोष उइके ने बातचीत किया था और उसके बाद परिवार सहित सो गए थे। बताया गया कि राजेंद्र उइके कहीं भी काम करने चला जाता था और अपनी खेती बाड़ी के काम में रहता था। 26 जून को 12:00 बजे संतोष उइके ने जब अपने भाई राजेन्द्र उइके के घर तरफ जाकर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था। संतोष उइके ने आवाज दिया तो कोई जवाब नहीं आया। घर के अंदर से बदबू आ रही थी। तब संतोष उइके ने अपने पड़ोसियों को बताया की भाई राजेंद्र उइके के घर का दरवाजा अंदर से लगा है और अंदर से बदबू आ रही है। तब सभी लोगों ने राजेंद्र उइके के घर का दरवाजा को खोलकर अंदर जाकर देखें घर के अंदर म्याल में राजेंद्र उइके के फांसी पर लगा लटका हुआ था। जिसकी रिपोर्ट संतोष उइके ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी। प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा 2023 के तहत मर्ग कायम किये। प्रधान आरक्षक जीत सिंह ठाकुर ने अपने स्टाफ के साथ नेवरगांव पहुंचकर मृतक राजेंद्र उइके की फांसी लटकी हुई लाश उसके घर के अंदर से बरामद की और पंचनामा कार्यवाही पश्चात लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि पत्नी के मायके जाने से मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने और शराब पीने के आदी होने से राजेंद्र उइके ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर दी। आगे मर्ग जांच प्रधान आरक्षक जीत सिंह ठाकुर द्वारा

खेत में आने जाने के रास्ते को लेकर विवाद

एक ही परिवार के चार लोगों ने कृषक से की मारपीट, घायल कृषक जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोदा में खेत में आने जाने रास्ते के विवाद के चलते एक ही परिवार की चार लोगों ने एक कृषक को हाथ बुक्के और कुल्हाड़ी की मूंदई से मारपीट कर घायल कर दिए। 27 जून को 10:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह कृषक ट्रैक्टर लेकर अपने खेत जा रहा था। घायल कृषक रविशंकर पिता सुरेश चिखलोंड़े 35 वर्ष ग्राम बोदा निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविशंकर चिखलोंडे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में माता-पिता और पत्नी बच्चे हैं। यह भी बताया गया है कि रवि शंकर अपने खेत,अपने गांव के कृषक पितम लिल्हारे के खेत से होकर ही जाते हैं। किंतु पितम लिल्हारे ने कृषक रवि शंकर चिखलोंडे को अपने खेत से आना-जाना मना करते रहता है। जबकि यहा से सालों से आना-जाना होते रहता है और यह मामला न्यायालय में भी चला और निर्णय रवि शंकर के पक्ष में आया। 27 जून को 10:00 बजे रविशंकर चिखलोंडे ट्रैक्टर लेकर अपना खेत जा रहा था। जैसे ही वह प्रीतम लिल्हारे के खत पहुंचा तो देखा कि प्रीतम लिल्हारे ने अपने खेत के रास्ते पर मिट्टी डाल रखा था। इस संबंध में रविशंकर। चिखलोंडे ने अपने गांव के सरपंच सुरेंद्र लिल्हारे को फोन करके बताया की पितम लिल्हारे ने हमारे आने जाने के रास्ते को रोक दिया है और मिट्टी डाल दिया है। इसी दौरान पितम लिल्हारे का भाई गजानन लिल्हारे आया और बोला कि यहा से तुम लोगों के लिए आने-जाने का रास्ता नहीं है। किसी को लेकर के रवि शंकर चिखलौंडे और गजानन लिल्हारे के बीच विवाद हो गया तभी तभी गजानन लिल्हारे ने फोन करके अपने भाई पितम लिल्हारे भतीजे राकेश लिल्हारे अभय लिल्हारे को फोन करके बुलाया ।सभी लोग खेत आए और रविशंकर चिखलोंड़े को गाली गुप्तार कर हाथ बुक्के और कुल्हाड़ी की मूंदई से मारपीट किए। जिससे रविशंकर चिखलोंडे बेहोश हो गया। इस समय सरपंच सुरेंद्र लिल्हारे पहुंचा और उसने घायल कृषक रवि शंकर चिखलोंड़े को डायल 100 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने घायल कृषक रविशंकर चिखलौंडे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट